@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 5 अक्टूबर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 326 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्रधानमंत्री ने बिहार के युवाओं से किया संवाद

मोदी ने कौशल दीक्षांत समारोह-2025 के दौरान 62 हजार करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न युवा-केंद्रित पहलों का भी अनावरण किया।

नीतीश कुमार ने राज्य के विकास में योगदान के लिए दिया धन्यावाद

एजेंसी
पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के टॉपर्स को सम्मानित किया। उन्होंने कौशल दीक्षांत समारोह-2025 के दौरान 62 हजार करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न युवा-केंद्रित पहलों का भी अनावरण किया। कार्यक्रम के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी जुड़े।

कार्यक्रम में पुनर्निर्मित बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का शुभारंभ, वर्ग 9-10 के 25 लाख विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 450 करोड़ रुपये की छात्रवृति राशि का हस्तांतरण, युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये 'बिहार युवा आयोग' का शुभारंभ, 'मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना' के लाभुकों को राशि का वितरण, भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय का उद्घाटन एवं एनआईटी, पटना के बिहटा कैंपस का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया। साथ ही 'पीएम -उषा अभियान' के तहत बिहार के चार विश्वविद्यालयों- पटना विश्वविद्यालय, पटना, भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा और नालंदा मुक्त विश्वविद्यालय, पटना में नई शैक्षणिक एवं अनुसंधान सुविधाओं का शिलान्यास तथा नवचयनित 3942 युवाओं को नियुक्ति पत्र का वितरण भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार

सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सरकार की ओर से राज्य के युवाओं के लिये किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहाकि आज का यह समारोह इस बात का प्रतीक है कि आज का भारत कौशल को कितनी प्राथमिकता देता है। आज देश भर के युवाओं के लिए शिक्षा और कौशल विकास की दो और बड़ी योजनाओं का शुभारंभ हुआ है। इस दीक्षांत समारोह के पीछे यही विचार था कि जब तक हम श्रम को प्रतिष्ठा नहीं देंगे, कौशल के लिए काम करने वालों को, जिनमें क्षमता है, सार्वजनिक जीवन में सम्मान नहीं मिलेगा, तो शायद वे खुद को कमतर समझेंगे।प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से बिहार के हजारों युवा हमसे जुड़े हैं। इस पीढ़ी को शायद अंदाज़ा नहीं होगा कि ढाई दशक पहले बिहार की शिक्षा व्यवस्था कितनी जर्जर थी। न ईमानदारी से स्कूल खुलते थे, न ही भर्तियां होती थीं।

कौन से माता-पिता नहीं चाहेंगे कि उसका बच्चा यहां पढ़े और आगे बढ़े? लेकिन मजबूरी में लाखों बच्चे बिहार छोड़कर वाराणसी, दिल्ली और मुंबई जाने को मजबूर हुए। यहीं से पलायन की असली शुरुआत हुई। सौभाग्य से बिहार की जनता ने नीतीश कुमार को सरकार की जिम्मेदारी सौंपी, और हम सब गवाह हैं कि कैसे पूरी राजग टीम ने मिलकर बिगड़ी हुई व्यवस्था को पटरी पर लाया। मुझे खुशी है कि आज के कौशल दीक्षांत समारोह में बिहार को एक नया कौशल विश्वविद्यालय मिला है। नीतीश कुमार की सरकार ने इस विश्वविद्यालय का नाम भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के नाम पर रखा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि बहुत खुशी की बात है कि आज देशभर के औद्यागिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के टॉपर्स के लिए कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया है। प्रधानमंत्री द्वारा आज युवाओं के कौशल विकास और क्षमता निर्माण के लिए देशभर एवं बिहार के लिए 11 कार्यक्रम एवं योजनाओं का शुभारंभ, उद्घाटन एवं शिलान्यास किया गया है।

प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी तिरुप्पुर कुमारन और सुब्रमण्य शिवा को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के स्वतंत्रता संग्राम की दो महान विभूतियों तिरुप्पुर कुमारन और सुब्रमण्य शिवा को उनके स्मृति दिवस पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर तमिल और अंग्रेजी में अलग-अलग पोस्ट में कहा कि इस दिन हम भारत माता के दो महान सपूतों, तिरुप्पुर कुमारन और सुब्रमण्य शिवा को स्मरण करते हैं और उन्हें नमन करते हैं। दोनों ही महान तमिलनाडु राज्य से थे और उन्होंने भारत की स्वतंत्रता और राष्ट्रवाद की भावना जागृत करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि तिरुप्पुर कुमारन ने हमारा राष्ट्रीय ध्वज थामे हुए शहादत प्राप्त की और इस प्रकार दिखाया कि अदम्य साहस और निःस्वार्थ बलिदान क्या होता है। सुब्रमण्य शिवा ने अपने निडर लेखन और ओजस्वी भाषणों के माध्यम से असंख्य युवाओं में सांस्कृतिक गौरव और देशभक्ति का संचार किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन दोनों महान विभूतियों के प्रयास हमारी सामूहिक स्मृति में अंकित हैं, जो हमें उन असंख्य लोगों के संघर्षों और कष्टों की याद दिलाते हैं जिन्होंने औपनिवेशिक शासन से हमारी स्वतंत्रता सुनिश्चित की। उनका योगदान हम सभी को राष्ट्रीय विकास और एकता के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित करता रहे।

दिग्गज अभिनेत्री संध्या शांताराम का निधन

एजेंसी
मुंबई। मनोरंजन जगत से एक दुखद खबर सामने आई है। हिंदी और मराठी सिनेमा की दिग्गज अदाकारा और प्रसिद्ध फिल्मकार वी. शांताराम की पत्नी संध्या शांताराम अब हमारे बीच नहीं रहीं।

94 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। शनिवार 4 अक्टूबर को उनका पार्थिव शरीर मुंबई के शिवाजी पार्क स्थित बैकुंठ धाम में अंतिम संस्कार किया जाएगा। उनके पार्थिव शरीर को बैकुंठ धाम में ले जाया गया है। उनके निधन की खबर से फिल्म और कला जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। निर्देशक मधुर भंडारकर ने भी सोशल मीडिया

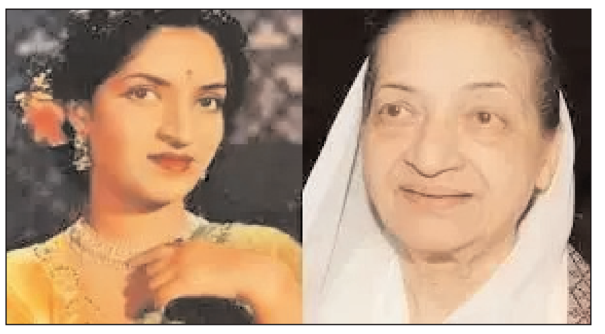

पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने संध्या की एक पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, महान अदाकारा संध्या शांताराम जी के निधन से दुखी हूं। 'पिंजरा', 'दो आंखें बारह हाथ', 'नवरंग' और 'झनक झनक पायल बाजे' जैसी फिल्मों में उनकी भूमिकाएं हमेशा याद रखी जाएंगी। उनकी अद्भुत प्रतिभा और मंत्रमुग्ध कर देने वाले नृत्य कौशल ने सिनेमा जगत पर अमिट छाप छोड़ी है। ओम शांति।

महाराष्ट्र में साइक्लोन शक्ति का अलर्ट

65kmph की रफ्तार से हवा चलेगी; आंध्र में बारिश से 4, ओडिशा में लैंडस्लाइड से 2 की मौत

एजेंसी
मुंबई। गुजरात के कच्छ में खाड़ी और उसके आसपास अरब सागर में बना कम दबाव का क्षेत्र अब चक्रवाती तूफान बन गया है। श्रीलंका ने इसे साइक्लोन शक्ति नाम दिया है। महाराष्ट्र में 3 से 7 अक्टूबर के बीच साइक्लोन शक्ति को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। इसका असर मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिले में दिखेगा। यहां 45-55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। हवा की रफ्तार 65 किमी और इससे ज्यादा भी हो सकती है। 5 अक्टूबर तक महाराष्ट्र के तटों पर समुद्र में ऊंची लहरें उठने की आशंका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने बताया कि 'शक्ति' अरब सागर में मानसून के बाद का पहला चक्रवाती तूफान है। यह साइक्लोन 6 अक्टूबर की सुबह पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा की ओर वापस मुड़ जाएगा, जिससे इसका असर कमजोर हो जाएगा। दूसरी तरफ, बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक गहरे दबाव का क्षेत्र बनने से आंध्र प्रदेश और ओडिशा के कई जिलों में भारी बारिश और बाढ़ आ गई।

'आप' गोवा में कांग्रेस से गठबंधन नहीं करेगी: केजरीवाल

● गोवा के लोगों को सबसे ज्यादा कांग्रेस ने निराश किया और धोखा दिया है।

एजेंसी
गोवा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को 2027 के गोवा विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के साथ किसी भी तरह के गठबंधन से इनकार किया। केजरीवाल ने कहा, ''किसी भी परिस्थिति में कांग्रेस के साथ 'आप' गठबंधन नहीं करेगी।'' दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उन दावों को खारिज किया, जिसमें कहा जा रहा था कि पार्टी के कुछ कार्यकर्ता विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के साथ हाथ मिलाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि गोवा के लोगों को सबसे ज्यादा कांग्रेस ने निराश किया

और धोखा दिया है। कांग्रेस पिछले कुछ वर्षों में भाजपा को विधायकों की थोक आपूर्ति करने वाली कंपनी बन गई है। क्या कांग्रेस गोवा के मतदाताओं को यह आश्वासन दे सकती है कि भविष्य में कोई भी पार्टी विधायक भाजपा में शामिल नहीं होगा? दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ÷2017 और 2019 के बीच कम से कम 13 कांग्रेस विधायक भाजपा में शामिल हो गए। 2022 में, 10 कांग्रेस विधायक पाला बदलकर भाजपा में शामिल हो गए।' उन्होंने कहा कि अगर 'आप' कांग्रेस के साथ गठबंधन करती हैं, तो यह भाजपा को विधायक मुहैया कराने के बराबर होगा। हम ऐसी किसी भी कवायद का हिस्सा नहीं बनना चाहते, जिससे गोवा में भाजपा सरकार बनने में मदद मिले।

रेखा सरकार ने आर्थिक सहायता लाभार्थियों के वार्षिक सत्यापन को दी मंजूरी

कौमी पत्रिका
नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। राजधानी में अब उन जरूरतमंदों को ही आर्थिक सहायता मिलेगी, जो वाकई उसके हकदार हैं। रेखा सरकार ने इसके लिए एक प्रभावी और विशेष निर्णय लिया है। सरकार ने विभिन्न योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता पाने वाले लाभार्थियों के वार्षिक सत्यापन को मंजूरी दी है। इस महत्वपूर्ण पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लगभग छह लाख लाभार्थियों को दी जा रही सामाजिक कल्याण योजनाओं की आर्थिक सहायता में पारदर्शिता और दक्षता को और मजबूत करना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सरकारी सहायता वास्तविक और पात्र व्यक्तियों तक ही पहुंचे। दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने पिछले दिनों इसे मंजूरी प्रदान की थी। इस आशय की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने बताया कि समाज कल्याण की विभिन्न योजनाओं के तहत लाखों जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता दी जा रही है। सरकार इन योजनाओं में प्रभावी पारदर्शिता चाहती है, इसके लिए लाभार्थियों का वार्षिक सत्यापन कराने का निर्णय लिया गया है। इस प्रक्रिया को संचालित करने के लिए विभाग ने

सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड (CSC SPV) के साथ साझेदारी की है। यह संस्था भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) द्वारा प्रोत्साहित एक विशेष प्रयोजन वाहन है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस सत्यापन अभियान के अंतर्गत प्रत्येक लाभार्थी का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण किया जाएगा तथा उनका जीवन प्रमाणपत्र (Life Certificate) तैयार किया जाएगा। साथ ही लाभार्थियों के जीवंत फोटोग्राफ, आधार विवरण, मोबाइल नंबर और पता भी इकट्ठा किया जाएगा। इन सभी दस्तावेजों का डिजिटलीकरण किया जाएगा और विभाग के डेटाबेस को नवीनतम जानकारी के साथ अपडेट किया जाएगा। जिन लाभार्थियों के लिए सीएससी केंद्रों तक पहुंचना संभव नहीं होगा, उनके लिए घर-घर सत्यापन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त, लाभार्थियों की शिकायतों के जल्द निवारण के लिए एक कॉल सेंटर और हेल्पलाइन स्थापित की जाएगी।

शेष पृष्ठ 3 पर

गुरु गोबिंद सिंह की पादुकाएं 'जोड़े साहिब' अब तख्त श्री पटना साहिब गुरुद्वारा को सौंपी जाएंगी

● पुरी ने बताया कि उनके परिवार को तीन सौ वर्ष पूर्व स्वयं गुरु गोबिंद सिंह जी और माता साहिब कौर जी से इन पवित्र अवशेषों की सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ था।

एजेंसी
नई दिल्ली। दसवें सिख गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह और माता साहिब कौर की पवित्र पादुकाएं 'जोड़े साहिब' अब उनके जन्मस्थान तख्त श्री पटना साहिब गुरुद्वारा को सौंपी जाएंगी। पिछले 300 साल से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का परिवार गुरु की पादुकाओं की सेवा कर रहा था। इस संबंध में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और तख्त श्री पटना साहिब गुरुद्वारा समिति के अध्यक्ष सरदार जगजोत सिंह सोही ने शनिवार को यहां एक संयुक्त पत्रकार वार्ता में यह घोषणा की। उन्होंने बताया कि दिल्ली से पटना तक 'जोड़े साहिब' को श्रद्धा के साथ लेकर जाने के लिए एक भव्य नगर कीर्तन यात्रा आयोजित की जाएगी। पुरी ने बताया कि उनके परिवार को तीन सौ वर्ष पूर्व स्वयं गुरु गोबिंद सिंह जी और माता साहिब कौर जी से इन पवित्र अवशेषों की सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। उनके पूर्वज गुरु महाराज की प्रत्यक्ष सेवा में थे और उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर गुरु साहिब ने परिवार को इन पादुकाओं की सेवा और संरक्षण की आज्ञा दी थी। पुरी ने कहा कि उनके चचेरे भाई और अंतिम संरक्षक सरदार जसमीत सिंह पुरी के निधन के बाद

परिवार ने निर्णय लिया कि 'जोड़े साहिब' को अब ऐसे स्थान पर रखा जाए, जहां देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु मत्था टेक सकें। इसके बाद संस्कृति मंत्रालय के माध्यम से इन अवशेषों की बारीकी से जांच कराई गई। कार्बन-14 परीक्षण से इनकी प्राचीनता और प्रामाणिकता की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा कि चूंकि यह बहुत ही ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक मूल्य का अवशेष है इसलिए सांस्कृतिक मंत्रालय ने कार्बन-14 परीक्षण करवाया।

राहुल गांधी विदेशों में लोकतंत्र को मजबूत करने की बात करते है: राजीव शुक्ला

कानपुर । कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के कोलंबिया में लोकतंत्र पर दिए बयान को लेकर भाजपा उन पर हमलावर है। वहीं, कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला का मानना है कि राहुल गांधी देश से प्यार करते हैं और वे कभी भी देश का अपमान विदेश की धरती पर नहीं करते हैं। वे तो भारत की सराहना करते हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कोलंबिया में कहा था कि भारत का लोकतंत्र खतरे में है। इस बयान को लेकर भाजपा नेताओं द्वारा उनकी आलोचना की जा रही है, जिसके जवाब में शुक्ला ने उनका बचाव किया। कानपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं कहा। राहुल गांधी ने लोकतंत्र के बारे में बिल्कुल सही बात कही है और वह बहुत अच्छा बोल रहे हैं। जब भाजपा के नेता विदेश जाते हैं।

कलिम्पोंग में कार खाई में गिरी, 4 लोगों की मौत, तीन घायल

एजेंसी
सिलीगुड़ी। कलिम्पोंग में राष्ट्रीय राजमार्ग 10 पर रात एक वाहन के गहरी खाई में गिर जाने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह घटना कलिम्पोंग थाना अंतर्गत मेली किरनी के पास रात करीब 8 बजे हुई। पाथेरझोरा से गंगटोक जा रही एक कार सड़क से फिसलकर लगभग 50 फीट गहरी खाई में गिर गई।मृतकों की पहचान कमल सुब्बा (44), जो वाहन चला रहे थे, समीरा सुब्बा (20), जानुका दार्जी और नीता गुरुंग के रूप में हुई है। ये सभी बोजोघरी इलाके के निवासी थे। घायलों में सुनीता थापा, संदरिया राय और समीउल दार्जी को मेली सिक्किम अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

तमिलनाडु, एमपी के बाद केरल में कोल्ड्रिफ कफ सिरप बैन

● यहां 10 बच्चों की जान गई; राजस्थान में 2 की मौत के बाद ड्रग कंट्रोलर सस्पेंड

एजेंसी
नई दिल्ली। तमिलनाडु के बाद शनिवार को मध्य प्रदेश और केरल ने भी कोल्ड्रिफ कफ सिरप को बैन कर

दिया। इस सिरप से मध्यप्रदेश में 27 दिन में 10 बच्चों की मौत हो गई। इन सभी की उम्र एक से 5 साल के बीच है। उधर, राजस्थान में डेक्सट्रोमेथोरपन हाइड्रोब्रोमाइड कफ सिरप और उसे बनाने वाली कंपनी केसंस फार्मा को भी प्रतिबंधित कर दिया गया। इस कंपनी का प्लांट जयपुर में है। इस सिरप से राजस्थान में 2 बच्चों की जान गई।

कोल्ड्रिफ दवा की मैन्युफैक्चरिंग तमिलनाडु के कांचीपुरम में हो रही थी। बच्चों की मौत के बाद तमिलनाडु सरकार ने गुरुवार को उत्पादन और बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। राज्य में इस दवा के थोक और रिटेल स्टॉक को सीज कर दिया गया है।

● एमपी में कोल्ड्रिफ से 10 मौतें छिंदवाड़ा में

एमपी के छिंदवाड़ा में कप सिरप पीने से 10 बच्चों की मौत हुई है। पहला संदिग्ध मामला 24 अगस्त को सामने आया था। पहली मौत 7 सितंबर को हुई थी। इसके बाद 15 दिन में किडनी फेल होने से एक-एक कर 6 बच्चों की मौत हो गई। एमपी स्टेट फूड एंड ड्रग कंट्रोलर दिनेश कुमार मौर्य ने शनिवार को बताया, 'कोल्ड्रिफ सिरप में डायएथिलीन ग्लाइकॉल पाया गया, इसकी मात्रा तय मात्रा से ज्यादा थी। इसी कारण यह सिरप विषैला पा गया।'

गाजियाबाद में दर्दनाक हादसा : तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, तीन महिलाओं की मौत

गाजियाबाद। गाजियाबाद में शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ। यह घटना थाना सिहानी गेट क्षेत्र के राकेश मार्ग जीटी रोड पर सुबह लगभग 5:45 बजे हुई। बताया जा रहा है कि यहां सड़क किनारे खड़ी चार महिलाओं और एक व्यक्ति को तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। पूरी घटना की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है, जिसमें देखा जा सकता है कि कैसे तेज रफ्तार कार सीधे सड़क पर खड़ी महिलाओं को रौंदते हुए डिवाइडर से टकरा गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसे में जिन लोगों को टक्कर लगी, उनमें विपिन शर्मा पुत्र किशन पाल शर्मा निवासी श्याम विहार कॉलोनी, कमलेश पत्नी दयानंद निवासी न्यू कोटगांव, मीनू प्रजापति पत्नी भक्त सिंह प्रजापति निवासी न्यू कोटगांव और सावित्री देवी पत्नी दरियाब सिंह निवासी न्यू कोटगांव शामिल हैं।

फर्रुखाबाद के कोचिंग सेंटर में भीषण विस्फोट, 2 की मौत, शवों के चीथड़े उड़े

● बाइकें 50 मीटर दूर गिरीं; 5 छात्र गंभीर

एजेंसी
फर्रुखाबाद । फर्रुखाबाद के एक कोचिंग सेंटर में शनिवार को विस्फोट हो गया। इसमें 2 युवकों की मौत हो गई। जबकि 5 छात्र घायल हुए हैं। यहां लाइब्रेरी भी चलती थी। घायलों को तत्काल फर्रुखाबाद के लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। विस्फोट इतना भयानक था कि 1 किलोमीटर दूर तक इसकी आवाज सुनाई दी।

शवों के चीथड़े उड़ गए। चारों तरफ खून ही खून फैल गया। कुछ छात्रों के शरीर के मांस के लोथड़े काफी दूर जाकर गिरे।

ब्लास्ट में कोचिंग सेंटर के दरवाजे और बेंच टूट गए। बाहर की स्लैब और पक्की दीवारें 50 मीटर दूर जा गिरीं। बाहर लगी लोहे की जाली 150 मीटर दूर पानी के गड्ढे में जा गिरी। आसपास के कई मकानों के शीशे टूट गए। मौके पर बारूद जैसी गंध आ रही थी। 50 मीटर दूर गिरीं बाइक-स्कूटी कोचिंग सेंटर में छात्रों की खड़ी बाइक, स्कूटी और

साइकिलें करीब 50 मीटर दूर तक जा गिरीं। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 2 गाड़ियां, फतेहगढ़ और कादरी गेट थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। घायलों का हाल जानने के लिए डीएम आशुतोष कुमार द्विवेदी और एसपी आरती सिंह लोहिया अस्पताल पहुंचे। सिटी मजिस्ट्रेट संजय कुमार बंसल भी मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम और बम स्क्वॉयड मौके पर पहुंच गया है।

जब भारत उड़ान भरता है, तो झूठ जमीन पर गिर जाता है: सिंघवी

– ऑपरेशन सिंदूर के बयान पर कांग्रेस नेता अजय को पार्टी के ही नेता ने घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर पर शक जाहिर करने वाले कांग्रेस नेता अजय राय घिरते नजर आ रहे हैं। बता दें शुक्रवार को एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और सीडीएस उपेंद्र द्विवेदी ने ऑपरेशन सिंदूर पर अपने बयान पर पाकिस्तान को लताड़ा था। इनके संबोधन के बाद कांग्रेस नेता ने कटाक्ष करते हुए कहा था कि 'कुछ तो गड़बड़' है। दरअसल, उन्होंने एयर चीफ मार्शल और सीडीएस के बयान को विरोधाभासी बताया था। बीजेपी ने हमला करते हुए उनको सेना के मनोबल गिराने का आरोप लगाया था। लेकिन, अब अजय राय अपनी पार्टी के नेता से घिरते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने एक्स पर सेना और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पोस्ट किया है।

सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल खड़ा करने वाले अजय राय अपनी ही पार्टी के नेता के बयान से घिरते हुए नजर आ रहे हैं। सिंघवी ने एक्स पर पोस्ट के जरिए पाकिस्तान को जमकर लताड़ा। दरअसल, सिंघवी ने लिखा- भारतीय तथ्य पाकिस्तानी दुष्प्रचार से ज्यादा ज़ोरदार है। जैसा कि भारतीय वायुसेना प्रमुख ने पुष्टि की है, पाकिस्तान के 'शीर्ष हथियार' एफ-16 और जेएफ-17 उनके झूठे बयानों से भी तेजी से गिरे। जब भारत उड़ान भरता है, तो झूठ जमीन पर गिर जाता है! सिंघवी के इस पोस्ट से तो अजय राय के सवाल भी बिखर कर गिर गए होंगे।

एयरफोर्स के 93वें स्थापना दिवस पर वायुसेना प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के कई एयरफील्ड और एसेस्ट्स का नुकसान हुआ। इंटेलिजेंस रिपोर्ट के मुताबिक उनके 3 हैंगर और टारमेक को निशाना बनाया गया। हमने 6-7 एयरक्राफ्ट को मार गिराया, जो कि उन जगह पर मौजूद थे। इसमें जे-130 और एफ-16 हो सकते हैं। साथ ही हमने एक लॉन्ग रेंज स्ट्राइक में पाकिस्तान के 5 हाईटेक फाइटर मार गिराए हैं।

वायुसेना अध्यक्ष और थल सेनाध्यक्षों के बयान के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल खड़ा कर दिए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर सफाई दी जा रही है। इससे साबित होता है कि कुछ तो गड़बड़ है। इनके तमाम आला अधिकारी भी अलग-अलग बयान देते हैं। जो दर्शाता है कि अंदर कुछ बहुत गंभीर चल रहा है। पीएम मोदी को देश के लोगों के सामने सब कुछ साफ करना चाहिए।

सरकार जज, जूरी और जल्लाद नहीं बन सकती, बुलडोजर एक्शन कानून का उल्लंघन : सीजेआई गवई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई का कहना है, कि भारतीय न्याय व्यवस्था रूल ऑफ लॉ यानी कानून के शासन से चलती है, इसमें बुलडोजर एक्शन की जगह नहीं है। सीजेआई मॉरीशस में आयोजित सर मॉरिस रॉल्ट मेमोरियल लेक्चर 2025 में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल के फैसले में स्पष्ट किया था कि किसी आरोपी के खिलाफ बुलडोजर चलाना कानून की प्रक्रिया को तोड़ना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई ने कहा कि सरकार एक साथ जज, जूरी और जल्लाद नहीं बन सकती। बुलडोजर शासन संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है। लेक्चर के दौरान मॉरीशस के राष्ट्रपति धरमबीर गोखूल, पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम और मुख्य न्यायाधीश रेहाना मंगली गुलबुल भी मौजूद थे। सीजेआई गवई ने तीन तलाक खत्म करने, व्यभिचार कानून को निरस्त करने, चुनावी बॉन्ड स्कीम और निजता को मौलिक अधिकार मानने जैसे फैसलों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन सभी फैसलों ने दिखाया कि कोर्ट ने रूल ऑफ लॉ को एक ठोस सिद्धांत बनाया है, जिससे मनमाने और अन्यायपूर्ण कानून खत्म किए गए। चीफ जस्टिस गवई ने कहा कि भारत में रूल ऑफ लॉ केवल नियमों का सेट नहीं है, बल्कि यह नैतिक और सामाजिक ढांचा है, जो समानता, गरिमा और सुशासन तय करता है। उन्होंने महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान का हवाला देते हुए कहा कि उनका दृष्टिकोण बताता है कि लोकतंत्र में कानून का राज ही समाज को न्याय और जवाबदेही की ओर ले जाता है।

नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम लोकनेते डीबी पाटिल होगा, सीएम फडणवीस ने घोषणा की

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की है कि नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम आधिकारिक तौर पर लोकनेते डीबी पाटिल नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा रखा जाएगा। यह निर्णय नवी मुंबई और आस-पास के क्षेत्रों के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करता है और दिवंगत लोकनेते दिनकर बालू पाटिल के किसानों के अधिकारों और क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानित करता है। इस नामकरण प्रस्ताव को महाराष्ट्र राज्य मंत्रिमंडल और राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों द्वारा मंजूरी मिल चुकी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने भी यह मामला रखा गया है, जिन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। केंद्र सरकार हवाई अड्डों के नामकरण के लिए एक व्यापक नीति तैयार कर रही है। इस नीति को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही राज्य सरकार के स्वीकृत प्रस्ताव के आधार पर हवाई अड्डे के नामकरण को आधिकारिक स्वीकृति प्रदान की जाएगी। हवाई अड्डे का नाम लोकनेते डीबी पाटिल के नाम पर रखने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान दर्ज सभी लंबित पुलिस मामलों को वापस लेने के निर्देश दिए गए हैं। इसका उद्देश्य स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसरों से वंचित होने से बचाना है। कोविड-19 अवधि के दौरान दर्ज मामलों को भी कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से वापस लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा हिमाचल की जनता से किए वादे निभाए : अनुराग ठाकुर

मदुरै (एजेंसी)। मंडी,(ईएमएस)। भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंडी में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा हिमाचल की जनता से किए वादे निभाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास के लिए मोदी सरकार ने कई बड़े प्रोजेक्ट और हजारों-करोड़ की योजनाओं को लागू किया है। सांसद ठाकुर ने राज्य सरकार पर निशाना साधकर कहा, 'जब अपनी विफलताओं के लिए जनता सवाल पूछ रही है, तब कांग्रेस सरकार आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति करने में लगी है। मगर हिमाचल की जनता अच्छी तरह जानती है कि प्रधानमंत्री मोदी जो कहते हैं, वहां करके दिखाते हैं। भाजपा सांसद ने दावा किया कि मोदी सरकार के कार्यकाल में हिमाचल प्रदेश को इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यटन, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है और हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए हैं। सांसद ठाकुर ने कांग्रेस पर प्रहार कर कहा कि जनता को गुमराह करने की राजनीति ज्यादा दिन नहीं चल पाएगी। उन्होंने भरोसा जताया कि प्रदेश की जनता भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी की विकासपरक नीतियों पर फिर विश्वास जताएगी।

सीमा पर मंडराता दिखा पाकिस्तानी ड्रोन, सुरक्षा बल अलर्ट, तलाशी अभियान जारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे गांव के ऊपर पाकिस्तानी ड्रोन मंडराता दिखा। इसे लेकर सुरक्षा बलों ने तलाश अभियान शुरू कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पाकिस्तान की ओर से शुक्रवार देर रात ड्रोन जैसी एक वस्तु आती दिखी, जो रामगढ़ सेक्टर के नांगा गांव के ऊपर मंडराती रही जिससे सीमावर्ती क्षेत्र में बल सतर्क हो गए। सुरक्षा बलों और पुलिस दलों को इलाके की तलाशी लेने तैनात किया गया कि सीमा पार से नशीले पदार्थों और हथियारों जैसी कोई भी सामग्री गिराई तो नहीं गई। अधिकारियों ने बताया कि अंतिम रिपोर्ट मिलने तक तलाशी अभियान जारी था। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर आसपास के गांवों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दूसरी ओर, सीमा पार से हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का अमृतसर में भंडाफोड़ हुआ है। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से 1.50 किलोग्राम हेरोइन और 12 पिस्तौल बरामद की हैं। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान तरनतारन के गांव मारी मेघा निवासी जोबन सिंह, करणदीप सिंह उर्फ पंडित और अजयपाल सिंह, अमृतसर के गांव रानिया निवासी जशनप्रीत सिंह के रूप में हुई। 16 साल का एक किशोर को भी हिरासत में लिया गया है।

मुंबई हवाई अड्डे पर दो महिलाओं से 79 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डीआरआई ने एक बड़े ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। मिली जानकारी के अनुसार, मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 79 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त की गई है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। बताया गया है कि डीआरआई मुंबई की विभागीय इकाई ने बैंकॉक से मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची दो महिला यात्रियों से अवैध रूप से तस्करी कर लाई गई 7.95 किलोग्राम कोकीन जब्त की है। जिसका अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य लगभग 79.5 करोड़ रुपये है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बैंकॉक से मुंबई पहुंची दो महिला यात्रियों को डीआरआई अधिकारियों ने ख़ुफ़िया जानकारी के बाद हवाई अड्डे पर रोक लिया। उनके सामान की जांच के दौरान खिलौनों के एक पैकेट में छिपाकर रखा गया प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किया गया। खिलौनों के एक डिब्बे में सफेद पाउडर के ईंट के आकार के 22 पैकेट छिपाए गए थे। इन सभी पैकेटों को जब्त कर लिया गया और मौके पर ही प्रारंभिक जांच की गई। एनडीपीएस फील्ड किट से की गई जांच में पुष्टि हुई कि वह पदार्थ कोकीन है। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों महिलाओं को एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

कंपनियों ने ट्रंप को लेटर लिख बता दिया एच-1बी वीजा फीस बढ़ाने का परिणाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एच-1बी वीजा फीस को बढाकर 88 लाख करने के फैसले ने अमेरिकी कंपनियों की नींद उड़ा रखी है। कंपनियों ने पत्र लिखकर ट्रंप को समझा दिया है कि फीस बढ़ाने परिणाम क्या होंगे। लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके अधिकारी किसी की सुनने को तैयार नहीं हैं। पत्र में कहा गया है कि वीसा फीस बढाने से कंपनियों को कुशल कर्मचारी मिलने में बहुत कठिनाई होगी और उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उद्योग तबाह हो जाएंगे और अमेरिकी अर्थव्यवस्था गर्त मे चली जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को ट्रंप को भेजे गए एक पत्र में, चिपमेकर, सॉफ्टवेयर कंपनियों और रिटेलर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले करीब दर्जनभर उद्योग संगठनों ने कहा कि नया वीजा शुल्क विदेशी प्रतिभा से अमेरिकी कंपनियों को वंचित कर देगा और बहुत से महत्वपूर्ण पद खाली रहे जाएंगे। जिन उद्योग संगठनों ने पत्र लिखा है कि उनमें माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, वॉलमार्ट जैसी बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। ये कंपनियां वर्षों से ये कंपनियां एच-1बी वीज़ा कार्यक्रम पर निर्भर रही हैं। पत्र में उद्योगों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि वह एच-1बी कार्यक्रम में सुधार करें, लेकिन ऐसे बदलाव न करें जो कंपनियों के लिए अतिरिक्त बोझ बनें। उन्होंने लिखा, हम चाहते हैं कि प्रशासन उद्योग के साथ मिलकर सुधार करे, न कि कंपनियों की भर्ती, प्रशिक्षण और प्रतिभा बनाए रखने की चुनौतियों को और बढ़ाए। सेमीकंडक्टर उद्योग संगठन, नेशनल रिटेल फेडरेशन, बिज़नेस सॉफ्टवेयर एलायंस और एंटरटेनमेंट सॉफ्टवेयर एसोसिएशन जैसे समूहों ने भी पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इन सभी ने स्पष्ट किया कि वे प्रशासन के साथ मिलकर सुधार करने के लिए तैयार हैं, लेकिन नए शुल्क से कंपनियों की प्रतिभा आपूर्ति श्रृंखला खतरे में पड़ सकती है।

वांगचुक की गिरफ्तारी पर मगरमच्छ के आँसू बहाने वाली कांग्रेस... आपातकाल भूल गई क्या

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने फिर कांग्रेस पार्टी की जमकर खिंचाई की

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने फिर कांग्रेस पार्टी की फिर जमकर घेराबंदी की है। सांसद दुबे ने सोनम वांगचुक का समर्थन करने पर कांग्रेस की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने आपातकाल के दौरान बीजेपी के वरिष्ठ नेता विजया राजे सिंधिया और आंध्रप्रदेश के पूर्व राज्यपाल भीम सेन सच्चर की गिरफ्तारी का हवाला देकर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यों को लेकर कांग्रेस पर तंज कस दिया है।

बीजेपी सांसद दुबे ने कांग्रेस से सवाल किया कि आप किस संविधान का हवाला दे रहे हैं, जब 1975 में बीजेपी की संस्थापक सदस्य और ग्वालियर राजघराने की महारानी राजमाता सिंधिया को गिरफ्तार किया था। उनके घर पर आयकर विभाग के छापे पड़े थे। सांसद दुबे ने कहा कि उन्हें और गायत्री देवी को तिहाड़ जेल की उस कोठरी में बंद किया गया था, जहां शौचालय की सुविधा तक नहीं थी और आप आज महिला सशक्तिकरण की दम भर रहे हैं।

बीजेपी सांसद ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के पीछे विदेशी ताकत का होने का आरोप लगाकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा देने की मांग पूरी की। सांसद ने कहा कि आज आप वांगचुक की बात कर रहे हैं। लद्दाख में लोग मारे गए। वांगचुक पहले केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मांगते थे।

सांसद ने कहा लेकिन वांगचुक अब एक विदेशी ताकत के शामिल होने के बाद, वे राज्य का दर्जा मांग रहे हैं। कांग्रेस ने बीते 30 सालों में कुछ नहीं किया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने आपको केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दे दिया।

बीजेपी सांसद ने स्वतंत्रता सेनानी और आंध्र प्रदेश के पूर्व राज्यपाल सच्चर की गिरफ्तारी का जिक्र कर कहा कि पुलिस ने उन्हें जमीन पर घसीटकर गिरफ्तार किया था। और आप लोकतंत्र की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए।

बीजेपी सांसद दुबे ने पोस्ट में लिखा कि इंदिरा गांधी ने ग्वालियर की महारानी और भाजपा की संस्थापक राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी को तिहाड़ जेल में मृत्युदंड की कोठरी में बंद करवाया था, जहाँ शौचालय की भी सुविधा नहीं थी। उन्होंने लिखा कि हैरानी की बात है कि सिर्फ एक पत्र लिखने के लिए, स्वतंत्रता सेनानी और आंध्र प्रदेश के पूर्व राज्यपाल भीम सेन सच्चर साहब को 82 साल की उम्र में पुलिस यातनाओं के साथ जेल भेजा गया था। आज यही कांग्रेस लद्दाख हिंसा के बाद गिरफ्तार लोगों के लिए मगरमच्छ के आँसू बहा रही है।

बीजेपी सांसद की यह टिप्पणी तब आई है, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने वांगचुक की गिरफ्तारी का विरोध किया है और केंद्र से लद्दाख के लोगों से उनकी राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की माँग पर बातचीत करने का अनुरोध किया है।

अभिनेता संजय दत्त पर भड़की कांग्रेस कहा– नायक नहीं... नालायक है तू...

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता संजय दत्त ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस की जमकर तारीफ कर दी। उनका एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें वे संघ के सौ साल पूरे होने पर उसकी तारीफ करते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस को यह पसंद नहीं आया और देश की सबसे पुरानी पार्टी ने संजय दत्त को नालायक तक कह दिया। कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने संजय दत्त पर बेहद कड़ा प्रहार करते हुए कहा, नायक नहीं, खलनायक है तू। अपने पिता का नालायक है तू। बता दें कि संजय दत्त के पिता सुनील दत्त कांग्रेस के दिग्गज नेता हुआ करते थे। वह सांसद भी रहे। वहीं, उनकी बहन प्रिया दत्त भी कांग्रेस से जुड़ी हैं। संजय दत्त ने दोनों की विचारधारा के विपरीत जाकर संघ की प्रशंसा की है। सुरेंद्र राजपूत के बयान पर अब तक संजय दत्त की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। संजय दत्त ने 2 अक्टूबर के दिन अपने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने कहा था, संघ हमेशा देश के साथ खड़ा रहा है, खासकर संकट और मुश्किल समय में। इस बयान के बाद से ही सोशल मीडिया पर विवाद और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। बता दें कि संजय दत्त पहले कई विवादों में घिरे थे। 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट केस में उन्हें गैरकानूनी हथियार रखने के आरोप में टाडा कानून के तहत गिरफ्तार किया गया था। बाद में वे टाडा के आरोपों से बरी हुए, लेकिन आर्म्स एक्ट के तहत दोषी पाए गए और उन्हें जेल की सजा भी काटनी पड़ी थी।

सावधान महाराष्ट्र! आज से लेकर 7 तक कभी भी दस्तक दे सकता है चक्रवात शक्ति

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कई इलाकों के लिए संकट खड़ा कर सकता है चक्रवात शक्ति। आज यानी शनिवार से लेकर 7 अक्टूबर तक कभी ये तूफान दस्तक दे सकता है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग आदि जिलों में इसका असर दिखाई देगा। यहां 45-55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चल सकती है।

आईएमडी के मुताबिक, समुद्री स्थिति खराब होने के कारण उत्तरी महाराष्ट्र तट पर 5 अक्टूबर तक समुद्र की सतह पर बदलाव देखने को मिलेगा। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। महाराष्ट्र के आंतरिक हिस्सों जैसे पूर्वी विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान है। साथ ही, उत्तरी कोंकण के निचले इलाकों में घने काले बादल छाए रहेंगे। इस दौरान वातावरण में नमी की घुसपैठ के कारण भारी बारिश होगी और बाढ़ की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, यह चेतावनी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के लिए है। 4 से 5 अक्टूबर के बीच उत्तरी महाराष्ट्र तट पर हवा की गति 45-55 किमी प्रति घंटा और झोंके के साथ 65 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने की संभावना है। चक्रवात की तीव्रता के आधार पर हवा की गति बढ़ सकती है। हालातों को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने चक्रवात शक्ति की चेतावनी को देखते हुए कुछ निर्देश जारी किए हैं। जिला प्रशासनों को अपने आपदा प्रबंधन सिस्टम सक्रिय करने, तटीय और निचले इलाकों में नागरिकों के लिए निकासी योजनाएं तैयार करने, पब्लिक एडवाइजरी जारी करने और समुद्री यात्रा से बचने की सलाह शामिल है। इसके अलावा, भारी बारिश के दौरान सुरक्षा उपाय बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

करुर भगदड़ के बाद हाईकोर्ट का आदेश: हाईवे पर नहीं होगी रैली और रोड शो

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के करुर की रैली में मची भगदड़ के बाद मद्रास हाईकोर्ट ने कड़ी आपत्ति व्यक्त की है। कोर्ट ने आदेश देते हुए कहा कि हाईवे राजैनिक रैलियां और रोड शो के लिए नहीं है। इस पर तत्काल रोक लगाएं। अदालत ने यह आदेश 4 जनहित याचिकाओं की सुनवाई के दौरान पारित किया गया। इनमें अभिनेता से नेता बने विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) की रैली के दौरान भगदड़ जैसी घटनाओं को रोकने के लिए एसओपी तैयार करने के निर्देश मांगे गए थे। यह पाबंदी तब तक लागू रहेगी जब तक ऐसे आयोजनों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार नहीं हो जाती।

राज्य सरकार ने अदालत को आश्वासन दिया कि जब तक एसओपी तैयार नहीं हो जाती, तब तक राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्धारित स्थानों को छोड़कर किसी भी सभा की इजाजत नहीं दी जाएगी। जज सेंथिलकुमार ने तमिलनाडु पुलिस की हाल ही में विजय के कैंपेन बस से संबंधित दुर्घटना को लेकर कड़ी आलोचना की। उन्होंने पूछा कि क्या कोई मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा, केस दर्ज करने से क्या रोकता है? भले ही कोई शिकायत न दी जाए, पुलिस को स्वयं मामला दर्ज करना चाहिए।

जमानत याचिका खारिज, एसआईटी गठित

हाई कोर्ट ने टीवीके के दो सीनियर पदाधिकारियों की अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। ये याचिकाएं 27 सितंबर को करूर में पार्टी की रैली में हुई भगदड़ के सिलसिले में दायर की गई थीं। अदालत ने टीवीके के प्रदेश महासचिव बुस्सी एन आनंद और उप महासचिव सीटीआर निर्मल कुमार की याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिन्हें घटना के सिलसिले में दर्ज प्राथमिकी में नामजद किया गया है।मद्रास उच्च न्यायालय ने भारतीय पुलिस सेवा के सीनियर अधिकारी असरा गर्ग के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आदेश दिया, जो 27 सितंबर को प्रदेश के करूर में विजय की रैली के दौरान हुई भगदड़ की जांच करेगा।

रेलवे भर्ती संकट: मौतों और बेरोज़गारी की बढ़ती चुनौती, एनसीबीआर के आंकडे कर रहे पुष्टि

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय रेलवे न केवल एशिया का सबसे बड़ा नियोक्ता है बल्कि करोड़ों युवाओं के लिए रोज़गार का प्रमुख स्रोत भी है। हर साल लाखों युवा इसकी नौकरी पाने का सपना देखते हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में रेलवे भर्ती प्रक्रिया में लेट-लतीफी ने युवाओं के विश्वास को झकझोर कर रख दिया है और वहीं दूसरी तरफ मौतों की संख्या बढ़ा दी है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीबीआर) के आंकड़े इस गंभीर स्थिति की पुष्टि करते नजर आ रहे हैं।

रेलवे में नौकरी पाने के लिए हर साल ग्रुप-डी से लेकर तकनीकी और क्लर्क पोस्ट तक हज़ारों-लाखों आवेदन युवा करते हैं। हालांकि, कई बार विज्ञापन निकलने के बावजूद परीक्षाएं स्थगित कर दी जाती हैं या रिज़ल्ट समय पर जारी नहीं होते हैं। कभी-कभी नियुक्ति पत्र मिलने में सालों लग जाते हैं। इस लगातार लंबित प्रक्रिया ने बेरोज़गार युवाओं को निराशा की गहरी खाई में धकेलने का काम किया है। एनसीबीआर के आंकड़ों से पता चलता है कि रेलवे से जुड़ी मौतों में लगातार इज़ाफ़ा हुआ है। इनमें आत्महत्या, दुर्घटनाएं और असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में होने वाली मौतें शामिल हैं। विशेषकर युवाओं का बड़ा हिस्सा उन उम्मीदों के टूटने की वजह से ट्रैक या अन्य स्थानों पर अपनी जान गंवा रहा है। कई राज्यों में युवाओं ने स्पष्ट रूप से लिखा है, कि रेलवे भर्ती न होने के कारण जीवन बेकार हो गया। आरोप है कि सरकार की संवेदनहीनता इस संकट को और गंभीर बना रही है। बार-बार स्थगित परीक्षाओं और अधूरी भर्ती प्रक्रिया ने युवा आंदोलनों और धरनों को जन्म दिया। 2022 में देशभर में आरआरबीएग्जाम और रेलवे रिक्वायरमेंट जैसे हैशटैग के माध्यम से लाखों उम्मीदवारों ने अपनी नाराज़गी जताई। कई जगह पुलिस कार्रवाई भी हुई, लेकिन समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं निकला।

विशेषज्ञों का कहना है कि रेलवे भर्ती प्रक्रिया को तुरंत पारदर्शी और समयबद्ध बनाना होगा। इसके साथ ही बेरोज़गार युवाओं के लिए वैकल्पिक रोज़गार, स्किल डेवलपमेंट और कैरियर गाइडेंस प्रोग्राम को मज़बूत किया जाना आवश्यक है। युवाओं के प्रति सरकार का संवेदनशील रवैया ही इस संकट का स्थायी समाधान साबित हो सकता है। रेलवे भर्ती केवल नौकरी का अवसर नहीं है, बल्कि लाखों युवाओं के सपनों की डोर है। जब यह डोर टूटती है तो न केवल परिवार बिखरते हैं बल्कि देश का भविष्य भी संकट में पड़ता है। एनसीबीआर के आंकड़े चेतावनी हैं कि अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो बेरोज़गारी और आत्महत्याओं का यह सिलसिला और तेज़ हो जाएगा।

पुलिस ने दो नाबालिगों को ढूंढकर परिवारों को सौंपा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की मानव तस्करी विरोधी इकाई ने अलग-अलग क्षेत्रों से लापता हुए दो नाबालिग बच्चों को ढूंढकर सुरक्षित उनके परिवारों को सौंप दिया। अपराध शाखा उपायुक्त पंकज कुमार ने बताया कि थाना बुद्ध विहार में 15 सितंबर को आठ वर्षीय बच्ची के गुमशुदा होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। वह अपने गांव उत्तर प्रदेश के बांदवी से अपनी बुआ के साथ दिल्ली आई थी। खेलते-खेलते रास्ता भटक जाने पर वह जहांगीरपुरी इलाके में पहुंच गई। किसी राहगीर ने उसे अकेला देखकर पुलिस को सूचना दी। बाद में बाल कल्याण समिति के आदेश पर बच्ची को कंझावला स्थित बाल गृह भेज दिया गया। बाल गृह में दर्ज नाम अलग होने के कारण उसकी पहचान में कठिनाई हुई। इसके बावजूद अपराध शाखा के लगातार प्रयास से बच्ची की पहचान कर ली गई और उसे परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं, दूसरा मामला भी थाना बुद्ध विहार का है। यहां 14 वर्षीय लड़के की गुमशुदगी की रिपोर्ट 27 सितंबर को दर्ज की गई थी। वह अपने दोस्त के साथ रामलीला देखने गया और वहीं रुक गया था। काफी देर तक घर न लौटने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। एसीपी सुरेश कुमार की निगरानी में क्राइम ब्रांच ने कॉल डिटेल और तकनीकी जांच के साथ-साथ इलाके में तलाशी अभियान चलाकर नाबालिग को रिठाला गांव से बरामद कर लिया।

शिक्षिका का पर्स लूटकर भाग रहे बदमाशों का पीछा करने पर पलटा ऑटो

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में शिक्षिका का पर्स लूटकर भाग रहे बदमाशों का पीछा करते समय अनियंत्रित होकर ऑटो पलट गया। हादसे में ऑटो सवार पीड़िता अनुपमा शर्मा जख्मी हो गईं। इस बीच बदमाश मौके से भागने में कामयाब हो गए। ऑटो पलटने के बाद राहगीरों ने मदद कर चालक व शिक्षिका को ऑटो से बाहर निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में पुलिस ने अनुपमा का बयान लेकर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस के हाथ कुछ सुराग लगे हैं, उसके आधार पर आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक शाहदरा के भोलानाथ नगर निवासी अनुपमा दक्षिण दिल्ली के सादिक नगर स्थित केंद्रीय विद्यालय में शिक्षिका हैं। 25 सितंबर की सुबह वह स्कूल जा रही थी। इस बीच लक्ष्मी नगर इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने उनका पर्स छीनने का प्रयास किया। पीड़िता ने पर्स की पट्टी पकड़ी हुई थी, आरोपियों ने झटका मारकर उसे छुड़ा लिया। पीड़िता ने ऑटो चालक से बदमाशों का पीछा करने के लिए कहा। चालक ने भी बाइक सवारों के पीछे ऑटो लगा दिया, लेकिन संतुलन बिगड़ने की वजह से ऑटो पलट गया और अनुपमा जख्मी हो गईं।

रोमांच की रेस में जिंदगी की दौड़ हार गए पांच दोस्त

कौमी पत्रिका

गुरुग्राम। रफ्तार और रोमांच के शौक ने पांच दोस्तों की जान ले ली। थार में सवार इन युवकों और युवतियों की मौत इस कदर खौफनाक थी कि इनके शरीर के टुकड़े इधर-उधर बिखर गए और गाड़ी के परखचे उड़ गए। परिजनों को यकीन भी नहीं था कि जिस वक्त वह अपने घरों में चैन की नींद सो रहे हैं

ठीक उसी पल हरियाणा के गुरुग्राम में एनएच-48 पर उनके बच्चे उन्हें जीवन में न भूलने वाला दर्द दे जाएंगे। पुलिस के अनुसार, क्षतिग्रस्त थार में सवार सभी दोस्तों को निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर जिस जगह हादसा हुआ है उससे करीब 200-250 मीटर पहले ही इबोला क्लब से निकलकर सभी दोस्त थार गाड़ी से एनएच-48 की सर्विस लेन से हाईवे पर पहुंचे थे। हाईवे पर करीब 140 की स्पीड़ से गुजरती थार सर्विस लेन के पास पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरा में कैद हुई है। वीडियो में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि थार गाड़ी की रफ्तार हाईवे पर 60 से 70 स्पीड में चल रहे अन्य वाहनों से करीब दोगुनी थी। कुछ लोग आशंका जता रहे हैं कि गौतम की होने वाली शादी को लेकर कहीं यह सभी दोस्त उससे बैचलर पार्टी लेने के लिए तो कहीं नहीं जा रहे थे। हालांकि यह सब कयास ही है। हादसे में एकमात्र बचे कपिल के होश में आने के बाद ही पता चलेगा सभी कहां, क्यों और किसलिए जा रहे थे। हादसे में गंभीर रूप से घायल कपिल शर्मा के बयान देने की स्थिति में नहीं होने की वजह से पुलिस अब तक नहीं जान पाई है कि गाड़ी कौन चला रहा था। क्या किसी ने उसे तेज रफ्तार में गाड़ी चलाने से रोका नहीं और ये लोग नोएडा की ओर जाने वाले थे या उनका अन्य किसी स्थान पर घूमने का प्लान था। पुलिस का कहना है कि कपिल के होश में आने पर ही कई बातों से पर्दा उठेगा। सिग्नेचर टावर के पास इबोला क्लब से वापस जाते समय सभी छह युवक-युवतियां थार गाड़ी से निकले थे। इसके बाद वे दिल्ली-जयपुर हाईवे पर झाड़सा की ओर चले। दिल्ली-जयपुर हाईवे (एनएच-48) पर शनिवार सुबह हुए थार गाड़ी हादसे में सोनीपत के मोहाना गांव निवासी गौतम की मौत हो गई। गौतम की शादी की शहनाई बजने से पहले ही अर्थी उठानी पड़ी। गौतम के परिवार वालों ने बताया कि एक नवंबर को गौतम की शादी होनी थी। शादी की घर में जोर-शोर से तैयारियां चल रही थीं। गौतम के एक बड़ा भाई व एक बहन है, दोनों की शादी हो चुकी है। शनिवार को मोहाना गांव से गुरुग्राम पहुंचे गौतम के भाई गोविंद ने बताया कि सुबह नौ बजे पुलिस ने हादसे के बारे में सूचना दी तो परिवार एकदम से सकते में आ गया। गोविंद ने बिलखते हुए बताया कि घर पर गौतम की शादी का कार्ड छपने व बांटने, कपड़े व गहने खरीदने सहित अन्य कार्य किए जा रहे थे लेकिन इस हादसे से उनकी खुशियां ही उजाड़ दीं। शुक्रवार दोपहर करीब 12.30 बजे गौतम से कॉल पर बात हुई थी। गौतम जीजा ने बताया कि कुछ समय पहले ही गौतम नोएडा स्थित सैमसंग कंपनी में जॉब पर लगा था। गुरुग्राम में रफ्तार और रोमांच के शौक ने पांच दोस्तों की जान ले ली। एनएच-48 पर दिल्ली से जयपुर की ओर जाने वाली लेन पर बेकाबू थार ने शनिवार सुबह कई परिवारों के सपनों को रौंद दिया। परिवार वालों को भी नहीं पता था कि जिन बेटे-बेटियों को पढ़ा-लिखाकर अच्छी नौकरी या बिजनेस के लिए तैयार कर रहे थे, वे अब सिर्फ यादों में रह जाएंगे। गाड़ी की हालत को देखकर अंदाजा ही लगाया जा सकता है कि रफ्तार कितनी होगी। पुलिस के अनुसार, पूरी तरह से क्षतिग्रस्त थार में उसमें सवार सभी दोस्त फंस गए थे। उनको बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर जिस जगह पर हादसा हुआ है उससे करीब 200-250 मीटर पहले ही इबोला क्लब से निकलकर सभी थार गाड़ी से एनएच-48 की सर्विस लेन से हाईवे पर पहुंचे थे। हाईवे पर तेज रफ्तार में गुजरती थार गाड़ी सर्विस लेन के पास पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरा में साफ दिखाई दे रही है। वीडियो में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि थार गाड़ी की रफ्तार हाईवे पर चल रहे अन्य वाहनों से दोगुनी थी। पुलिस की जांच में सामने आया है कि सिग्नेचर टावर के पास इबोला क्लब से वापस जाते समय सभी छह युवक-युवतियां थार गाड़ी से निकले थे। इसके बाद वे दिल्ली-जयपुर हाईवे पर झाड़सा की ओर चले। अभी इस बात का पता नहीं चला है कि क्लब से निकलने के बाद सभी युवा नोएडा की ओर जाने वाले थे या उनका अन्य किसी स्थान पर घूमने जाने का प्लान था। पुलिस का कहना है कि हादसे में गंभीर रूप से घायल कपिल शर्मा के बयान दर्ज नहीं किए जा सके हैं। उनकी हालत में थोड़ा सुधार होने के बाद ही बयान दर्ज किए जाएंगे और हादसे के सही कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि हादसे के दौरान गाड़ी को कौन चला रहा था।

मैथिली के वरिष्ठ साहित्यकार विभूति आनंद सम्मानित

नई दिल्ली। आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज के सभागार में आयोजित लक्ष्मी-हरि स्मृति विशिष्ट उपन्यासकार सम्मान समारोह का समापन हुआ। सम्मान मैथिली के वरिष्ठ साहित्यकार विभूति आनंद को प्रदान किया गया। वरिष्ठ कवि केदार कानन और जेएनयू के प्रोफेसर देवशंकर नवीन ने विभूति आनंद के विशाल लेखन की चर्चा की। उनके उपन्यासों की मात्रा को जीवकांत से भी अधिक बताया। कथाकार शुभेंदु शेखर ने उनके उपन्यासों पर विस्तृत चर्चा की। विभूति आनंद ने लेखन को अपने लिए अनिवार्य बताया। बीएचयू के प्रो रामाज्ञा शशिधर ने हरिदास की आत्मकथा जनम जुआ मति हारहु पर प्रकाश डालते हुए इसे मिथिला के किसान समाज की पीड़ा और मिथिला राज के दमन का साहसपूर्ण चित्रण बताया। द्वितीय सत्र में मैथिली के वरिष्ठ साहित्यकार तारानंद वियोगी ने मैथिली उपन्यासों के अतीत और मौजूदा समय पर चर्चा करते हुए कहा, गौरतलब उपन्यासों की संख्या सीमित है। प्रो. कमलानंद झा ने मैथिली आलोचना की कमियों को रेखांकित किया। अंतिका प्रकाशन के संपादक गौरीनाथ ने उपन्यास की लोकतांत्रिक प्रकृति पर जोर देते हुए घोषणा की कि अगले वर्ष से कथेतर गद्य की पांडुलिपियों पर भी विचार किया जाएगा। साथ ही, पूर्व सम्मानित लेखक भी पुन: पांडुलिपि भेज सकेंगे। उपयुक्त पांडुलिपि न मिलने पर विशिष्ट रचनाकार सम्मान दिया जाएगा। हरिदास के पुत्र श्रीधरम ने मैथिली उपन्यास के विकास और काल-विभाजन पर प्रकाश डाला। प्रथम सत्र के अंत में विभूति आनंद पर आधारित पुस्तक कथा एखन शेष (भाग 1 और 2) का विमोचन हुआ। संचालन शुभेंदु शेखर और श्रीधरम ने किया।

ड्रग्स सप्लाई में नाइजीरियाई और एक महिला समेत छह गिरफ्तार

दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने ड्रग्स सप्लाई करने वाले दो नाइजीरियाई नागरिक और महिला समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को दिल्ली, ग्रेनो और बेंगलुरु से पकड़ा गया है। इनके कब्जे से लगभग 21 करोड़ रुपये के मूल्य का 7 किग्रा मेथमफेटामाइन बरामद की गई है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया, 19 जुलाई को एक सूचना मिली कि केरल में एनडीपीएस के विभिन्न मामलों में वांछित सुहैल दिल्ली से बेंगलुरु, केरल और दक्षिण भारत के विभिन्न हिस्सों में प्रतिबंधित मादक पदार्थों की सप्लाई करता है। टीम ने दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के एक बीएनबी गेस्ट हाउस से केरल के कन्नूर निवासी सुहैल और सुजिन को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 5950 ग्राम मेथमफेटामाइन बरामद किया गया। जांच में पता लगा कि आरोपी व्हाट्सएप पर बातचीत के लिए नाइजीरिया का नंबर का इस्तेमाल कर रहा था। इसके बाद पुलिस ने दिल्ली के छतरपुर इलाके में रहने वाले अफ्रीकी नागरिक टोबी डेको को गिरफ्तार कर लिया। इससे 64 ग्राम मेथामफेटामाइन बरामद किया गया। उसने बताया कि वह सुहैल को ड्रग्स की सप्लाई करता है। टोबी डेको ने बताया कि सिंडिकेट का सरगना नाइजीरिया में रहता है और उसे दिल्ली में रहने वाली अफ्रीकी महिला के जरिए डिलीवरी मिलती है। टोबी डेको की निशानदेही पर दिल्ली के छतरपुर इलाके में उसके किराए के कमरे से 865 ग्राम मेथामफेटामाइन बरामद किया गया। इसके बाद बेंगलुरू से फातिमा उर्फ नेहा और मोहम्मद ज़हीद उर्फ फिरोज को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद पुलिस ने ग्रेनो के सेक्टर-1 से चिकवाडो नाके किंग्सले को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से पूछताछ में पता लगा कि वह डेड ड्रॉप्स का इस्तेमाल करते थे। ये ड्रग्स को झाड़ियों या सड़क किनारे किसी सुनसान जगह पर गिरा देते थे। पकड़े जाने से बचने के लिए प्राप्तकर्ता के साथ तस्वीर और स्थान साझा किया जाता था। कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए गैर-व्यावसायिक मात्रा (50 ग्राम से कम) में बेचते थे। 2024 में उसके सिंडिकेट के कई तस्करों को केरल पुलिस ने 3 अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया था। आरोपी टोबी डेको ने खुलासा किया कि वह 2018 में छात्र के रूप में भारत आया था और बेंगलुरु में ड्रग्स बेचने लगा था।

झगड़े के दौरान दोस्त की पीटकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले की नंद नगरी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नंद नगरी निवासी विशाल उर्फ काकू, हिमांशु, किशन उर्फ राहुल उर्फ चार्ली, चेतन उर्फ लक्की, गौरव उर्फ पिल्लू, सुमित उर्फ सिंचू और दिलशाद गार्डन निवासी अंकित के रूप में हुई है। पुलिस ने अंकित के कब्जे से एक स्कूटी बरामद की है। इन आरोपियों में से हिमांशु, किशन और चेतन पर पहले से हत्या का एक मामला दर्ज है। जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि चार अगस्त देर रात नंद नगरी थाना पुलिस को सूचना मिली कि आशीष पर चार से पांच व्यक्तियों ने हमला कर दिया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि चार अगस्त को आशीष अपने दोस्तों के साथ वाल्मीकि मार्ग पर पार्टी करने के लिए गया था। पार्टी के दौरान आशीष और उसके दोस्तों में झगड़ा हो गया, जिसके बाद सभी दोस्तों ने मिलकर आशीष के साथ मारपीट की। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दोस्त उसे वहीं पर छोड़कर भाग गए।

मां को गाली हर मां का अपमान - बक्शी

नई दिल्ली। कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्वर्गीय मां के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने के विरोध में आज पश्चिमी जिला में पश्चिमी जिला अध्यक्ष चन्द्रपाल बक्शी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के खिलाफ जोरदार प्रचंड प्रदर्शन सुभाष नगर मोड़ पैसिफिक मॉल के सामने किया गया इस अवसर पर पश्चिमी जिला अध्यक्ष चन्द्रपाल बक्शी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माता जी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना बहुत ग़लत है उन्होंने कहा कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन को इस का खमियाजा भुगतना पड़ेगा और जनता इन्हें दंडित करेगी उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां को गाली देना हर मां का अपमान है इस अवसर पर पश्चिमी जिला प्रभारी विजय सोलंकी ने कहा कि राहुल गांधी को और समुची कांग्रेस पार्टी को इस घटना के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए,इस अवसर पर पश्चिमी जिला के पूर्व अध्यक्ष सचिन भसीन ने कहा कि पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माता को गाली देने पर रोष है और देश की जनता जगह जगह प्रदर्शन कर कांग्रेस पार्टी के खिलाफ अपने गुस्से का इजहार कर रही है इस अवसर पर निगम पार्षद शशि तलवार, सुमन त्यागी, शिल्पा कौर बिट्टू आदि मौजूद थे पश्चिमी जिला से महामंत्री श्वेता सैनी कुनाल साहनी एवं जिला की टीम से उपाध्यक्ष, संदीप जैन,रविन्द्र सिंह सोनू, मीडिया प्रभारी अमरजीत सिंह अमर,प्रदेश भाजपा से सी.एल. मीणा, चरणजीत सिंह लवली मोजूद रहे,वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष आर्य ने भी सभी का मार्ग दर्शन किया,सभी मंडलों के मंडल अध्यक्ष अपनी टीम के साथ रोष प्रदर्शन में शामिल रहे

रंजिश में युवक पर चलाई गोली, बाल बाल बचा

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है। वहीं, गोलीबारी करने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं। जिस जगह पर घटना हुई है वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। घटना के बाद से नामजद सभी आरोपी अपने घर से गायब हैं। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए इनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

प्रतिबंधित पॉलिथीन की जगह कपड़े के थैले का करे इस्तेमाल

यमुनानगर। हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान को लेकर अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने वीरवार को सब्जी मंडी एसोसिएशन व मंडी आढ़तियों व विक्रेताओं की बैठक ली। उन्होंने सभी को स्वच्छता अभियान में सहयोग देने की अपील की और प्रतिबंधित पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने, खुले में गंदगी न फैलाने, सड़कों पर सामान रखकर अतिक्रमण करने के बारे में समझाया। उन्होंने सभी को निर्देश दिए कि वे कचरा रखने के लिए कूड़ेदान का प्रयोग करें। प्रतिबंधित पॉलिथीन की जगह 120 माइक्रोन, पोटैटो स्टार्च कम्पोस्टेबल, कॉर्नस्टार्च कम्पोस्टेबल पॉलिथीन या कपड़े के थैलों का इस्तेमाल करें। उन्होंने सभी को समझाया कि अभी नगर निगम हाथ जोड़कर सभी से प्रतिबंधित पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने और खुले में कचरा न फैलाने की अपील कर रहा है। फिर भी जो नहीं मानेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के दौरान अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने प्रतिबंधित पॉलिथीन के नुकसान बताते हुए सभी को इसका इस्तेमाल न करने के बारे में समझाया।

उन्होंने बताया कि पॉलिथीन के इस्तेमाल से जहां कैंसर जैसी घातक बीमारी होती है, वहीं, इसे खाने से पशुओं की भी मौत हो सकती है। क्योंकि कुछ लोग खाने समेत पॉलिथीन को फेंक देते है। सब्जी विक्रेता भी सड़ी हुई सब्जी या उसके अवशेष पॉलिथीन में डालकर फेंक देते है। जिससे पशु खा लेते है। यह पॉलिथीन उसके पेट में पचती नहीं। जिससे पशु बीमार होते है। नाले व नालियां जाम होने का सबसे बड़ा कारण भी पॉलिथीन है। उन्होंने सभी सब्जी व फल विक्रेताओं, मंडी आढ़तियों व पॉलिथीन विक्रेताओं को पॉलिथीन बंद करने में अपना योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि अपने थोड़े से लाभ के लिए इसका इस्तेमाल कर आमजन की जिंदगी से न खेले। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे प्रतिबंधित पॉलिथीन के स्थान पर सरकार द्वारा स्वीकृत 120 माइक्रोन, पोटैटो स्टार्च कम्पोस्टेबल या कॉर्नस्टार्च कम्पोस्टेबल (मकई से बनी हुई) पॉलिथीन या कपड़े के थैले का इस्तेमाल करें। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि वे घर से सब्जी, फल या अन्य सामान खरीदने जाते समय कपड़े का थैला साथ लेकर जाए।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़िता कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया। युवक ने उसमें गांठ लगाकर पीड़िता को सौंप दिया। उसके बाद दोनों युवक वहां से भाग गए। जांच करने पर रुमाल से गहने गायब पाया। महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान कर ली। दोनों आरोपी के बी और सी ब्लॉक में मौजूद होने की जानकारी पर पुलिस ने वहां दबिश देकर दोनों को पकड़ लिया।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में रविवार को युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर तमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था। पुलिस के मुताबिक रविवार को बाबू जग जीवन राम अस्पताल से वारदात की सूचना मिली थी। रोहित सरदार कॉलोनी, रोहिणी, सेक्टर-16 में रहता था। पुलिस तभी से आरोपियों की तलाश कर रही है।

तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज, एक गिरफ्तार

बुलंदशहर। देहात कोतवाली क्षेत्र के गांव कुड़वल बनारस में मटर-कुलचे की रेहड़ी लगाने वाले रवि कुमार की पीट-पीटकर हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी रविंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि, आरोपी रविंद्र के दोनों पुत्र अभी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। जिनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। गांव कुड़वल बनारस निवासी श्रीपाल सिंह की तहरीर के आधार पर थाना पुलिस ने गांव निवासी आरोपी रविंद्र सिंह, उसके पुत्र अर्जुन व तुषार के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। तहरीर में श्रीपाल ने बताया था कि उनका 40 वर्षीय पुत्र रवि कुमार गांव के ही गेट के पास मटर-कुलचे की रेहड़ी लगाता था। रेहड़ी के सामने ही गांव निवासी एक व्यक्ति सब्जी की दुकान करता है। गत चार सितंबर को आरोपी सब्जी विक्रेता ने उनके पुत्र की रेहड़ी से मटर-कुलचे की एक प्लेट मंगाकर खाई थी, जिसके 30 रुपये उसने उधार कर दिए थे। शुक्रवार की सुबह उनके पुत्र रवि ने आरोपी से 30 रुपये मांगे। जिस पर आरोपी भड़क गया और गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने अपने दोनों पुत्रों को भी लाठी-डंडे लेकर मौके पर बुला लिया। इसके बाद आरोपियों ने रवि को लाठी डंडो से हमला कर घायल कर दिया। आरोप है कि गांव के ही गेट के पास मटर-कुलचे की रेहड़ी लगाता था। रेहड़ी के सामने ही गांव निवासी एक व्यक्ति सब्जी की दुकान करता है। गत चार सितंबर को आरोपी सब्जी विक्रेता ने उनके पुत्र की रेहड़ी से मटर-कुलचे की एक प्लेट मंगाकर खाई थी, जिसके 30 रुपये उसने उधार कर दिए थे। शुक्रवार की सुबह उनके पुत्र रवि ने आरोपी से 30 रुपये मांगे। जिस पर आरोपियों ने रवि को सड़क पर गिराकर बुरी तरह पीटा था, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। शनिवार सुबह करीब नौ बजे रवि की उपचार के दौरान मौत हो गई थी।

एएसपी ऋजुल कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर तीनों नामजद आरोपी पिता-पुत्रों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मुख्य आरोपी रविंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया है। शेष अन्य दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

स्ट्रोक और दिल के दौरे से उबारने में मददगार है फिजियोथेरेपी

दिल्ली। स्ट्रोक और दिल के दौरे से उबारने में फिजियोथेरेपी मददगार है। सर्जरी, चोट और बीमारी के बाद शरीर की रिकवरी में भी फिजियोथेरेपी से सहायता मिलती है। यह दावा फिजियोथेरेपिस्ट का है। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल की फिजियोथेरेपी विभाग प्रमुख डॉ. पूजा सेठी ने बताया कि दिल का दौरा पड़ने के बाद जब मरीज उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती होता है तो सर्जरी के बाद शारीरिक तौर पर सक्रिय करने के लिए फिजियोथेरेपी की जरूरत होती है। कार्डियक रिहैब कार्यक्रम के तहत हृदय को मजबूत बनाने और सहनशक्ति बढ़ाने के लिए व्यायाम प्रशिक्षण दिया जाता है। बाईपास, एंजियोप्लास्टी, हार्ट ट्रांसप्लांट की सर्जरी कराने वाले मरीजों की भी फिजियोथेरेपी होती है। तीन-चार हफ्ते मरीज को सामान्य होने में लगते हैं। मल्टीपल स्कारलेसिस, स्पाइनल कॉर्ड इंजरी और स्ट्रोक होने पर भी फिजियोथेरेपी की मदद से मरीज को चलने-फिरने के काबिल बनाया जा सकता है। उसके लिए मरीज को अलग-अलग व्यायाम कराएं जाते हैं। उन्होंने बताया कि फिजियोथेरेपिस्ट आपकी शक्ति, संतुलन, समन्वय और लचीलापन बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत व्यायाम कार्यक्रम तैयार करने में विशेषज्ञ होते हैं। इसमें कुछ व्यायाम ऐसे होते हैं जिन्हें घर पर भी आसानी से किया जा सकता है। इसमें कुर्सी मल्टीपल स्कारलेसिस, स्पाइनल कॉर्ड इंजरी और स्ट्रोक होने पर भी फिजियोथेरेपी की मदद से मरीज को चलने-फिरने के काबिल बनाया जा सकता है। उसके लिए मरीज को अलग-अलग व्यायाम कराएं जाते हैं। उन्होंने बताया कि फिजियोथेरेपिस्ट आपकीसे बैठने और खड़े होने के व्यायाम में स्क्वैट्स करना, खड़े होकर वस्तुओं तक पहुंचना, विभिन्न दिशाओं में कदम उठाना, अलग-अलग गति और परिस्थितियों में चलना शामिल है। इसके अलावा जमीन से उठना, चलना, योग और संतुलन बढ़ाने वाले व्यायाम भी लाभदायक होते हैं। वैश्विक तौर पर 50 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 12 फीसदी लोगों में कमजोरी का मूल्यांकन किया गया है। लगभग 46 फीसदी लोगों में कमजोरी की पूर्व अवस्था मिली। इस कमजोरी को भी फिजियोथेरेपी की मदद से दूर किया जा सकता है। डॉ. पूजा सेठी बताया कि अस्पताल में आठ सितंबर को रोबोटिक स्कैनिंग लेजर और डीप ऑसिलेशन थेरेपी का शुभारंभ किया जा रहा है।

मच्छर जनित बीमारियों के बीच आठ कर्मचारी भूख हड़ताल पर

नई दिल्ली। राजधानी में डेंगू और चिकनगुनिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। लेकिन इन्हीं बीमारियों की रोकथाम करने वाले डोमेस्टिक ब्रीडिंग चेकर्स (डीबीसी) और सीएफडब्ल्यू कर्मचारी अब खुद बीमारियों से लड़ने के बजाय अपने हक की लड़ाई लड़ने पर मजबूर हैं। उनकी सोमवार से शुरू हुई अनिश्चितकालीन हड़ताल मंगलवार को भूख हड़ताल में बदल गई। एमसीडी मुख्यालय सिविक सेंटर के गेट नंबर पांच पर एंटी मलेरिया एकता कर्मचारी यूनियन के बैनर तले प्रदर्शन जारी है। यूनियन के नेता देवानंद शर्मा के नेतृत्व में कर्मचारी दिन-रात धरने पर डटे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि उनकी मांगें पिछले तीन दशक से अनसुनी की जा रही हैं। समान वेतन, मेडिकल लीव और अनुकंपा नियुक्ति जैसी बुनियादी मांगें ही आज तक पूरी नहीं हुईं। एमसीडी की ओर से मंगलवार को पहली बड़ी पहल देखने को मिली। मेयर राजा इकबाल और नेता सदन प्रवेश वाही धरनास्थल पर पहुंचे और यूनियन पदाधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने कर्मचारियों की मांगों को जायज ठहराते हुए उनका समर्थन करने का वादा किया। साथ ही, उच्च अधिकारियों से चर्चा कर समाधान निकालने का आश्वासन दिया। यूनियन ने मेयर और नेता सदन का आभार जताया, लेकिन साफ कहा कि जब तक प्रशासन की ओर से आधिकारिक आदेश जारी नहीं होते, तब तक हड़ताल वापस नहीं ली जाएगी। यूनियन नेता देवानंद शर्मा ने कहा कि हमारे आठ साथी भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। यह हमारे धैर्य और पीड़ा की अंतिम सीमा है। अब सिर्फ लिखित आदेश ही हमें आंदोलन से पीछे हटाएंगे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **आशिक** पुत्र मोहम्मद ईशा, निवासी- जीवन गेट पूजा कॉलोनी, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 000528/2017 धारा 411 भा.द.स, थाना भजनपुरा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आशिक** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **आशिक** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **आशिक, ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 000528/2017 धारा 411 भा.द.स, थाना भजनपुरा, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.11.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री पंकज राय
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-01
कक्ष संख्या 73, पाँचवीं मंजिल, उत्तर पूर्व जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/13270/NE/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त आरोपी **मोहम्मद इरफान, पुत्रः** मोहम्मद फारुक, **पताः** वार्ड नं. 124, राज पब्लिक स्कूल के पास कंचन पार्क लोनी गाजियाबाद, **उत्तर प्रदेश Case FIR No. 438/2013, U/s 420/34 IPC, पुलिस थानाः जाफराबाद, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद इरफान,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद इरफान,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद इरफान, Case FIR No. 438/2013, U/s 420/34 IPC, पुलिस थानाः जाफराबाद, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **11.11.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री आयुषी सक्सेना
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी—05
कमरा नं. 07, द्वितीय तल शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/12824/NE/2025
(Court Matter)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदे से छापकर प्रकाित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हिसार की बेटी हिमाचल में बनी न्यायिक अधिकारी

एजेंसी

हिसार। हिसार की बेटी एडवोकेट सोना रापड़िया का चयन हिमाचल प्रदेश में न्यायिक अधिकारी के पद पर हुआ है। उनके चयन की खुशी में जिला बार एसोसिएशन की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में सोना रापड़िया को बधाई देते हुए बार की ओर से सम्मानित किया गया। आजाद नगर क्षेत्र में रहने वाली एडवोकेट सोना रापड़िया का चयन हाल ही में हिमाचल प्रदेश में न्यायिक अधिकारी के रूप में हुआ है। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं ने सोना रापड़िया को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। हिसार बार के प्रधान संदीप बूरा ने कहा कि अधिवक्ता सोना रापड़िया ने अपनी मेहनत, लगन एवं प्रतिभा से यह उपलब्धि हासिल की है, जिससे न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे हिसार बार का नाम गौरवांवित हुआ है। यह सफलता युवा अधिवक्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। समारोह में हिसार बार के उपप्रधान विकास पूनिया, सचिव समीर भाटिया, सह सचिव सुनील भारद्वाज, कोषाध्यक्ष सुनील सहदेव, अधिवक्ता राजीव पंवार, संजीव पंवार, विनोद बिश्नोई सहित सहित काफी अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने पराली प्रबंधन पर लगाया जागरूकता शिविर

हिसार। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन और कृषि विभाग किसानों को पराली न जलाने और फसल अवशेष प्रबंधन अपनाने के लिए लगातार जागरूक कर रहा है। इसी कड़ी में बास और नारनौंद ब्लॉक में विशेष जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया, जिनमें बड़ी संख्या में किसान उपस्थित हुए। उपनिदेशक डॉ. राजबीर सिंह ने बास ब्लॉक में आयोजित शिविर के दौरान किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है, जिससे न केवल पर्यावरण को नुकसान होता है बल्कि मिट्टी की उर्वरता भी घटती है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन और कृषि विभाग की प्राथमिकता है कि आने वाली पीढ़ियों को प्रदूषण मुक्त वातावरण मिले। इसके लिए गांव-गांव में कैंप लगाकर और मुनादी करवा कर किसानों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि पराली प्रबंधन को अपनाकर न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें बल्कि इसे अतिरिक्त आय का साधन भी बनाएं। उपनिदेशक डॉ. राजबीर सिंह ने पराली को खेत में ही मिलाकर मृदा स्वास्थ्य को सुधारा जा सकता है और इससे कम्पोस्ट, बायो-सीएनजी, बायो-कोयला तथा पशु चारे का निर्माण भी संभव है।

वेतन नहीं मिलने पर भड़के सिंचाई कर्मी, धरना देकर जताया रोष

हिसार। सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की आईबी सिटी ब्रांच ने सिंचाई विभाग कर्मचारियों को सितंबर माह का वेतन नहीं दिए जाने के विरोध में कार्यकारी अभियंता कार्यालय पर धरना देकर रोष प्रदर्शन किया। धरना की अध्यक्षता ब्रांच प्रधान दीपक शर्मा ने की तथा संचालन सचिव सोनू जांगड़ा ने किया। ब्रांच प्रधान दीपक शर्मा व सचिव सोनू जांगड़ा ने बताया कि 30 सितंबर को कर्मचारियों के वेतन को लेकर यूनियन की कार्यकारी अभियंता सिंचाई विभाग हिसार से वार्ता हुई। वार्ता में कार्यकारी अभियंता ने तानाशाहीपूर्ण रवैया अपनाते हुए कहा कि इस महीने किसी भी कर्मचारी को वेतन नहीं दिया जााएगा। अधिकारी ने इस दौरान सबकी चार्जशीट बनाने के लिए उपमंडल अधिकारी को भी पत्र जारी किया जिसकी कॉपी संगठन के पास मौजूद है। उन्होंने कहा कि अधिकारी के रवैये को लेकर कर्मचारियों में रोष है। इसको देखते हुए संगठन ने मीटिंग करके पत्र जारी किया और 03 अक्तूबर को धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया। इसी के तहत आज धरना दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि त्योहार का समय होने के बावजूद वेतन नहीं मिलने से चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया गया तो कर्मचारी अपने परिवार सहित अधिकारी के कार्यालय पर प्रदर्शन करेंगे, ताकि अधिकारी की आखें खुल जाएं। उन्होंने कहा कि कार्यकारी अभियंता अपने कार्यालय में नहीं बैठते हैं, जिसके चलते किसान व आम जनता उनसे मिल नहीं पा रही है।

सार एयरपोर्ट से शीघ्र शुरू होंगी जम्मू व अहमदाबाद के लिए हवाई सेवाएं

हिसार। हरियाणा के पहले एयरपोर्ट हिसार एयरपोर्ट से जम्मू व अहमदाबाद के लिए फ्लाइट शीघ्र ही शुरू होगी। आगामी 25 अक्टूबर से जारी होने वाले हिसार एयरपोर्ट के विंटर शेड्यूल के बाद नवंबर में जम्मू और अहमदाबाद के लिए फ्लाइट शुरू होने की संभावना है। हिसार एयरपोर्ट से विमानों का संचालन करने वाली एलायंस एयरलाइन ने विंटर शेड्यूल के लिए जम्मू और अहमदाबाद के लिए फ्लाइट शुरू करने के लिए एयरपोर्ट प्रशासन से टाइमिंग मांगी थी। एयरपोर्ट प्रशासन ने सप्ताह के अनुसार टाइमिंग बनाकर भेज दी है। एलायंस कंपनी अक्टूबर में अपना विंटर शेड्यूल जारी करेगी। वर्तमान में एलायंस कंपनी हिसार से दिल्ली, जयपुर और अयोध्या के लिए सर्विस दे रही है। इन दो नए स्थानों के लिए सेवा शुरू होने के बाद हिसार से कनेक्टिविटी और बेहतर हो जाएगी। कंपनी वेबसाइट पर चंडीगढ़ की 25 अक्टूबर तक की ही बुकिंग ले रही है, जिसके बाद विंटर शेड्यूल के हिसाब से चंडीगढ़ फ्लाइट का समय बदल सकता है।

तीन नए कानूनों से देश की न्याय प्रणाली हुई सशक्त : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से भारत की न्याय प्रणाली पहले से कहीं अधिक सशक्त, प्रभावी और पारदर्शी बनी है। इन कानूनों के माध्यम से आम नागरिकों को शीघ्र और सुगम न्याय प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह हरियाणा के लिए गर्व का विषय है कि राज्य ने इतने कम समय में न केवल इन कानूनों को लागू किया, बल्कि इनके लागू होने के बाद दोष सिद्धि दर को 82.6 प्रतिशत तक पहुँचाने में भी सफलता प्राप्त की है, जो कि एक बड़ी उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज कुरुक्षेत्र में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा तीन नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की पुण्य भूमि पर केंद्रीय गृहमंत्री का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह हरियाणा के लिए गर्व का विषय है कि गीता की जन्मस्थली कुरुक्षेत्र से तीन नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ है।नायब सिंह सैनी ने कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देश में कई क्रांतिकारी निर्णय लिए गए हैं, जिनके माध्यम से ऐतिहासिक भूलों को सुधारा गया है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा न केवल कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने में अग्रणी राज्य है, बल्कि न्याय व्यवस्था के क्षेत्र में भी पूरे देश का मार्गदर्शन करने वाला राज्य बन चुका है। इन नए आपराधिक कानूनों को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए हरियाणा पुलिस को पूरी तरह प्रशिक्षित किया गया है।

उन्होंने कहा कि पुलिस थानों, फोरेंसिक प्रयोगशालाओं, न्यायालय कक्षों, कारागारों और बैंकों में कुल 2145 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष स्थापित किए गए हैं। 1 जनवरी 2025 से 31 अगस्त 2025 तक 96.71 प्रतिशत मामलों में अपराध स्थल की फोरेंसिक जांच की रिकॉर्डिंग ई-साक्ष्य ऐप के माध्यम से की गई है। साथ ही, आपराधिक मामलों से जुड़े भौतिक साक्ष्यों की जांच, विश्लेषण एवं रिपोर्ट तैयार करने की व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए एफएसएल प्रयोगशालाओं को 19.54 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक बनाया गया है।

कादीपुर में प्रॉपर्टी टैक्स बकायेदार की कमर्शियल प्रॉपर्टी सील

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा प्रॉपर्टी टैक्स की अदायगी नहीं करने वाले बड़े बकायेदारों पर लगातार कड़ी कार्रवाई की जा रही है। निगम की विशेष टीमें अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर टैक्स डिफॉल्टरों की प्रॉपर्टीज को सील कर रही हैं, ताकि नगर निगम के राजस्व को मजबूत किया जा सके। जोन-1 क्षेत्र की टीम ने टैक्स इंस्पेक्टर पंकज सलूजा के नेतृत्व में कादीपुर इलाके में एक बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान गोपीचंद के नाम पर दर्ज एक कमर्शियल प्रॉपर्टी को सील किया गया। निगम अधिकारियों के अनुसार इस प्रॉपर्टी पर 27 लाख 75 हजार 936 रुपये का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है, जिसे बार-बार नोटिस व सूचना देने के बावजूद भी जमा नहीं कराया गया था। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने बताया कि बकायेदारों को कई अवसर दिए गए हैं, ताकि वे अपना बकाया टैक्स समय पर चुका सकें, लेकिन बार-बार चेतावनी देने के

बावजूद टैक्स न चुकाने वालों के खिलाफ अब सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। जोन-1 क्षेत्र के जेडटीओ पंकज कुमार ने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी प्रॉपर्टी का बकाया टैक्स समय पर जमा कर निगम की विकास योजनाओं में सहयोग करें। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि टैक्स भुगतान न करने वाले बकायेदारों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

हुड्डा बने हरियाणा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष

एजेंसी

चंडीगढ़।हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा चौथी बार विधानसभा में विपक्ष के नेता बन गये हैं। हरियाणा विधानसभा के सचिव की तरफ से शुक्रवार की शाम इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। हुड्डा रोहतक जिले की गढ़ी-सांपला किलोई विधानसभा सीट से छठी बार के विधायक हैं।

राज्य में भाजपा सरकार का गठन पिछले साल 17 अक्टूबर को हुआ था। इस दौरान विधानसभा के तीन सत्र हुए, जो बिना विपक्ष के नेता के संचालित किए गए।

हुड्डा के विपक्ष के नेता बनने के बाद अब उनके पास चंडीगढ़ के सेक्टर सात स्थित 70 नंबर कोठी बनी रहेगी, जिसमें वे बिना विपक्ष के नेता के भी पिछले एक साल से रह रहे हैं। कांग्रेस के सात विधायकों चौधरी आफताब अहमद, गीता भुक्कल, इंदुराज नरवाल, जस्सी पेटवाड़, देवेंद्र हंस, बलराम दांगी और विकास सहारण ने 30 सितंबर को विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण से मिलक भूपेंद्र हुड्डा को कांग्रेस विधायक दल का नेता बनाए जाने संबंधी पत्र सौंपा था। यह सातों

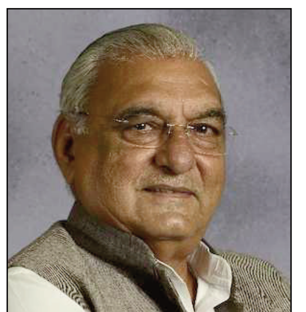

विधायक हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष राव नरेंद्र की ओर से पत्र लेकर स्पीकर से मिले थे। हरियाणा विधानसभा में कांग्रेस के 37 विधायक हैं और दो इनेलो के विधायक हैं। 90 सदस्यीय विधानसभा में तीन निर्दलीय विधायक 48 विधायकों वाली भाजपा के साथ हैं। विधानसभा में सबसे बड़ा दल होने के नाते कांग्रेस विधायक दल के नेता को विधानसभा में विपक्ष का नेता बनाया गया है। हरियाणा में विपक्ष के नेता के वेतन और भत्तों के लिए विशेष कानून का प्रावधान है। कोठी, गाड़ी, कार्यालय, स्टाफ और सेवक के साथ कैबिनेट मंत्री का दर्जा नेता प्रतिपक्ष को दिया जाता है।

विधानसभा सचिवालय में विपक्ष के नेता का कार्यालय भी होता है। हरियाणा में विधानसभा (सदस्यों का वेतन, भत्ते और पेंशन) अधिनियम 1975 की धारा 2 (डी) में नेता प्रतिपक्ष को परिभाषित किया गया है, जिसका अर्थ है कि सदन का वह सदस्य, जिसे इस पद हेतु स्पीकर द्वारा मान्यता प्रदान की गई है। संबंधित कानून की धारा चार में नेता प्रतिपक्ष के वेतन-भत्तों और अन्य सुविधाओं का विशेष उल्लेख किया गया है। इस पद पर आसीन नेता का दर्जा हरियाणा प्रदेश के कैबिनेट मंत्री के समकक्ष होता है।

प्रत्येक गांव को मुख्य मार्गों से जोडना सरकार की प्राथमिकता : रणबीर गंगवा

एजेंसी

हिसार।लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने खेदड़ से हंस नगर (ढ़ाणी गारन) तक सडक़ के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास किया। इस सडक़ का निर्माण लोक निर्माण (भवन एवं सडक़ें) विभाग द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मानसून सीजन के दौरान हुई भारी बरसात व जलभराव के कारण से सडक़ों को काफी नुकसान पहुंचा है। इन सभी सडकों का पुर्ननिर्माण करने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। सभी सडक़ों व रास्तों को जल्द से जल्द सही करने की हिदायत अधिकारियों को दे दी गई है। इस अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने सडक़ निर्माण और बुनियादी ढांचे को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर काम कर रही है। किसी भी क्षेत्र की तरक्की की पहली सीढ़ी उसका सडक़ नेटवर्क होता है। मजबूत और चौड़ी सडक़ें न केवल हजारों लोग लाभान्वित होंगे। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सडक़ बनने के बाद किसानों को अपनी फसल समय पर मंडियों तक पहुंचाने छात्र-छात्राओं को स्कूल

लोगों के आवागमन को सुगम बनाती हैं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और उद्योग सभी क्षेत्रों को गति प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि खेदड़ से हंस नगर तक सडक़ चौड़ी होने से न केवल स्थानीय लोगों को फायदा होगा बल्कि व्यापार, परिवहन और शिक्षा से जुड़े और कॉंज तक सुरक्षित और तेज आवागमन का साधन मिलेगा। इसके अलावा स्वास्थ्य सेवाएं भी बेहतर ढंग से ग्रामीण इलाकों तक पहुंच पाएंगी।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा नई लिंक रोड्स और पुल-पुलियों के निर्माण को भी तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

टैंक से लेकर तोप, ड्रोन तक का भारत में ही हो रहा निर्माण: केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

एजेंसी

गुरुग्राम। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि स्वदेशी हमारी संस्कृति और आत्मा का हिस्सा है। आज का भारत नए आत्मविश्वास से भरा हुआ भारत है। यह वही भारत है जो कभी दूसरों पर निर्भर रहता था, लेकिन अब पीएम मोदी के नेतृत्व में मेक इन इंडिया से मेक फॉर द वर्ल्ड का रूप ले चुका है। आज टैंक से लेकर तोप, ड्रोन तक का निर्माण भारत में ही किया जा रहा है। वह यहां गुरुकमल भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बात कर रहे थे।

मनोहर लाल ने कहा कि मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड का यह मंत्र, देश को रोजगार देगा, किसानों को नए अवसर देगा और युवाओं को उद्यमिता की ओर ले जाएगा। यह मंत्र गांव से लेकर महानगर तक नई ऊर्जा पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि हम विदेशी वस्तुओं के पीछे भागने के बजाय अब अपनी जड़ों को पहचान रहे हैं। योग, आयुर्वेद, हस्तशिल्प, परंपरागत उद्योग

आज वैश्विक पहचान बना चुके हैं। मनोहर लाल ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद की सरकारों ने पश्चिमी विकास मॉडल और आयात पर निर्भर मिश्रित अर्थव्यवस्था को अपनाया। हमारे उद्योग कमजोर हो गए और विदेशी निर्भरता बढ़ती चली गई। उन्होंने कहा कि 1964 में दत्तोपंत ठेंगड़ी ने स्वदेशी चेतना को फिर से पुनर्जीवित किया और हमें बताया कि आर्थिक आत्मनिर्भरता ही सुरक्षा है। भारतीय उद्योग और श्रमिक हमारी ताकत हैं। अंध पश्चिमीकरण से हमें सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल अवसंरचना और वोकल फॉर लोकल जैसे अभियान इसी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कोरोना के समय दुनिया की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाएं डगमगा गई थी, तब भारत ने स्वदेशी वैक्सीन का निर्माण कर अपनी 140 करोड़ जनता को सुरक्षित किया और 100 से अधिक देशों को वैक्सीन मैत्री के तहत जीवनदान दिया।

पत्रकार वार्ता में कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, प्रदेश प्रवक्ता जवाहर यादव, प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़, बोधराज सीकरी, जिला महामंत्री अजीत यादव, जिला महामंत्री मनीष सैदपुर, जिला मीडिया प्रभारी हितेश चौधरी, सह मीडिया प्रभारी राजन चौहान, पीयूष सैनी, वरूण चौहान आदि मौजूद रहे।

लंदन में नौकरी दिलाने का लोभ देकर ठगे साढ़े छह लाख

एजेंसी

गुरुग्राम। लंदन में टीचर की नौकरी व वीजा दिलाने का प्रलोभन देकर धोखाधड़ी से साढे छह लाख रुपये की ठगी कर ली गई। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि आरोपी के कब्जा से एक पासपोर्ट, एक वीजा व ठगी करने की वारदात में प्रयोग किया एक मोबाइल फोन बरामद किया है।

जानकारी के अनुसार 18 जनवरी 2025 को एक महिला ने पुलिस थाना साइबर अपराध पूर्व गुरुग्राम की पुलिस टीम को एक लिखित शिकायत मिली थी। शिकायतकर्ता ने कहा था कि उसको व्हाट्सऐप पर एक कॉल आई, जिसमें उसे लंदन में टीचर की जॉब व वीजा के लिए स्पॉन्सर का प्रलोभन दिया गया। उसे विश्वास में लेकर इससे रुपए ट्रांसफर करवाकर इसके साथ धोखाधड़ी कर ली। इस शिकायत पर पुलिस थाना साइबर अपराध पूर्व में केस दर्ज किया गया। साइबर अपराध शाखा पूर्व के प्रबंधक निरीक्षक अमित कुमार के नेतृत्व में टीम ने वारदात को अंजाम देने के आरोपी को 30 सितंबर 2025 को मुंबई से काबू किया था। जिसकी पहचान सौरभ कुमार बनर्जी निवासी मालवीय नगर दिल्ली के रूप में हुई। पुलिस टीम द्वारा आरोपी की एलओसी जारी करवा रखी थी। उसे 28 सितंबर को मुंबई एयरपोर्ट से इमिग्रेशन विभाग द्वारा डिटेन करके गुरुग्राम पुलिस को सूचना दी। आरोपी को 30 सितंबर को मुंबई की अदालत में पेश किया गया। वहां से एक दिन के रिमांड पर लिया गया। पुलिस पूछताछ में पता चला कि आरोपी वर्ष-2024 में लंदन गया था। वह वहां वेब डिजाइनिंग का काम/नौकरी करता था। आरोपी ने बताया कि इसकी मुलाकात साइबर फ्रॉड करने वाले लोगों से हुई, जो लंदन में नौकरी दिलाने की एक फर्जी वेबसाइट बनाकर नौकरी देने के विज्ञापन करते थे। उस फर्जी वेबसाइट पर लोगों को लंदन में जॉब दिलाने का प्रलोभन देकर उनसे ठगी की जाती थी।

जलभराव के समाधान को गुरुग्राम से पलवल वाया नूंह तक बनेगी नई ड्रेन

एजेंसी

गुरुग्राम। शहर में वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या के समाधान के लिए नजफगढ़ ड्रेन के साथ-साथ एक अन्य वैकल्पिक योजना भी तैयार की जाएगी। इस योजना के तहत गुरुग्राम से पलवल जिला में यमुना तक एक नई ड्रेन तैयार होगी। यह ड्रेन गुरुग्राम से सोहना, नूंह जिला होते हुए पलवल तक जाएगी। यह बात केंद्रीय विद्युत व आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने यहां पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाऊस में अधिकारियों की बैठक के दौरान कही। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी बैठक में उपस्थित रहे।

मनोहर लाल ने कहा कि गुरुग्राम न केवल हरियाणा, बल्कि देश का एक प्रमुख शहर है। ऐसे में जलभराव को लेकर नागरिकों की चिंताओं के समाधान के लिए सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि अब तक गुरुग्राम में वर्षा का पानी केवल नजफगढ़ ड्रेन के माध्यम से ही यमुना नदी में पहुंचता है, लेकिन नजफगढ़ ड्रेन की भी एक क्षमता है। ऐसे में गुरुग्राम शहर की समस्या के स्थाई समाधान के लिए हमें नए

विकल्पों पर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि पलवल जिला में यमुना तक नई ड्रेन एक प्रमुख विकल्प है। भारत सरकार की ओर से भी दिल्ली और गुरुग्राम में वर्षा जलभराव की समस्या के स्थाई समाधान के लिए नई परियोजना पर कार्य करने की सहमति है। उन्होंने बैठक में उपस्थित सिंचाई व अन्य विभागों के विशेषज्ञों से परियोजना पर खुलकर चर्चा की तथा इस परियोजना को लेकर आवश्यक सुझाव भी लिए। केंद्रीय मंत्री ने बैठक में अधिकारियों के साथ गुरुग्राम से पलवल तक कनेक्टिविटी को लेकर व्यापक विचार विमर्श किया। उन्होंने ड्रेन के मार्ग में भौगोलिक परिस्थितियों को भी देखते हुए अपने सुझाव रखते हुए कहा कि पूरे क्षेत्र का अध्ययन किया जाए, पानी के प्राकृतिक प्रवाह के साथ-साथ पहाड़ी क्षेत्र में लिफ्ट करने के विकल्प पर भी ध्यान दिया जाए।

उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस परियोजना के लिए जीएमडीए व सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारी मिलकर विस्तृत अध्ययन रिपोर्ट एक महीना के भीतर तैयार करें ताकि आगामी एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की बैठक में इसको रखा जा सके। उन्होंने कहा कि अगले 15 दिन के भीतर वे स्वयं भी इस कार्य की प्रगति की समीक्षा करेंगे। साथ ही गुरुग्राम व आस-पास सरकारी भूमि पर बने जलाशयों की रिपोर्ट भी तैयार करने के निर्देश दिए।

पीडब्ल्यूडी कर्मी 11 अक्टूबर को मंत्री आवास पर करेंगे विरोध प्रदर्शन

एजेंसी

पलवल। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन की जिला कमेटी ने बैठक कर आगामी 11 अक्टूबर को होने वाले विरोध प्रदर्शन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया। यूनियन ने घोषणा की है कि यह प्रदर्शन सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी के भिवानी स्थित आवास पर किया जाएगा। बैठक में राज्य, जिला और ब्रांच स्तर के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान यूनियन नेताओं ने कहा कि कर्मचारियों की जायज मांगों को अनसुना कर सरकार कर्मचारी विरोधी नीतियां थोप रही है। इसी के विरोध में 11 अक्टूबर को राज्यस्तरीय प्रदर्शन किया जाएगा। राज्य उपप्रधान राकेश तंवर और राज्य मुख्य संगठन सचिव योगेश शर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए सरकार की रेशनेलाइजेशन पॉलिसी की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि विभागों को छोटा करना, कर्मचारियों की छंटनी करना और कच्चे कर्मचारियों को पक्का न करना सरकार की गलत नीतियों का हिस्सा है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री सैनी ने अत्याधुनिक रेस्ट हाउस का किया वर्चुअल उद्घाटन

एजेंसी

नारनौल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल में 18.50 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अत्याधुनिक लोक निर्माण विभाग (बीएंडआर) रेस्ट हाउस का उद्घाटन किया। स्थानीय स्तर पर पूर्व मंत्री और नारनौल विधायक ओम प्रकाश यादव ने उद्घाटन किया। इससे पहले नवनिर्मित रेस्ट हाउस के कॉन्फ्रेंस रूम से केंद्रीय मंत्री तथा मुख्यमंत्री का लाइव कार्यक्रम दिखाया गया।

यह रेस्ट हाउस 2.76 एकड़ के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है। जिसका कुल कवर्ड एरिया 33,350 वर्ग फुट है। यह अपनी उत्कृष्ट सुविधाओं के साथ राज्य के अतिथि सत्कार के बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा। लगभग 18 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से तैयार यह रेस्ट हाउस जिले के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है। विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि यह रेस्ट हाउस केवल एक भवन नहीं, बल्कि हमारे राज्य की प्रगति और अतिथि देवो भवः की भावना का प्रतीक है। ये भवन यहां आने वाले गणमान्य

व्यक्तियों, अधिकारियों और अतिथियों को एक आरामदायक और विश्वस्तरीय ठहरने का अनुभव प्रदान करेगा। पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार प्रदेश के हर क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है और यह नया रेस्ट हाउस उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने संबंधित विभाग को निर्माण कार्य की उच्च गुणवत्ता के लिए बधाई दी। इस तरह की सुविधाएं उपलब्ध होने पर क्षेत्र में विकास कार्यों को और गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि अब तक जिला में अतिथियों के लिए ठहरने की उचित व्यवस्था नहीं थी। यह रेस्ट हाउस जिला के लिए एक बड़ी सौगात है। इस मौके पर नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी, बीएंडआर विभाग के एक्सईएन अश्वनी कुमार, एसडीओ जितेंद्र कुमार, एसडीओ दिनेश सांगवान के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे।

सिरसा: सीडीएलयू में सेवा पखवाड़ा के तहत हुए कार्यक्रम

एजेंसी

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा शिक्षा विभाग की ओर से स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में सीडीएलयू की मेडिकल ऑफिसर डॉ. शेफाली ने छात्राओं को संबोधित किया और नारी स्वास्थ्य एवं परिवार सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ नारी ही परिवार और समाज की वास्तविक शक्ति है। इसी कड़ी में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत कक्षा कक्ष स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बी.एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष तथा इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम के प्रथम, द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने अपनी कक्षाओं में स्वच्छता संबंधी गतिविधियों का संचालन किया और सक्रिय सहयोग प्रदान किया। शिक्षा संकाय की डीन प्रो. निवेदिता ने विद्यार्थियों को स्वच्छता का महत्व बताते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ जीवन की आधारशिला है। विभागाध्यक्ष प्रो. मीना कुमारी ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि कचरे को सही ढंग से फेंकने की आदत और स्वच्छता की भावना स्वस्थ और सुदृढ़ जीवन का आधार है। इस अवसर पर प्रो. रंजीत कौर, प्रो. राजकुमार सहित सभी अध्यापक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे। इसके अलावा सडक़ सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सिरसा के एएसपी फैसल खान ने विद्यार्थियों को यातायात संकेतों, हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व तथा नशे में गाड़ी चलाने के खतरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने शिक्षा विभाग के प्रतिनिधियों से सडक़ सुरक्षा को पाठ्यचर्या और जीवनशैली का हिस्सा बनाने पर बल दिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता ट्रैफिक ऑफिसर सौरव ने सडक़ सुरक्षा नियमों के पालन को जीवन की सुरक्षा से जोड़ते हुए विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी दी। शिक्षा विभाग की अध्यक्ष प्रो. मीना कुमारी ने मेहमानों का स्वागत किया और डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. राजकुमार ने धन्यवाद करते हुए विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे सडक़ सुरक्षा से संबंधित छोटी-छोटी सावधानियों से सभी को अवगत करवाएं जिससे न केवल स्वयं की, बल्कि दूसरों की भी जान बच सकती हैं।

क्या ज्यादा कमाई से बेहतर होता है क्रेडिट स्कोर? ये रही सच्चाई

कोई कनेक्शन है? कॉमन बिलीफ के उलट, इन दोनों में कोई डायरेक्ट लिंक नहीं है. हां, हाई इनकम जरूर आपकी बिल्स और लोन ईएमआई को टाइम पर पे करने की अबिलिटी को बूस्ट करती है, जिससे आपके क्रेडिट स्कोर पर इनडायरेक्टली असर पड़ता है, लेकिन इसका स्कोर पर कोई डायरेक्ट इम्पैक्ट नहीं होता है.

एजेंसी

नई दिल्ली। ज्यादा कमाई होने के बावजूद, यदि कोई व्यक्ति समय पर ऋण चुकाने में असफल रहता है, क्रेडिट कार्ड की सीमा का अत्यधिक उपयोग करता है, या पुराने क्रेडिट खाते बंद कर देता है, तो उसका क्रेडिट

स्कोर कम हो सकता है.

कम आय वाला व्यक्ति यदि भुगतान में अनुशासित रहता है और क्रेडिट का सही मैनेजमेंट करता है, तो वह उच्च क्रेडिट स्कोर बनाए रख सकता है. व्यक्ति को अपनी आय के अनुपात में ही ऋण लेना चाहिए. उदाहरण के लिए, उच्च आय वाला व्यक्ति अधिक क्रेडिट सीमा ले सकता है, लेकिन उसे कुल सीमा के 30त्न से अधिक उपयोग नहीं करना चाहिए. कम क्रेडिट लेने से चुकाना आसान होता है.

कई क्रेडिट कार्ड यूजर्स भविष्य की अनुमानित आय के आधार पर नया ऋण ले लेते हैं, जो जोखिम भरा हो सकता है.

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए जरूरी सलाह, ऐसे चेक करें KYC स्टेटस

अगर आप भी म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं तो यह खबर आपके ही लिए है. आइए हम आपको बताते हैं कि कैसे आप घर बैठे अपने निवेश की स्थिति को ट्रैक कर सकते हैं. केवाईसी का स्टेटस चेक कर सकते हैं.

एजेंसी

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले अपनी केवाईसी (KYC) अपडेट रखना जरूरी है. केवाईसी अपडेट करने से पहले, उसकी स्थिति की जांच करना जरूरी है. आप किसी भी एएमसी या आरटीए की वेबसाइट पर अपना पैन नंबर डालकर इसकी जांच कर सकते हैं. आपकी केवाईसी स्थिति 'मान्य', 'पंजीकृत', 'होल्ड पर' या 'अस्वीकृत' के रूप में प्रदर्शित होगी.

इसके लिए सबसे पहले आपको किसी भी म्यूचुअल फंड या आरटीए की वेबसाइट पर जाना है जहां से आपने निवेश किया है. इससे बाद केवाईसी स्थिति लिंक की जांच करें और आप अपना 10 अंकों का पैन डालें. कैप्चा पर क्लिक करें. क्लिक के बाद केवाईसी का स्टेटस दिख जाएगा.

एक बार केवाईसी वेरीफाई हो जाने के बाद, आपको कोई कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं है. आप किसी भी म्यूचुअल फंड में कभी भी कोई भी लेनदेन कर सकते हैं.

आप बिना किसी परेशानी के अपने सभी मौजूदा म्यूचुअल फंड निवेशों में लेनदेन जारी रख सकते हैं. लेकिन अगर आप किसी ऐसे म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहते हैं, जिसमें आपका पहले से कोई निवेश नहीं है, तो आपको दोबारा केवाईसी करानी होगी.

इसके अलावा अगर कभी केवाईसी स्टेटस होल्ड या रिजेक्टेड दिखे तो उसके लिए आपको बस म्यूचुअल फंड वेबसाइट पर जाकर ऊपर बताए तारीके को फॉलो करना है. जैसे ही स्टेटस 'वैलिडेट' हो जाएगा, आप लेनदेन शुरू करने के लिए तैयार हो जाएंगे.

पुराने बैंक खाते में फंस गया पैसा? ये रहा निकालने का आसान तरीका, एक-एक रुपया आएगा वापस

एजेंसी

नई दिल्ली। अगर आपके पास किसी बैंक खाते में कुछ पैसा है, लेकिन आपने दो साल से उस खाते का इस्तेमाल नहीं किया है. ऐसे में उस खाते का क्या होगा? वह खाता निष्क्रिय हो जाएगा और उसमें जमा पैसे को वापस पाना एक मुश्किल काम लग सकता है. लेकिन अच्छी बात यह है कि ऐसे पैसों को वापस पाने के सरल तरीके मौजूद हैं.

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) अब लोगों को उनके निष्क्रिय खातों से पैसा वापस दिलाने के लिए आउटरीच कार्यक्रम चला रहा है. RBI देश के हर जिले में अक्टूबर से दिसंबर 2025 के बीच अनक्लेम्ड एसेट्स पर विशेष शिविर आयोजित करेगा.

क्या होता है निष्क्रिय खाता?

अगर किसी बैंक खाते में दो साल से लेकर दस साल तक कोई लेन-देन नहीं हुआ, तो वह निष्क्रिय माना जाता है. ऐसे खातों में पड़ा पैसा

बैंक को RBI के DEA Fund में ट्रांसफर करना पड़ता है. लेकिन चिंता की बात नहीं है. खाता धारक या उनके कानूनी उत्तराधिकारी कभी भी इस पैसे का दावा कर सकते हैं, भले ही पैसा पहले ही DEA Fund में चला गया हो.

क्या है RBI का DEA Fund?

डिपॉजिटर एजुकेशन एंड अवेयरनेस (DEA)फंड की शुरुआत 24 मई 2014 को भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने की थी. इस फंड में वह रकम जमा की जाती है जो किसी बैंक खाते में 10 साल या उससे ज्यादा समय से पड़ी रहती है और जिसे खाता धारक ने 10 साल से इस्तेमाल नहीं किया या क्लेम नहीं किया होता है. बैंक को यह पूरा पैसा, जिसमें अब तक का ब्याज भी शामिल होता है, DEA Fund में ट्रांसफर करना जरूरी होता है.

पैसा वापस पाने के आसान कदम

किसी भी बैंक शाखा में जाएं, भले ही वह आपकी पुरानी शाखा न हो. एक फॉर्म भरें और अपने KYC दस्तावेज (आधार, पासपोर्ट, वोटर ID या ड्राइविंग लाइसेंस) जमा करें. बैंक आपकी जानकारी की जांच करेगा. जांच पूरी होने के बाद, आपको आपका पैसा ब्याज समेत वापस मिल जाएगा.

ई-कॉमर्स कंपनियों पर सरकार ने कसा शिकंजा, कैश ऑन डिलीवरी पर वसूला ज्यादा चार्ज, शोषण का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स द्वारा कैश ऑन डिलीवरी (COD) ऑर्डर पर अतिरिक्त शुल्क वसूलने की शिकायतों पर संज्ञान लिया है. विभाग ने इस प्रथा को डार्क पैटर्न करार देते हुए कहा कि यह उपभोक्ताओं को गुमराह करने और उनका शोषण करने का प्रयास है. उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है.

मिली शिकायतों के अनुसार, कई उपभोक्ताओं ने यह आरोप लगाया है कि ऑनलाइन शॉपिंग करते समय यदि वे कैश-ऑन-डिलीवरी विकल्प चुनते हैं तो कंपनियां उनसे अलग से अतिरिक्त रकम वसूल रही हैं. विभाग ने इसे उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए व्यापक जांच शुरू कर दी है. मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बताया कि डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर्स को शिकायतें मिली हैं कि ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म्स कैश ऑन डिलीवरी पर ज्यादा चार्ज ले रहे हैं. यह उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाला डार्क पैटर्न है. विस्तृत जांच शुरू की गई है और नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी.

दोषी पाए जाने पर होगी कड़ी कार्रवाई

सूत्रों के मुताबिक, संबंधित ई-कॉमर्स कंपनियों से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा और अगर दोषी पाए गए तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. विभाग का कहना है कि भारत के तेजी से बढ़ते ई-कॉमर्स क्षेत्र में पारदर्शिता और निष्पक्ष व्यवहार बनाए रखना अनिवार्य है.

GST राहत से टूटा 10 सालों का रिकॉर्ड, नवरात्रि में लोगों ने की बंपर खरीदारी

एजेंसी

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार की ओर जीएसटी स्लैब में बदलाव कर लोगों को टैक्स में राहत देने का असर नवरात्रि पर देखने को मिला. सरकारी सूत्रों के मुताबिक, भारत की कंज्यूमर इकोनॉमी ने पिछले 10 सालों में इस बार नवरात्रि में सबसे ज्यादा बिक्री देखी है. जीएसटी स्लैब को रेशनलाइज करने से जरूरी और लक्जरी सामानों पर टैक्स का बोझ कम हुआ, जिससे लोग कॉन्फिडेंस के साथ खरीदारी कर रहे हैं. लोगों ने होम अप्लायंसेज और लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स अपग्रेड किए, जिससे डिमांड में जबरदस्त उछाल आया.

ऑटोमोबाइल कंपनियों को इस नवरात्रि में सबसे ज्यादा फायदा हुआ. जीएसटी में कटौती के बाद मारुति सुजुकी ने पिछले एक दशक में अपनी बेस्ट नवरात्रि सेल्स रिकॉर्ड की. उनकी बिक्री पिछले साल के मुकाबले दोगुनी हो गई. कंपनी ने 1,50,000 बुकिंग्स हासिल कीं और उम्मीद है कि ये 2,00,000 तक पहुंच जाएंगी. पिछले साल नवरात्रि में 85,000 गाड़ियां बिकी थीं. इस बार

फेस्टिवल के पहले 8 दिनों में 1.65 लाख गाड़ियों की डिलीवरी हुई, जिसमें पहले दिन ही 30,000 कार्स बिकीं, जो 35 सालों में मारुति का बेस्ट सिंगल-डे परफॉर्मेंस है.

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने 60त्न की रिटेल सेल्स ग्रोथ देखी. हुंडई में क्रेटा और वेन्यू की स्ट्रॉन्ग डिमांड की वजह से स्ङ्क सेल्स उनकी टोटल सेल्स का 72त्न से ज्यादा थी.

हीरो मोटोकॉर्प के शोरूम में कस्टमर्स की संख्या दोगुनी हो गई, खासकर कम्यूटर टू-व्हीलर्स में अच्छी ग्रोथ देखी गई. टाटा मोटर्स ने 50,000 से ज्यादा गाड़ियां बेचीं, जिसमें अल्ट्रोज, पंच, नेक्सन और टियागो मॉडल्स टॉप पर रहे.

बजाज ऑटो ने भी फेस्टिव सीजन में अच्छी सेल्स रिकॉर्ड की.

Lenskart को सेबी से मिली मंजूरी, नवंबर में आएगा 8,000 करोड़ का IPO

एजेंसी

नई दिल्ली। चश्में की रिटेल कंपनी लेंसकार्ट को सेबी यानी भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड से अपने IPO को लाने को लेकर हरी झंडी मिल गई है. सूत्रों के मुताबिक, कंपनी अगले कुछ हफ्तों में अपडेटेड प्रॉस्पेक्टस दाखिल करेगी और नवंबर के मध्य तक शेयर बाजार में लिस्ट होने की योजना है.

लेंसकार्ट ने जुलाई में सेबी के पास इश्यू के लिए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस जमा किया था, जिसके जरिए वो 2,150 करोड़ रुपये की नई पूंजी जुटाना चाहती है. इसके अलावा, कंपनी के फाउंडर पीयूष बंसल, नेहा बंसल, सुमीत कपाही और अमित चौधरी, साथ ही सॉफ्टबैंक, प्रेमजी इन्वेस्ट, टेमासेक, केदारा कैपिटल और अल्फा वेव ग्लोबल जैसे शेयरधारक, ऑफर-फॉर-सेल के जरिए 132.3 मिलियन शेयर बेचेंगे. कुल मिलाकर, इस आईपीओ का साइज 7,500-8,000 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है.

ये इस साल टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के बाद सबसे बड़े आईपीओ में से एक होगा. कोटक महिंद्रा, मॉर्गन स्टेनली, सिटी, एवेंडस कैपिटल और इंटेंसिव फिस्कल सर्विसेज इस आईपीओ के मर्चेंट बैंकर हैं .गुरुग्राम की इस कंपनी का आईपीओ इस साल के कई बड़े आईपीओ में

सबसे बड़ा होगा. स्टॉकब्रोकिंग फर्म ग्रो, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो, पेमेंट कंपनी फोनपे और एडटेक कंपनी फिजिक्सवाला भी लिस्टिंग की तैयारी में हैं, लेकिन उन्होंने सेबी की गोपनीय फाइलिंग प्रक्रिया चुनी है.

कंपनी की फाइनेंशियल स्थिति

लेंसकार्ट ने वित्त वर्ष 2025 में मुनाफा कमाया है, जिसमें 297 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ, जबकि पिछले साल वित्त वर्ष 2024 में 10 करोड़ रुपये का घाटा था. कंपनी का रेवेन्यू भी 22% बढ़कर 5,428 करोड़ रुपये से 6,625 करोड़ रुपये हो गया. ईटी स्टार्टअप अवार्ड्स 2024 में स्टार्टअप ऑफ द ईयर जीतने वाली लेंसकार्ट इस आईपीओ से मिलने वाले 272 करोड़ रुपये से भारत में नए स्टोर खोलेगी.

साथ ही, 591 करोड़ रुपये अपने 2,700 से ज्यादा मौजूदा स्टोर्स के किराए, लीजिंग और अन्य खर्चों के लिए इस्तेमाल करेगी. कुछ राशि अधिग्रहण के लिए भी रखी गई है.

अडानी-अंबानी के पारिवारिक दफ्तर को देना होगा खर्च का ब्योरा? क्या है इस खबर की सच्चाई

सेबी ने फैमिली ऑफिसेज के रेगुलेशन को लेकर चल रही खबरों के बीच बयान जारी किया है. मार्केट रेगुलेटर ने कहा कि हम किसी ऐसे नियम पर विचार नहीं कर रहे हैं. सेबी ने इसके इर्द-गिर्द चली खबरों का खंडन किया है.

एजेंसी

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने मीडिया में चल रही उन खबरों का खंडन किया है, जिसमें दावा किया गया है कि अंबानी-अडानी जैसे बड़ी बिजनेस फैमिलीज को अपने खर्च का ब्योरा देना होगा. लेकिन इस पर सेबी का बयान आया है. बयान में रेगुलेटरी बॉडी वह पारिवारिक कार्यालयों के लिए किसी नियामक ढांचे पर विचार नहीं कर रहा है. यह स्पष्टीकरण उन मीडिया रिपोर्टों के बाद आया है जिनमें कहा गया था कि बाजार नियामक पारिवारिक कार्यालयों को अपने दायरे में लाने की संभावना तलाश रहा है. हालांकि, सेबी ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है.

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का मार्केट रेगुलेटर सेबी अब फैमिली ऑफिस को अपने रडार पर लाने की सोच रहा है, क्योंकि भारत के अरबपति स्टॉक एक्सचेंज में बड़ा रोल प्ले करने लगे हैं. कुछ लोगों ने ब्लूमबर्ग को बताया कि सेबी इस बारे में बात कर रहा है कि फैमिली ऑफिस को अपनी संपत्ति, इनवेस्टमेंट और रिटर्न की जानकारी देनी होगी. साथ ही, उनके लिए एक अलग कैटेगरी बनाकर इनवेस्टमेंट को रेगुलेट करने की बात भी चल रही है.

रिपोर्ट में किया गया दावा

रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि इस साल की शुरुआत में सेबी ने कुछ बड़े फैमिली ऑफिस के साथ मीटिंग की और दूसरों से लिखित में प्रपोजल मांगे, ताकि ये समझ सके कि ये बड़े परिवार पब्लिकली ट्रेडेड सिक्योरिटीज में कैसे इनवेस्ट करते हैं और इससे क्या रिस्क हो सकते हैं. सेबी ने एक

बयान में कहा कि हम अभी इस मामले में कोई जांच या कार्रवाई नहीं कर रहे हैं. भारत में फैमिली ऑफिस के लिए अभी कोई खास नियम नहीं हैं, इसलिए सूत्रों ने बताया कि नए नियम कब और कैसे बनेंगे, ये अभी साफ नहीं है. सेबी का ये कदम दिखाता है कि भारत के सुपर-रिच परिवार अब इतने बड़े इनवेस्टर बन गए हैं कि उनके इनवेस्टमेंट मार्केट में हलचल मचा सकते हैं.

भारतीय इंडस्ट्री में कई फैमिली ऑफिस स्टार्टअप्स, प्राइवेट इक्विटी और आईपीओ में बड़े इनवेस्टर बनकर उभरे हैं. सूत्रों के मुताबिक, सेबी ने कुछ बड़े फैमिली ऑफिस के साथ बातचीत में ये भी पूछा कि क्या उन्हें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (त्तढ्ढक्च) की तरह हिस्सा लेने की इजाजत दी जाए. इससे उन्हें आईपीओ में प्राथमिकता मिलेगी और वे म्यूचुअल फंड, इंश्योरेंस कंपनियों या विदेशी बड़े फंड्स की तरह मार्केट में बराबरी का मौका पा सकेंगे.

पहले सेबी ने अनरेगुलेटेड फैमिली इनवेस्टर को ऐसी सुविधा देने से मना किया था.

7th Pay Commission: केंद्र सरकार ने बदला नियम, कर्मचारियों के इस भत्ते पर होगा असर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के भत्तों पर असर डालने वाला एक बड़ा फैसला लिया गया है. सरकार ने ड्रेस भत्ता से जुड़े नियमों में बदलाव किया है. नए निर्देशों के अनुसार 1 जुलाई 2025 के बाद नौकरी जॉइन करने वाले नए कर्मचारियों को भी इसका फायदा मिलेगा. डाक विभाग ने इस बारे में नया आदेश जारी किया है, जिसमें रिटायर्ड और नए भर्ती कर्मचारियों के लिए स्थिति स्पष्ट की गई है.

यह नया आदेश मध्य वर्ष में जॉइन या रिटायर होने वाले कर्मचारियों के लिए राहत लेकर आया है. अब उन्हें यह चिंता नहीं रहेगी कि उनके ड्रेस भत्ते का भुगतान कब और कितना मिलेगा, क्योंकि नियम अब स्पष्ट हो चुके हैं.24 सितंबर 2025 को जारी आदेश में कहा गया है कि जो कर्मचारी साल के बीच में नौकरी जॉइन करते हैं या रिटायर होते हैं, उन्हें अब अनुपातिक आधार पर ड्रेस भत्ता दिया जाएगा. ड्रेस भत्ता वह राशि है जो सरकार उन कर्मचारियों को देती है जिन्हें ड्यूटी के दौरान यूनिफॉर्म पहननी होती है. वित्त मंत्रालय ने अगस्त 2017 में जारी एक सर्कुलर में बताया था कि ड्रेस भत्ता अब पुराने कई भत्तों को मिलाकर दिया जाता है. जैसे कपड़ा भत्ता, बेसिक इक्विपमेंट भत्ता, यूनिफॉर्म रखरखाव भत्ता, गाउन भत्ता और जूता भत्ता.

वित्त मंत्रालय से मंजूरी

जून 2025 में जारी एक पुराने आदेश में कहा गया था कि जुलाई 2025 के बाद रिटायर होने वाले कर्मचारियों के लिए वित्त मंत्रालय से स्पष्टीकरण मांगा गया है और तब तक 2020 के पुराने नियम ही लागू रहेंगे. अब वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जैसे नए भर्ती कर्मचारी साल के अनुसार ड्रेस भत्ता पाते हैं, वैसे ही साल के बीच में रिटायर होने वाले कर्मचारी भी अनुपातिक ड्रेस भत्ता पाएंगे.

जुलाई की सैलरी के साथ दिया जाता है भत्ता

डाक विभाग ने बताया कि ड्रेस भत्ता जुलाई की सैलरी के साथ दिया जाता है. इसलिए कई ऐसे कर्मचारी जो इस साल रिटायर हो रहे हैं, उन्हें पहले ही पूरा या आधा भत्ता मिल चुका है. नए नियमों के तहत अक्टूबर 2025 से रिटायर होने वाले कर्मचारियों से जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त भुगतान की वसूली की जाएगी, लेकिन 30 सितंबर 2025 से पहले रिटायर हुए कर्मचारियों से कोई रिकवरी नहीं होगी.

नए कर्मचारियों के लिए स्पष्टीकरण

विभाग ने यह भी साफ किया है कि जो कर्मचारी जुलाई 2025 से पहले जॉइन करेंगे, उन्हें जून 2025 तक लागू नियमों के अनुसार ड्रेस भत्ता मिलेगा. कुछ जगह यह देखा गया था कि पिछले साल का ड्रेस भत्ता जुलाई 2025 की सैलरी में शामिल नहीं किया गया, इसलिए अब उसे सही करने के निर्देश दिए गए हैं.

बैंकिंग सिस्टम में बड़ा बदलाव, अब फटाफट हो जाएंगे चेक क्लीयर...घंटे भर में आएगा पैसा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने चेक क्लिरेंस से जुड़े नियमों में बदलाव किया है. नया नियम यानी 4 अक्टूबर 2025 से लागू हो गया है. नए नियम के तहत अब कस्टमर्स का चेक कुछ ही घंटों में क्लीयर हो जाएगा. पहले इसमें 2 दिन तक का समय लगता था. आरबीआई ने बताया कि एक सिंगल प्रेजेंटेशन सेशन होगा, जिसमें चेक को सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक पेश करना होगा. इसके तहत चेक प्राप्त करने वाली बैंक को चेक को स्कैन करके क्लिरिंग हाउस को भेजना होगा.

क्लियरिंग हाउस, चेक की तस्वीरें उन बैंको को निरंतर आधार पर जारी करेगा, जहां का चेक होगा, जिससे प्रत्येक चेक का निपटान वर्तमान टी+1-दिवसीय क्लियरिंग चक्र के बजाय, लगभग वास्तविक समय के आधार पर किया जा सकेगा. ग्रांट थॉर्नटन भारत के पार्टनर और वित्तीय सेवा जोखिम प्रमुख विवेक अय्यर ने कहा कि इस कदम से यह सुनिश्चित होगा कि धनराशि कुछ ही घंटों में जमा हो जाए, जिससे ग्राहकों को धनराशि तक त्वरित पहुंच प्राप्त होगी.

पहला फेज

इससे उन इलाकों को खास फायदा होगा जहां डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर अभी पूरी तरह तैयार नहीं है.

बैंकों की बैक-एंड टेक्नोलॉजी को भी अपग्रेड किया गया है ताकि नई सिस्टम में आसानी से ट्रांजिशन हो सके. इसको दो फेज में शुरू किया गया है. पहला फेज 4 अक्टूबर, 2025 से 2 जनवरी, 2026 तक होगा. इस दौरान, जिन बैंकों को चेक मिलेंगे, उन्हें पुष्टिकरण सत्र खत्म होने तक चेक की कन्फर्मेशन करनी होगी. अगर इस समय में चेक कन्फर्म नहीं होता, तो उसे स्वीकार मान लिया जाएगा और सेटलमेंट के लिए शामिल किया जाएगा. इस फेज में सभी चेकों का आइटम एक्सपायरी टाइम शाम 7 बजे होगा.

दूसरा फेज 3 जनवरी, 2026 से शुरू होगा इसमें चेकों का आइटम एक्सपायरी टाइम बदलकर ञ्ज+3 घंटे कर दिया जाएगा. अगर कोई चेक तीन घंटे में कन्फर्म नहीं होता, तो उसे स्वीकार मान लिया जाएगा और दोपहर 2 बजे सेटलमेंट के लिए शामिल किया जाएगा. बैंकों की पॉजिटिव कन्फर्मेशन और स्वीकार किए गए चेकों के आधार पर, सुबह 11 बजे से पुष्टिकरण सत्र खत्म होने तक हर घंटे सेटलमेंट जारी होंगे. प्रस्तुतकर्ता बैंक इन सेटलमेंट्स को प्रोसेस करेंगे और सामान्य सिक्योरिटी चेक के बाद, सक्सेसफुल सेटलमेंट के एक घंटे के अंदर कस्टमर्स को पेमेंट कर देंगे. चेक ट्रंकेशन सिस्टम (ष्टञ्जस्) के तहत वित्त वर्ष 25 में 609.54 मिलियन ट्रांजैक्शन्स हुए, जिनका कुल मूल्य 71.13 ट्रिलियन रुपये था. वहीं, वित्त वर्ष 26 में अब तक ट्रांजैक्शन्स का मूल्य ?29.39 ट्रिलियन तक पहुंच चुका है.

क्या होता है COD चार्ज? जिससे ई-कॉमर्स कंपनियां कर रही हैं कमाई

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स द्वारा कैश-ऑन-डिलीवरी (COD) ऑर्डर पर एक्स्ट्रा चार्ज लगाने की जांच शुरू की है. इसे "डार्क पैटर्न" कहा गया है, जो कस्टमर्स को गुमराह करता है और उनका फायदा उठाता है. आइए आपको डिटेल में बताते हैं कि ये सीओडी चार्ज और डार्क पैटर्न क्या होता है और इसके जरिए ई-कॉमर्स कंपनियां कमाई कैसे करती हैं. इस साल की शुरुआत में कस्टमर्स ने शिकायत की थी कि कुछ प्लेटफॉर्म्स COD ऑर्डर पर 'कैश हैंडलिंग चार्ज' लगा रहे हैं. जुलाई में Zepto के यूजर्स ने सोशल मीडिया पर इसकी शिकायत की थी कि चेकआउट के वक्त छिपे हुए चार्जेज लगाए जा रहे हैं. ये चार्जेज "ड्रिप प्राइसिंग" का हिस्सा हो सकते हैं, जो भारत में 13 डार्क पैटर्न्स में से एक है और गैरकानूनी माना जाता है.

क्या होता है COD चार्ज?

कैश-ऑन-डिलीवरी (COD) एक भुगतान विधि है जिसमें ग्राहक ऑर्डर डिलीवरी के समय नकद या डिजिटल पेमेंट करता है. ई-कॉमर्स कंपनियां इसे ग्राहकों को ऑनलाइन खरीदारी में भरोसा बढ़ाने और सुविधा प्रदान करने के लिए ऑफर करती हैं. वे डिलीवरी पार्टनर के साथ मिलकर COD लागू करती हैं, जहां कूरियर भुगतान एकत्र करता है. उदाहरण के तौर पर अगर आप किसी ऑनलाइन ई-कॉमर्स कंपनी से कुछ सामान ऑर्डर करते हैं तो वहां पर पैसा देने के दो-तीन ऑप्शन होते हैं एक तो क्रेडिट कार्ड से पेमेंट का होता एक यूपीआई से पेमेंट करने का विकल्प होता और एक कैश-ऑन-डिलीवरी का होता है. अगर आप सीओडी चुनते हैं और मान लीजिए 1500 रुपये का मोबाइल कवर ऑर्डर करते हैं तो डिलीवरी के समय आपको डिलीवरी पार्टनर को 1500 रुपये कैश में या नकद देने होंगे.

डार्क पैटर्न क्या हैं?

डार्क पैटर्न वो ट्रिक्स हैं, जो वेबसाइट्स या ऐप्स में यूज किए जाते हैं ताकि कस्टमर्स को बेवकूफ बनाया जाए. ये छिपे हुए डिजाइन या भ्रामक भाषा हो सकती है, जो यूजर्स को कुछ ऐसा करने के लिए मजबूर करती है, जो वो नहीं चाहते हैं.

डिलीवरी चार्ज को आखिरी स्टेप तक छिपाना.

सहमति बॉक्स पहले से चेक करना.

सिर्फ 1 प्रोडक्ट बचा है जैसे झूठे मैसेज दिखाना.

नवंबर 2023 में सरकार ने 13 ऐसे डार्क पैटर्न्स को 'अनुचित व्यापार प्रथाओं' के तहत बैन किया, जिसमें ड्रिप प्राइसिंग, झूठी जल्दबाजी, सब्सक्रिप्शन ट्रैप और छिपे हुए विज्ञापन शामिल हैं.

भारत में ये समस्या कितनी बड़ी है?

2024 की ASCI रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के टॉप 53 ऐप्स में से 52 में कम से कम एक डार्क पैटर्न पाया गया. ये छिपे हुए चार्जेज, बार-बार पॉप-अप, या भ्रामक डिजाइन हो सकते हैं. खासकर ई-कॉमर्स, फिनटेक और गेमिंग ऐप्स में ये आम है. कस्टमर्स को अक्सर बाद में पता चलता है कि उन्हें ठगा गया.

सरकार क्या कर रही है?

COD चार्जेज की जांच के साथ-साथ सरकार डिजिटल फ्रॉड पर नकेल कस रही है. 28 मई को मंत्रालय ने ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ मीटिंग की और उन्हें अपने ऐप्स का ऑडिट करने को कहा. साथ ही, एक जॉइंट वर्किंग ग्रुप बनाने का प्लान है, जो इन समस्याओं पर नजर रखेगा. जांच में ये देखा जाएगा कि चार्जेज के बारे में कस्टमर्स को साफ-साफ बताया गया या नहीं.

आगे क्या होगा?

अगर कोई प्लेटफॉर्म डार्क पैटर्न इस्तेमाल करता पाया गया, तो उस पर जुर्माना, डिजाइन में बदलाव या सख्त नियम लागू हो सकते हैं. COD भारत में बहुत पॉपुलर पेमेंट तरीका है, खासकर छोटे शहरों में. इसलिए ये जांच बहुत अहम है. सरकार का ये कदम दिखाता है कि अब शुल्क और डिजाइन भी उतने ही सख्ती से चेक किए जाएंगे, जितना प्राइसिंग और विज्ञापन किए जाते हैं.

स्वदेशी एवं स्वावलम्बन ही नये भारत का आधार

ललित गर्ग

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना महोत्सव यानी प्रत्येक वर्ष विजयदशमी के अवसर पर संघ प्रमुख का उद्बोधन एक नए संदेश और नये दृष्टिकोण के साथ सामने आता है, इस उद्बोधन का पूरा राष्ट्र इंतजार करता है। इस बार संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई ऐसी बातें कहीं, जो सरकार के साथ समाज के लोगों का ध्यान खींचने वाली हैं। इस पर आश्चर्य नहीं कि उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर थोपे गए टैरिफ की चर्चा की। 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ ने भारत के समक्ष जो कठिन चुनौती खड़ी कर दी है, उसका प्रभावी ढंग से सामना स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही किया जा सकता है। भागवत ने संबोधन में स्वदेशी और स्वावलंबन को नए भारत का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में परस्पर निर्भरता एक स्वाभाविक स्थिति है, लेकिन यह निर्भरता कभी भी बंधन या मजबूरी में परिवर्तित नहीं होनी चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना होगा ताकि विदेशी निर्णयों और नीतियों पर हमारी नियंत्रण क्षमता सीमित न हो जाए। उनका कहना था कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं है कि हम दुनिया से कट जाएं, बल्कि यह है कि हम अपनी शर्तों पर और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संबंध बनाएं।

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष सम्पूर्णता की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है, नए मनुष्य एवं सशक्त-स्वावलम्बी भारत का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति एवं सशक्त राष्ट्रीय भावना में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

भागवत ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने विविधता को भारत की विशेषता बताया और समाज में विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चेताया। उन्होंने पंच परिवर्तन की संकल्पना भी प्रस्तुत की जिसमें आत्मजागरूकता, पारिवारिक मूल्य, नागरिक अनुशासन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को जोड़ा गया है। इस संदेश के सकारात्मक पक्ष अनेक हैं। यदि इसे गंभीरता से अपनाया जाए तो यह देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को नई दिशा दे सकता है। स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्प और कृषि को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन होगा और आर्थिक आत्मसम्मान मजबूत होगा। स्वदेशी पर बल देने से विदेशी निर्भरता घटेगी और देश की सुरक्षा व नीति संबंधी स्वतंत्रता बढ़ेगी। यदि समाज के स्तर पर भी इस सोच को अपनाया जाए तो उपभोक्तावाद के स्थान पर संवेदनशीलता और सेवा भाव विकसित होगा। विविधता के सम्मान और सामाजिक सद्भाव के आग्रह से राष्ट्र अधिक एकजुट और शक्तिशाली बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जिस आत्मनिर्भर भारत का आह्वान कर रहे हैं, उसका मूल उद्देश्य केवल आर्थिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है। यह संदेश देश की घरेलू क्षमताओं को सशक्त बनाने, आयात पर निर्भरता घटाने और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ विकास की दिशा को व्यापक सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ता है, जिसमें महात्मा गांधी की ह्यस्वदेशी अपनाओह्न और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की ह्यअंत्योदयह्न की परिकल्पना स्पष्ट तौर पर समाहित है।

स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही नया भारत-सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इस बात को सरकार भी रेखांकित कर चुकी है और अब संघ प्रमुख ने भी दोहरा दिया। यह समय की मांग है कि स्वदेशी और स्वावलंबन पर तब तक बल दिया जाए, जब तक वांछित सफलता न मिल जाए। जहां सरकार को स्वदेशी की राह को आसान करना होगा, वहीं समाज को सहयोग देने के लिए तत्पर रहना होगा। इस उम्मीद में नहीं रहा जाना चाहिए कि अमेरिका के साथ शीघ्र ही आपसी व्यापार समझौता हो जाएगा। एक तो जब तक ऐसा हो न जाए तब तक चैन से नहीं बैठा जा सकता और दूसरे, यदि ऐसा हो जाए तो भी भारत को स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलना छोड़ना नहीं चाहिए। व्यापारिक साझेदारों पर निर्भरता लाचारी में नहीं बदलनी चाहिए। वास्तव में इस स्थिति से बचने का ही उपाय है स्वदेशी उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना। परंतु इस संदेश के साथ कई चुनौतियां और सीमाएं भी जुड़ी हुई हैं। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था इतनी आपस में गुँथी हुई है कि किसी भी देश का पूर्ण स्वावलंबन व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। अनेक तकनीकें और कच्चे माल अब भी हमें विदेशों से ही प्राप्त करने होते हैं। यदि स्वदेशी को बढ़ावा देने के नाम पर विदेशी व्यापार पर प्रतिबंध या अधिक शुल्क लगाए जाते हैं तो यह व्यापार युद्ध और आर्थिक तनाव को जन्म दे सकता है। इस संदेश की सफलता केवल भाषणों और भावनात्मक नारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि ठोस नीतियों, बजट, शोध और योजनाओं के आधार पर इसे अमल में लाना होगा।

सामाजिक दृष्टि से भी यह आवश्यक है कि स्वदेशी और स्वावलंबन का नारा केवल एक सांस्कृतिक या राजनीतिक रंग में न ढल जाए। यह तभी कारगर होगा जब इसे हर वर्ग, हर धर्म और हर क्षेत्र का साझा लक्ष्य बनाया जाएगा। नागरिकों की आदतों और व्यवहार में बदलाव लाना आसान नहीं है, लेकिन यदि यह बदलाव शिक्षा, प्रोत्साहन और जनचेतना के माध्यम से लाया जाए तो यह नारा समाज में गहरी जड़ें जमा सकता है। संघ प्रमुख का यह संदेश नए भारत की दिशा में प्रेरणा का स्त्रोत है। यह हमें बताता है कि हमें अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति पर गर्व करना चाहिए, वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टि से सशक्त होना चाहिए और विश्व के साथ संवाद स्थापित करते हुए भी अपनी स्वायत्तता को बनाए रखना चाहिए। किंतु इसके लिए आलोचनात्मक विवेक, व्यावहारिक सोच और निरंतर समीक्षा की आवश्यकता है। आज विभिन्न देशों की परस्पर मित्रता का आधार अपने-अपने आर्थिक-कूटनीतिक हित हैं। इन स्थितियों में सर्वोत्तम उपाय स्वदेशी को बल देते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाना है। आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है।

संपादकीय

मौत का सिरप

कैसी विडंबना है कि जीवन रक्षा के लिये दी जाने वाली दवा मौत का कारण बन जाए। जो दवा की संदिग्ध गुणवत्ता और निमार्ता कंपनियों की आपराधिक लापरवाही को ही उजागर करती है। जाहिर है रसायनों की घातकता की मात्रा और गुणवत्ता में कोई खोट इस तरह के हादसों का सबब बना होगा। राजस्थान में कुछ बच्चों की मौत की वजह का संबंध उस सिरप से बताया जा रहा है, जो खांसी ठीक करने के लिये दिया गया। ये हादसे इस बात को रेखांकित करते हैं कि दवा की गुणवत्ता में चूक सामान्य उपचार को कितने जानलेवा जोखिम में बदल सकती है। बताया जाता है कि बच्चों को कथित रूप से मुख्यमंत्री की मुफ्त दवा योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में एक जेनेरिक खांसी की सिरप दी गई थी। जबकि इस मामले में जांच चल रही है, यह त्रासदी भारत की फार्मास्यूटिकल निगरानी तंत्र की कोताही ही उजागर करती है। खासकर हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में, जो फार्मा हब के रूप में प्रमुख रूप से उल्लेखित है। महत्वपूर्ण है कि हिमाचल प्रदेश की 655 फार्मास्यूटिकल इकाइयों में से केवल 122 ही जीएमपी यानी गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज के संशोधित शेड्यूल एम मानकों के तहत अपग्रेड करने के लिये पंजीकृत हैं। इसका मतलब यह है कि अधिकांश फार्मा इकाइयां गुणवत्ता मानकों के अनुपालन को प्रमाणित किए बिना काम कर रही हैं। ये जनस्वास्थ्य के प्रति कितनी गैरजिम्मेदार स्थिति है। जबकि हकीकत यह है कि फार्मास्यूटिकल इकाइयों को अपग्रेड करने की समय सीमा कई बार बढ़ाई गई है। यह नियामक तंत्र की कमजोरियों और छोटी फर्मों में सुरक्षित प्रक्रियाओं में निवेश करने की अनिच्छा को ही उजागर करती है। यह विडंबना ही है कि हमारा तंत्र जन-स्वास्थ्य के खिलवाड़ के प्रति उदासीन बना हुआ है। निस्संदेह, जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया, उनके लिये यह बहस कोई सांत्वना नहीं है। उन्हें सही मायनों में सांत्वना तभी मिलेगी जब आपराधिक लापरवाही करने वालों को दंडित किया जाएगा। विडंबना यह है कि अतीत में भी ऐसी कई त्रासदियां हुई हैं, लेकिन हमारे तंत्र ने इससे कोई सबक नहीं सीखा। हालांकि शुक्रवार को केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को परामर्श जारी किया है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाइयां नहीं दी जाएं। वर्ष 2020 में भी एक ऐसी त्रासदी सामने आई थी, लेकिन कुछ दिन के शोर के बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। विडंबना देखिए कि मृत बच्चों के परिजन आज भी न्याय की प्रतीक्षा में आंसू बहा रहे हैं। हकीकत यह है कि ऐसी मौतों की जिम्मेदारी तय करने में लगातार देरी होती रहती है। ऐसे हादसों को या तो कमतर दशार्या जाता है या फिर पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया जाता है।

चिंतन-मनन

गुरु तत्व का सम्मान

जब भी तुमने बदले में किसी आशा के बिना किसी के किए कुछ भी किया हो, किसी को कोई सलाह दी हो, लोगों का मार्गदशर्न किया हो, उन्हें प्रेम दिया हो और उनकी देख-भाल की हो, तब तुमने गुरु की भूमिका निभाई है। गुरु तत्व सम्मान करने की और विश्वास करने की चीज है। तुम्हारे आस पास कितने लोग हैं जो सब के मूड, भावनाओं और दोषारोपण के बीच अटके हुए हैं। लेकिन अगर तुम्हारे पास गुरु हैं तो तुम्हें इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ेगा और अगर पड़ेगा भी तो वह कुछ मिनटों से ज्यादा टिकने वाला नहीं। जब व्यक्ति गुरु तत्व के इस सिद्धांत के साथ चलता है, तब सभी सीमाएं गिर जाती हैं और वह आस पास के सभी व्यक्तियों और सारे ब्रह्मांड के साथ एक होने का अनुभव करने लगता है। जब यह ज्ञान प्रकट होता है, दुःख गायब हो जाता है और आत्म-ग्लानि के लिए कोई स्थान नहीं रहता। अगर तुम्हारे भीतर आत्म-ग्लानि है, तो इसका अर्थ है अभी तक तुम गुरु तक आए नहीं हो। गुरु तक आने का अर्थ है श्रद्धा होना कि गुरु हमेशा हमारे साथ है। इसका अर्थ है हमें जो भी चाहिए वो होगा और हमें रास्ता दिखाया जाएगा। जीवन में शांति सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा रास्ता साधना, सत्संग, आत्म-चिंतन और भक्ति द्वारा गुरु के निकट रहना है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि तुममें आध्यात्मिकता मजबूत हो। हालांकि जब तुम शारीरिक रूप से गुरु के निकट नहीं हो पाते, तब भी मन और आत्मा से तुम गुरु के निकट हो सकते हो। जब व्याकुलता बहुत ज्यादा बढ़ जाए, तब समर्पण में आसन पाओ। गुरु या ईश्वर को समर्पण कर दो। गुरु को उनके शारीरिक रूप और व्यक्तित्व से परे देखो। ईश्वर, आत्मा और गुरु में कोई अंतर नहीं है। गुरु तुम्हारे असली स्वभाव का ही प्रतिबिम्ब है और तुम्हें आत्मा में वापस अग्रसर करने के लिए मार्गदशर्क है। अपनी लगन, श्रद्धा और वचनबद्धता से तुम स्पष्ट रूप से देख सकते हो कि चाहे कैसी भी परिस्थिति हो, जिस पल तुम गुरु को गुरु मान लेते हो, उनके सभी गुण प्राप्त करना संभव हो जाता है। एक बार जब गुरु उपाय बन जाते हैं, तुम जीवन में कभी पराजित नहीं होते। गुरु के लिए भक्ति काफी है। गुरु यहां तुम्हारे लिए हैं और तुम्हारे अच्छे और बुरे समय के दौरान तुम्हारे साथ हैं। तुम अकेले नहीं हो तो गुरु को ढूंढ़ निकालो और स्वाभाविक रूप से जियो और प्रेम और आनंद में खुशी मनाओ।

जरूरी है राष्ट्र निमार्ता के रूप में शिक्षकों का सम्मान

श्वेता गोयल

एक ओर जहां भारत में द्वितीय राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर 5 सितम्बर को 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है, वहीं दुनिया के अनेक देश 5 अक्तूबर को 'विश्व शिक्षक दिवस' मनाते हैं और इस अवसर पर शिक्षकों के सम्मान में दुनियाभर के देशों में तरह-तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दरअसल किसी भी देश के विकास की कल्पना शिक्षा के बिना बेमानी ही है, इसीलिए दुनियाभर के शिक्षकों के महत्व और उनके योगदान को सम्मान देने के लिए ही विश्व शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिवस मनाने का मूल उद्देश्य विश्वभर में शिक्षण और शिक्षकों के मूलभूत मुद्दों पर चर्चा करना है। वर्ष 1960 के आसपास करीब सभी देशों में शिक्षकों को विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता था, जिसके लिए 5 अक्तूबर 1966 को 'टीचिंग इन फ्रीडम संधि' को मूर्त रूप दिया गया। इसमें दुनियाभर के शिक्षकों की स्थिति को सुधारने और उन्हें जागरूक करने के लिए एक समझौता पारित किया गया। दरअसल 5 अक्तूबर 1966 को पेरिस में एक कांफ्रैंस का आयोजन किया गया था, जिसमें शिक्षकों के अधिकार और जिम्मेदारी सहित उनसे संबंधित कई मुद्दों पर यूनेस्को तथा अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की सिफारिशों को यूनेस्को द्वारा अपनाया गया था। यूनेस्को और आईएलओ की उस बैठक में शिक्षकों के अधिकारों, जिम्मेदारियों, रोजगार और शिक्षा के लिए दिशा-निर्देश बनाने का प्रस्ताव रखा गया था, जिसके बाद शिक्षक दिवस को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाने के लिए 1994 में 100 देशों के समर्थन के साथ संयुक्त राष्ट्र में यूनेस्को की इन सिफारिशों को पारित कर दिया गया। उसी के बाद 5 अक्तूबर 1994 से विश्व शिक्षक दिवस की शुरूआत हुई और तभी से प्रतिवर्ष 5 अक्टूबर को इसे विश्व शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष पूरी दुनिया 31वां विश्व शिक्षक दिवस मना रही है।

यूनेस्को द्वारा विश्व शिक्षक दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक थीम निर्धारित की जाती है और विश्व शिक्षक दिवस 2025 का आधिकारिक विषय है 'शिक्षण को एक सहयोगात्मक पेशे के रूप में पुनः स्थापित करना'। यूनेस्को का मानना है कि पूरी दुनिया को इस समय वैश्विक स्तर पर शिक्षकों की अभूतपूर्व कमी का सामना करना पड़ रहा है, जो उनकी कामकाजी परिस्थितियों और स्थिति में गिरावट के कारण और भी गंभीर हो गई है। 2022 में विश्व शिक्षक दिवस 'शिक्षा का परिवर्तन शिक्षकों से शुरू होता है' थीम के साथ मनाया गया था। दरअसल वैसे तो व्यक्ति जीवनभर सीखता रहता है लेकिन शिक्षक के बिना सही ज्ञान नहीं मिलता, इसीलिए शिक्षक दिवस का विशेष महत्व होता है। 5 अक्तूबर के दिन विश्वभर में 100 से भी ज्यादा देशों में विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर तरह-तरह के आयोजन किए जाते हैं। प्रत्येक देश में इस दिन का अपने-अपने तरीके से स्वागत किया जाता है। कई देशों में तो इस दिन सार्वजनिक अवकाश भी रखा जाता है लेकिन वहां अवकाश के इन पलों को लोग अपने शिक्षकों के साथ किसी न किसी रूप में शेयर करते हैं। सही मायनों में विश्व शिक्षक दिवस महज सार्वजनिक अवकाश नहीं बल्कि एक वैश्विक उत्सव है।

हालांकि भारत सहित कुछ देश ऐसे भी हैं, जहां शिक्षक दिवस मनाए जाने की तारीख अलग-अलग हैं लेकिन सभी का उद्देश्य एक ही है। चीन में कन्फ्यूशियस के जन्मदिन के अवसर पर 27 अगस्त 1939 को शिक्षक दिवस मनाना आरंभ किया गया था किन्तु 1951 में यह घोषणा वापस ले ली गई और 1985 से 10 सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाने लगा। रूस में 1994 से 5 अक्तूबर को ही शिक्षक दिवस मनाया जाता है किन्तु 1965 से 1994 तक अक्तूबर माह के पहले रविवार को यह दिवस मनाया जाता था। ईरान में 2 मई 1980 को प्रोफेसर अयातुल्लाह मोतेर्जा मोतेहारी की हत्या के बाद उसी दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। मलेशिया में शिक्षक दिवस को 'हरि गुरू' के नाम से जाना जाता है, जो 16 मई को मनाया जाता है। वहां 16 मई 1956 को रजाक रिपोर्ट स्वीकृत हुई थी, जिसके आधार पर वहां शिक्षा प्रणाली का चयन हुआ था। उसी दिन को बाद में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। थाईलैंड में 1957 से ही प्रतिवर्ष 16 जनवरी को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। उस दिन वहां सभी स्कूलों में अवकाश रहता है। तुर्की में यह दिवस 24 नवम्बर को जबकि अमेरिका में 6 मई को मनाया जाता है और इस उपलक्ष्य में माह के पहले सप्ताह में पूरे सप्ताह तक आयोजन होते हैं।

आस्ट्रेलिया में शिक्षक दिवस अक्तूबर महीने के अंतिम शुक्रवार को मनाया जाता है जबकि अर्जेन्टीना में इस दिवस का आयोजन डोमिनो फास्टिनो सामिएटो की मृत्यु के दिन 11 सितम्बर को किया जाता है। वियतनाम में 1958 में 20 नवम्बर को पहली बार यह दिवस अंतर्राष्ट्रीय शिक्षकों के घोषणा पत्र के रूप में मनाया गया था और 1982 में इसे पुनः नामांकित कर वियतनामी शिक्षक दिवस के रूप में घोषित किया गया। पेरू में 6 जुलाई 1953 को वहां के राष्ट्रपति मैनुएल ए आड्रिया ने एक अध्यादेश पारित कर इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में घोषित किया था जबकि पाकिस्तान में यह अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के दिन 5 अक्तूबर को ही मनाया जाता है। चिली में 16 अक्तूबर को शिक्षकों के कॉलेज की स्थापना हुई थी, उसी उपलक्ष्य में वहां 16 अक्तूबर 1977 से इसी दिन शिक्षक दिवस मनाया जाने लगा जबकि ब्राजील में शिक्षक दिवस का आयोजन 15 अक्तूबर को किया जाता है। दरअसल 15 अक्तूबर 1827 को वहां पेड्रो ने प्राथमिक शिक्षा को नियंत्रित किया था लेकिन अधिकारिक रूप में 15 अक्तूबर को ही शिक्षक दिवस मनाने के लिए मान्यता 1963 में मिली थी। बहरहाल, यूनेस्को का कहना है कि 5 अक्तूबर को अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस घोषित करने से दुनियाभर में सेवारत तमाम शिक्षकों को उनके द्वारा शिक्षा और विकास के क्षेत्र में दिए जा रहे अहम योगदान से लोगों को अवगत कराया जाता है, जिससे आम लोगों को शिक्षकों के बारे में और अधिक समझने का अवसर मिलता है।

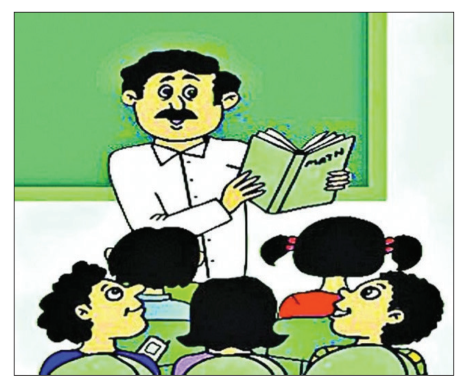

(लेखिका डेढ़ दशक से अधिक समय से शिक्षण क्षेत्र में सक्रिय हैं)

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारत को पीओके की पुकार: पाकिस्तान के अत्याचारों से मुक्ति

दिलीप कुमार पाठक

धर्म के नाम पर पाकिस्तान की स्थापना हुई थी, यही कारण है कि आजतक पाकिस्तान राजनीतिक रूप से स्थायी नहीं है, कोई न कोई बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम होता ही रहता है' बांग्लादेश, अफगानिस्तान के अलगाव के बाद पीओके यानि पाक अधिकृत कश्मीर में हमेशा पाकिस्तान से अलग होने की आवाजें बुलन्द होती रहती हैं' अभी कुछ महीनों पहले अपनी आवाज दुनिया तक पहुंचाने के लिए वहाँ के विद्रोही लोगों ने ट्रेन हाईजैक कर लिया था, खासी मुठभेड़ के बाद पाकिस्तान की सेना ने वहाँ की विरोधी आवाजों का दमन कर दिया था' पाकिस्तानी सेना ने अब तब पीओके पर दमनपूर्वक जबरन कब्जा कर रखा है, अन्यथा वहाँ कई बार भारत में विलय एवं जनमत संग्रह की मांगें उठती रहती हैं' अब देखना यह है कि पाकिस्तानी सेना कब तक इन आवाजों को दबा पाती है' अभी हाल फि लहाल पीओके में विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से बिजली संकट, महंगे बिल, इंटरनेट ब्लैकआउट, मानवाधिकार उल्लंघन, और आर्थिक उपेक्षा के खिलाफ शुरू हुआ है' जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी इन प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रही है' पाकिस्तानी नेतृत्व पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जनता की बुनियादी जरूरतों को भी पूरा करने में फेल साबित हो रहा है' पाक अधिकृत कश्मीर में स्थानीय लोगों के प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तानी सेना का अत्याचार अब संयुक्त राष्ट्र तक तक पहुंच गया है' वैसे भी पीओके पर जुल्म इतना बढ़ गया है कि वहाँ की चीखें पूरी दुनिया में सुनाई देने लगी हैं, वो तो भारत सरकार की नीतियों की विफलता है अन्यथा अब तक पीओके भारत का हिस्सा बन चुका होता' देश जमीन के टुकड़ों पर नहीं बनता बल्कि देश में रहने वाले लोगों के कारण देश बनता है, जहां पाकिस्तान मानवीय मूल्यों को ताक पर रखकर जबरदस्ती लोगों पर राज करना चाहता है, हालांकि अब बड़ा कठिन सा प्रतीत हो रहा है' पीओके के राजनीति दलों ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से मांग की है कि वठ तुरंत यहां दखल दे और यहां की जनता को पाकिस्तानी सेना के अत्याचार से बचाए' 29 सितंबर से चल रहे नागरिकों के प्रदर्शन में अब तक 12 लोग मारे जा चुके हैं' एक जान की भी कीमत होती है, पाकिस्तान की सेना को इसका खामियाजा जरूर भुगतना होगा' स्विटजरलैंड के जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद 60वें सेशन के दौरान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की पार्टी (यूनाइटेड कश्मीर पीपुल नेशनल पार्टी) ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि पाकिस्तान को कश्मीरियों को मारने, हमारी जमीन और हमारे संसाधनों पर कब्जा करने, हमारे लोगों पर अत्याचार करने और उन्हें खत्म करने का कोई हक नहीं है' पीओके के स्थानीय नेता इस मुद्दे को पूरी दुनिया के सामने लेकर आए हैं, हालांकि उन्होंने कितना शोषण, दमन झेला है, इसकी कल्पना करना भी असहनीय पीड़ा को सहन करने जैसा है' यूनाइटेड कश्मीर पीपुल नेशनल पार्टी के प्रवक्ता सरदार नासिर अजीज खान ने जिनेवा में कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर में कई लोग गायब हो गए हैं, परंतु हाल ही में कश्मीर में जो हो रहा है, उससे लोग अपनी जान को लेकर चिंतित हैं क्योंकि 29 सितंबर से अब तक 12 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है' नासिर ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान यहां के लोगों पर क्रूर बल प्रयोग कर रहा है और प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलियां चला रहा है जिससे लोग मारे जा रहे हैं' सैकड़ों लोग जेल में हैं और उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है' उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में इस अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के जमावड़े के माध्यम से हम आग्रह करते हैं कि संयुक्त राष्ट्र उन कश्मीरियों की जान बचाने के लिए हस्तक्षेप करे जो पाकिस्तानी कब्जे में रह रहे हैं' कश्मीरियों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया जा रहा है। इसके बाद उन्होंने इस्लामाबाद प्रेस क्लब में इस मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस के एक्शन की निंदा की' पीओके पर पाक सेना को कश्मीरियों को मारने, जमीन और संसाधनों पर कब्जा करने और उन लोगों पर अत्याचार करने और उन्हें खत्म करने का कोई हक नहीं है' निरन्तर विरोधी आवाजें गूँज रही हैं' 2 अक्टूबर 2025 पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी के सदस्य इस्लामाबाद प्रेस क्लब के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे इस दौरान पुलिस प्रेस क्लब में घुस गई, पुलिस ने प्रदर्शन बल पूर्वक कुचलने के लिए क्लब के अंदर घुसकर पत्रकारों और स्टाफ पर लाठीचार्ज किया, कैफेटेरिया को तोड़ा-फोड़ा, कैमरे और मोबाइल फोन तोड़े और कुछ लोगों को गिरफ्तार किया' वीडियो फुटेज में पुलिस को पत्रकारों को घसीटते और पीटते हुए दिखाया गया है' यह घटना पीओके में चल रहे पांचवें दिन के विरोध प्रदर्शनों के बीच हुई, जहां बाजार बंद हैं और इंटरनेट कटा हुआ है' इस मुद्दे पर भारत को दखल देते हुए पाकिस्तान को कड़ा संदेश देना चाहिए कि पीओके पर जुल्म खत्म हो, भारत सरकार को बांग्लादेश की तरह इसका हल निकालना होगा, पूरी दुनिया पीओके की स्थिति से वाकिफ है, हालांकि यूएनओ कुछ नहीं कर पाएगा, अब तो भारत को ही इसका हल निकालना होगा' पीओके की जनता भारत के साथ विलय चाहती है' पाकिस्तान को सबक सिखाने का भरपूर मौका है, जो भारत को गंवाना नहीं चाहिए'

संक्षिप्त समाचार

75 लाख डॉलर में बिकी फ्रांसिस की कलाकृति

लंदन , एजेंसी। गोवा के मशहूर चित्रकार फ्रांसिस न्यूटन सूजा की कलाकृति 'हाउसेज इन हैम्पस्टेड' ने कला जगत में नीलामी का नया रिकार्ड बनाया है। लंदन में सोथबी की नीलामी में यह कलाकृति 75 लाख डॉलर से अधिक राशि में बिकी, जो इसकी निर्धारित कीमत से लगभग सात गुना अधिक है। इस दौरान, विभिन्न कलाकृतियों की बिक्री से कुल 2.55 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि हासिल हुई।

आयरलैंड : भारतीय दूतावास ने धूमधाम से मनाई गांधी जयंती

डबलिन, एजेंसी। आयरलैंड की राजधानी डबलिन स्थित भारतीय दूतावास में बृहस्पतिवार को महात्मा गांधी की 156वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर भारतीय राजदूत अखिलेश मिश्र ने कहा कि भारतीय समाज में फैलती बहुआयामी असहिष्णुता और बढ़ते विद्वेषपूर्ण राजनीतिक ध्रुवीकरण को शांत करने के लिए गांधी जी के तीन अराजनीतिक विचार अत्यन्त प्रासंगिक हैं। विरोधियों और आलोचकों के साथ सम्मानजनक संवाद : गांधी को जनता की बेहद सराहना मिलती थी क्योंकि उन्होंने आलोचकों के साथ बातचीत और बहस में हमेशा उचित सम्मान और शिष्टता का परिचय दिया। महात्मा गांधी ने साहसपूर्वक कहा था, महिला को कमजोर कहना अपमान है। यह पुरुष द्वारा महिला के प्रति अन्याय है। इसके साथ ही गांधी जी ने देश ?को आत्म-विश्वास का भी मंत्र दिया।

ट्रंप बोले- कैरिबियन ड्रग कार्टेल गैरकानूनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैरिबियाई क्षेत्र में सक्रिय ड्रग कार्टेल को अवैध लड़ाके घोषित किया है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका अब गैर-अंतरराष्ट्रीय सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में है। अमेरिकी रक्षा विभाग- पेंटागन ने इस फैसले के बारे में कांग्रेस को सूचित भी कर दिया है। बता दें कि पिछले महीने अमेरिकी सेना ने कैरिबियाई समुद्र में तीन घातक हमले किए थे, जिनमें दो नावें वेनेजुएला से आई थीं। यह कदम ड्रग तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप प्रशासन का यह निर्णय क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कानून के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पीएम स्टार्मर ने यहूदी धर्मस्थल पर हमले की निंदा की

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने मैनचेस्टर के एक सिनेगॉग (धर्मस्थल) पर यहूदियों को निशाना बनाकर किए गए हमले की निंदा की और इसे घृणित बताया। इस हमले में एक व्यक्ति ने कार से लोगों को कुचलने और चाकू से हमला करने की वारदात को अंजाम दिया। हिंसा में दो लोगों की मौत हुई है, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हुए। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने यहूदी समुदाय की सुरक्षा बढ़ाने का वादा किया और कहा, ब्रिटेन एक ऐसा देश है जहां सभी सुरक्षित और सम्मानित महसूस करेंगे। उन्होंने होलोकॉस्ट का उल्लेख करते हुए यहूदियों को ब्रिटेन में शरण पाने की ऐतिहासिक भूमिका को भी याद किया।

इस्राइली नौसेना ने गाजा की नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश कर रही फ्लोटिला को रोका ; कई कार्यकर्ता गिरफ्तार

गाजा, एजेंसी। इस्राइली नौसेना ने भूमध्य सागर में गाजा की नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे 450 अंतरराष्ट्रीय कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इनमें यूरोपीय सांसद भी शामिल हैं। यह ग्लोबल सुमूद फ्लोटिला के माध्यम से फलस्तीनी लोगों की मदद करने आ रहे थे। बीते दो साल में अब तक के सबसे बड़े प्रयास के तौर पर उभरे इस फ्लोटिला को प्रतीकात्मक मानवीय सहायता और इस्राइल की मुखालफत के तौर पर भी देखा जा रहा है। इस्राइल ने इसे रोकने के बाद अशदोद बंदरगाह पर 600 पुलिसकर्मियों को तैनात कर कार्यकर्ताओं की पहचान और प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू की। यह कार्रवाई यहूदी धर्म के सबसे पवित्र दिन योम किप्पुर पर हुई। इस घटना के बाद दुनिया भर में विरोध प्रदर्शन भी हुए। इटली की सबसे बड़ी यूनियन ने हड़ताल का आह्वान किया। पेरिस और बार्सिलोना में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें भी हुईं। कार्यकर्ताओं ने फ्लोटिला को गाजा की नाकाबंदी और नरसंहार के खिलाफ वैश्विक चेतना जगाने का प्रयास बताया।

पाक ने ट्रंप का शांति प्रस्ताव ठुकराया कहा- ये मसौदा हमारा नहीं है इसे बदला गया है

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान कब किसके साथ गद्दारी कर दे कोई नहीं जानता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान की सेना प्रमुख आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस बुलाकर साथ में डिनर किया और गलबहियां डालकर फोटो सेशन कराया। इसके बाद आवभगत से गदगद मुनीर ने ट्रंप के लिए नोबेल पुरस्कार की मांग कर डाली। अब इसी पाकिस्तान ने राष्ट्रपति ट्रंप के गाजा शांति प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने अपने देश को औपचारिक रूप से इससे अलग करते हुए कहा है कि यह दस्तावेज हमारा नहीं है और इसमें हमारे मूल मसौदे में बदलाव किए गए हैं। डार का यह बयान संसद में आया, जिससे पाकिस्तान इस प्रस्ताव से आधिकारिक रूप से दूरी बनाने वाला पहला बड़ा देश बन गया है। आपको बता दें कि इस प्रस्ताव को हमास ने मंजूर कर लिया है। डार ने कहा कि अमेरिका द्वारा घोषित यह शांति योजना उस मसौदे से अलग है जो मुस्लिम देशों ने संयुक्त रूप से तैयार किया था। उन्होंने कहा, यह हमारा ड्राफ्ट नहीं है। इसमें जो संशोधन किए गए हैं, वे हमारी सहमति से नहीं हुए।

सूत्रों के अनुसार, इस सख्त रुख के पीछे पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की मंजूरी है। सेना नहीं चाहती कि इस योजना को किसी भी रूप में अमेरिकी या इजराइली हितों को मान्यता देने वाला समझा जाए। रिपोर्ट में खुफिया सूत्रों के हवाले से कहा है कि यह बयान पाकिस्तान सरकार की फेस-सेविंग एक्सरसाइज का हिस्सा है ताकि जनता के बीच यह संदेश जाए कि इस्लामाबाद ने अमेरिकी दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया है। इस रुख से पाकिस्तान यह भी संदेश देना चाहता है कि वह मुस्लिम देशों की एकजुटता से अलग नहीं हो रहा और न ही मुस्लिम मकसद को बेच रहा है। सूत्रों का कहना है कि हालांकि सार्वजनिक रूप से पाकिस्तान इस प्रस्ताव को खारिज कर रहा है, परंतु पर्दे के पीछे वह अमेरिका और अरब के साथ कूटनीतिक संवाद जारी रखेगा। जानकारों का कहना है कि पाकिस्तान का यह कदम घरेलू राजनीतिक और धार्मिक दबाव को ध्यान में रखकर उठाया गया है। पाकिस्तान के भीतर मौजूद कट्टरपंथी और प्रोपैलेस्टाइन लॉबी किसी भी ऐसी योजना का विरोध कर रहे हैं जिसमें हमास के निरस्त्रीकरण या इजरायल की आंशिक मान्यता जैसी बातें शामिल हों।

अमेरिका ने लगाया दाढ़ी पर प्रतिबंध, कई सैनिकों, मुस्लिमों और यहूदियों के लिए संकट

वाशिंगटन। अमेरिका ने नई ग्रूमिंग नीति के तहत दाढी रखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इससे धर्म के आधार पर दाढ़ी रखने वाले सैनिकों की नौकरी भी खतरे में आ गई है। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ द्वारा जारी हालिया मेमो के तहत सैन्य दाढ़ी रखने की छूट को लगभग समाप्त कर दिया गया है, जिससे धार्मिक आधार पर दाढ़ी रखने वाले सैनिकों की सेवा पर संकट मंडरा रहा है। यह नीति 2010 से पहले की मानकों पर लौटने का आदेश देती है, जिसमें दाढ़ी की छूट की सामान्यत: अनुमत नहीं होगी। हालांकि इससे पहले 2017 में भी कुछ तरह के निर्देश दिए गए थे, बाद में सिख सैनिकों के लिए दाढ़ी और पगड़ी की स्थायी छूट को औपचारिक रूप दिया था। इसी तरह, मुस्लिम, ऑर्थोडॉक्स यहूदी और नॉर्स पगान सैनिकों को धार्मिक आधार पर छूट मिली हुई थी। जुलाई 2025 में सेना ने चेहरे के बालों की नीति को अपडेट किया था, लेकिन धार्मिक छूट को सुरक्षित रखा था। हालांकि, नई नीति इन प्रगतिशील बदलावों को उलट रही है, जो 1981 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले गोल्डमैन बनाम वेनबर्गर से प्रेरित सख्त ग्रूमिंग नियमों पर लौट रही है। यह नीति केवल सिखों तक सीमित नहीं है। मुस्लिम सैनिकों के लिए दाढ़ी धार्मिक दायित्व है, जबकि ऑर्थोडॉक्स यहूदियों के लिए पायोट और दाढ़ी पवित्र हैं। काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस (सीएआईआर) ने हेगसेथ को पत्र लिखकर स्पष्टता की मांग की है- क्या मुस्लिम, सिख और यहूदी सैनिकों की धार्मिक स्वतंत्रता संरक्षित रहेगी? सीएआईआर ने प्रथम संशोधन का हवाला देते हुए कहा कि लंबे समय से पेंटागन की नीतियां इन अधिकारों को मान्यता देती रही हैं।काले सैनिकों पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि छद्म फॉलिकुलाइटिस बार्बे (रेजर बंप्स) के कारण चिकित्सकीय छूट अब स्थायी नहीं रहेगी। इंटरसेप्ट के अनुसार, यह नीति नस्ल और धर्म पर आधारित बहिष्कार को बढ़ावा देती है। नॉर्स पगान सैनिकों ने भी इसे अपनी मान्यताओं के खिलाफ बताया है। इस मामले में सिख कोअलिशन, जो अमेरिकी सैन्य में सिखों के अधिकारों के लिए प्रमुख वकालत संगठन है, उसने हेगसेथ की टिप्पणियों पर क्रोधित और गहरी चिंता व्यक्त की है।

ब्रिटेन में यहूदी प्रार्थना स्थल के बाहर आतंकी हमला:2 की मौत, 3 घायल

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के मैनचेस्टर में गुरुवार को एक यहूदी प्रार्थना स्थल (सिनागॉग) के बाहर आतंकी हमला हुआ। इसमें दो यहूदियों की मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्रम्प्सल इलाके में कई यहूदी योम किप्पुर त्योहार पर प्रार्थना के लिए इकट्ठा हुए थे। इसी दौरान हमलावर ने उन पर कार चढ़ा दी और फिर गोलीबारी करने लगा।

पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हमलावर का एनकाउंटर कर दिया, जिसमें उसकी मौत हो गई। योम किप्पुर के दिन यहूदी अपने पिछले गलत कामों के लिए माफी मांगते हैं और प्रार्थना करते हैं।

ब्रिटिश पीएम इमरजेंसी कोबरा टीम के साथ बैठक करेंगे : ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस हमले को बेहद डरावना बताया और पुलिस की तारीफ की। स्टार्मर डेनमार्क से जल्दी लौट रहे हैं ताकि ब्रिटेन की इमरजेंसी कोबरा टीम के साथ बैठक कर सकें। उन्होंने एक्स पर लिखा- यह हमला योम किप्पुर जैसे पवित्र दिन पर हुआ, जो इसे और भी भयानक बनाता है। मेरी संवेदनाएं घायलों के परिवारों के साथ हैं। मैनचेस्टर के मेयर एंडी बर्नहैम ने कहा कि हमलावर की मौत हो गई है। पुलिस भी इसकी पुष्टि कर चुकी है। मेयर बर्नहैम ने लोगों से हमले वाले इलाके में न जाने की अपील की है।

हमले को आतंकवादी घटना घोषित किया गया : ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने इसे आतंकवादी घटना घोषित किया है। काउंटर-टेररिज्म टीम मामले की जांच कर रही है। हमलावर की पहचान हो चुकी है, लेकिन नाम सार्वजनिक नहीं किया गया। दो अन्य संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। पूरे देश में यहूदी समुदायों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। ब्रिटिश किंग चार्ल्स ने कहा कि यह घटना हमें गहरा सदमा पहुंचा रही है, खासकर यहूदियों के इस खास दिन पर। वहीं, यहूदी संगठन कम्युनिटी सिक्योरिटी ट्रस्ट ने कहा कि यह हमला ब्रिटेन में बढ़ते यहूदी-विरोधी माहौल का हिस्सा लगता है।

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न, भक्ति और उत्सव का दिखा माहौल

ढाका, एजेंसी। नवरात्र का पर्व भारत में हर्षोल्लास के साथ विजयदशमी के दिन पूरा हुआ। पड़ोसी मुल्क- बांग्लादेश में भी पांच दिवसीय दुर्गा पूजा उत्सव गुरुवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने पूरे देश में देवी की मूर्तियों को नदियों में विसर्जित किया। ढाका में हजारों लोग बुरीगंगा नदी पर एकत्र हुए और मंत्रोच्चार व पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ देवी को विदाई दी। इस वर्ष 33,355 पूजा मंडप स्थापित किए गए, जिनमें से 258 ढाका में थे। अंतरिम सरकार ने पूजा के लिए 5 करोड़ टका का अनुदान दिया।

हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने सुरक्षा में सहयोग के लिए सेना का आभार जताया, हालांकि 64 जिलों में से 14 में कुछ बाधाओं की खबरें भी सामने आईं। परिषद ने अंतरिम प्रमुख प्रो. मुहम्मद यूनुस की उस टिप्पणी की निंदा की जिसमें उन्होंने हिंदुओं पर अत्याचार की खबरों को फर्जी बताया। बता दें कि हालिया दिनों में भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव बढ़ा है, और भारत ने अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर चिंता जताई है।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में विस्फोट, 4 पुलिसकर्मियों सहित 9 लोग घायल : पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पेशावर शहर में गुरुवार को एक पुलिस वैन को निशाना बनाकर बम धमाके हुए। इसमें कम से कम नौ लोग घायल हो गए। घायलों में चार पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। घटना बाना मारा क्षेत्र में हुई, जहां वैन सड़क किनारे लगाए गए आईईडी (इम्प्रोवाइज़्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) से टकरा गई। एक पुलिसकर्मी की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस प्रमुख डॉ. मियां सईद ने बताया कि जांच जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि विस्फोट रिमोट-कंट्रोल डिवाइस से हुआ या आईईडी से। घटनास्थल से सबूत जुटाए जा रहे हैं।

बवाल के बाद घुटने पर शरीफ सरकार, बातचीत के लिए भेजा आठ सदस्यीय दल; दस लोगों की हो चुकी है मौत

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में बीते कई दिनों से चल रहे हिंसक प्रदर्शन के चलते हालात बेकाबू और बेहद तनावपूर्ण बने हुए है। इन प्रदर्शनों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई से अब तक कम से कम दस लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। ऐसे में हिंसा के दिन-प्रतिदिन बढ़ते स्वरूप के मद्देनजर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ हरकत में आते हुए नजर आ रहे है। इसके तहत उन्होंने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एक उच्चस्तरीय वार्ताकार समिति को पीओजेके भेजा है।

बता दें कि प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की तरफ से भेजी गई आठ सदस्यीय समिति में केंद्रीय मंत्री अहसन इकबाल, आमिर मुकाम, सरदार मोहम्मद यूसुफ, राणा सनाउल्ला, डॉ. तारिक फजल चौधरी, पीपीपी के नेता राजा परवेज अशरफ, क़मर जमां कैरा पूर्व पीओजेके राष्ट्रपति सरदार मसूद खान और इनके साथ पीओजेके के प्रधानमंत्री चौधरी अनवरुल हक भी शामिल है। यह समिति जम्मू-कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेकेजेएएसी) के प्रतिनिधियों से वार्ता कर रही है, जो वहां के जन आंदोलन का नेतृत्व कर रही है। वार्ता गुरुवार को मुख्य सचिव कार्यालय के कमेटी रूम में शुरू हुई और देर रात तक चली। शुक्रवार को भी बातचीत जारी रहने की उम्मीद है। क्या है लोगो की मांग, पहले ये समझिए अब पीओजेके के लोगों की मांग की बात करे तो जेकेजेएएसी के नेता शौकत नवाज मीर ने बताया कि पीओजेके के लोगों की प्रमुख मांगों में 12 रिफ्यूजी सीटों को खत्म करना, वीआईपी और एलीट वर्ग को मिलने वाली विशेष सुविधाएं बंद करना, जून 2019 के हाईकोर्ट के फैसले को लागू करना, हेल्थ कार्ड योजना लागू करना शामिल है। इसके अलावा, आंदोलनकारियों की मांग है कि मुजफ्फराबाद, धिरकोट और अन्य इलाकों में मारे गए निर्दोष प्रदर्शनकारियों की हत्या के दोषियों को गिरफ्तार कर सजा दी जाए। अब जानें कब और कैसे शुरू हुआ प्रदर्शन? गौरतलब है कि प्रदर्शन पीओजेके में लगातार बढ़ती महंगाई, बिजली संकट और बुनियादी सुविधाओं की कमी के खिलाफ शुरू हुआ।

आंदोलन ने उस समय उग्र रूप ले लिया जब सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जिसमें कई लोग मारे गए। गुरुवार को भी क्षेत्र में पूरी तरह शटर डाउन और व्हील-जाम हड़ताल रही। सोमवार से संचार सेवाएं भी ठप हैं। हालांकि गुरुवार को किसी नए हिंसक घटना की खबर नहीं आई।

नोबेल की जुगाड़ में लगे ट्रंप के दूसरे नेता ले रहे हैं मजे, उड़ा दी खिल्ली

मास्को, एजेंसी। नोबेल पुरस्कार की कोशिश में जुटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फिसलती जुबान चर्चा का विषय बन गई है। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान अल्बेनिया, आर्मेनिया और फ्रांस के नेताओं को ट्रंप के बयान को मजाकिया अंदाज में दोहराते हुए देखा गया। खास बात है कि ट्रंप लगातार दावा कर रहे हैं कि उन्होंने 7 युद्ध रुकवाने में सफलता हासिल की है।

कोपेनहेगन में जुटे यूरोपीय नेताओं की बातचीत में ट्रंप का भी जिक्र आया। मीडिया रिपोर्ट्स के असार, अल्बेनिया के प्रधानमंत्री ईदी रामा ने मजाकिया अंदाज में फ्रांस के राष्ट्रपति इमेनुएल मैक्रों और अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलियेव से कहा, आपको माफी मांगने चाहिए... क्योंकि आपने हमें राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से कराई गई अल्बेनिया और अजरबैजान की डील पर शुभकामनाएं नहीं दी। यह सुनते ही एक ओर जहां अलियेव हंसने लगे। वहीं, मैक्रों ने कहा, मैं इस बात के लिए माफी मांगता हूं। दरअसल, ट्रंप ने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच शांति समझौता कराया था। दोनों देशों के बीच अगस्त में वाइट हाउस में ही डील साइन हुई थी। अब ट्रंप कई मौकों पर आर्मेनिया की जगह अल्बेनिया कह चुके हैं। बीते महीने एक टीवी चैनल पर उन्होंने कहा था, मैं ऐसे युद्ध खत्म कराए हैं, जिन्हें खत्म करना नामुमकिन था। अजरबैजान और अल्बेनिया में कई सालों से चल रहा था। मैं प्रधानमंत्रियों और राष्ट्रपतियों को अपने दफ्तर लेकर आया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भी ट्रंप ने कहा था, हमने अबर-बैजान और अल्बानिया के मुद्दे का समाधान कराया। अब यहां उन्होंने एक देश का नाम ही गलत लिया और दूसरे देश का नाम ठीक से नहीं ले पाए। भारत और पाकिस्तान के भी कर रहे हैं दावे ट्रंप ने 10 मई को जब सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वॉशिंगटन की मध्यस्थता में हुई बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल संघर्ष विराम के लिए सहमत हो गए हैं, तब से उन्होंने लगभग 50 बार यह दावा दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव घटाने में मदद की है। भारत ने हालांकि, किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से लगातार इनकार किया है। उसने लगातार कहा कि पाकिस्तान के साथ शत्रुता समाप्त करने पर सहमति दोनों सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी।

नई दिल्ली में, विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने इस बैठक का संज्ञान लिया है। भारत ने यह भी कहा कि आतंकवाद जैसे मुद्दों पर पाकिस्तान के साथ उसकी बातचीत में किसी तीसरे पक्ष की भागीदारी की कोई गुंजाइश नहीं है, क्योंकि उसका मानना ??है कि ये द्विपक्षीय ही रहनी चाहिए।

अब मोरक्को में जेन जी का गुस्सा भड़का:कहा- हॉस्पिटल नहीं और वर्ल्ड कप पर 10 अरब डॉलर फूंक रहे

रबात, एजेंसी। उत्तरी अफ्रीकी देश मोरक्को में स्वास्थ्य और शिक्षा सुधारों की मांग को लेकर भड़का जेन जी आंदोलन हिंसक हो गया। राजधानी रबात में प्रदर्शनकारियों ने बैंक फूंक दी। कई दुकानों-गाड़ियों में तोड़फोड़ की। आगादिर शहर में पुलिस की गोली से 3 युवाओं की मौत हो गई। वहीं एक हजार से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए। 354 लोग घायल हुए हैं, जिनमें अधिकतर सुरक्षाकर्मी हैं। मंत्रालय के मुताबिक, लगभग 70% प्रदर्शनकारी नाबालिग थे। मोरक्को की सरकार 2030 फीफा वर्ल्ड कप और अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के लिए 10 अरब डॉलर (करीब 8.8 लाख करोड़ रुपए) खर्च कर रही है। जबकि देश में सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं की भारी कमी है। मोरक्कों में भी प्रदर्शनकारियों का कोई नेता नहीं सीएनएन के मुताबिक युवाओं के नेतृत्व वाले इस विरोध आंदोलन को जेन जी 212 कहा जा रहा है। 212 मोरक्को के इंटरनेशनल टेलीफोन डायलिंग कोड है। विदेश से मोरक्को में किसी को कॉल करने पर नंबर के पहले +212 लगाते हैं। नेपाल की तरह भी मोरक्को में भी विरोध प्रदर्शन करने वाले युवाओं का कोई लीडर नहीं है। लोग सोशल मीडिया के जरिए से रैली कर रहे हैं। मोरक्को में बेरोजगारी दर 12.8% है, जिसमें युवा बेरोज़गारी 35.8% और स्नातकों में 19% तक पहुंच गई है। मोरक्को में 1430 लोगों पर एक डॉक्टर है, जो दुनिया के औसत (590) से ढाई गुना कम है। आगादिर के हसन-2 हॉस्पिटल में 8 महिलाओं मौत हो गई। इसे 'डेथ हॉस्पिटल' कहा जा रहा है। डिस्कॉर्ड-टिकटॉक ऐप से आंदोलन यह आंदोलन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे टिकटॉक और डिस्कॉर्ड पर शुरू हुआ था। पिछले रविवार को प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी के बाद इसे और समर्थन मिलने लगा। गिरफ्तार हुए लोगों में मोरक्को के स्टार गोलकीपर यासीन बौनू और प्रसिद्ध रैपर एल ग्रांडे टोटो भी शामिल हैं। इसके बाद बुधवार को हिंसक प्रदर्शन तेज हो गए। राजधानी रबात, मुख्य वाणिज्यिक शहर कैसाब्लांका और बंदरगाह शहर टैंजियर में भी विरोध प्रदर्शन हुए। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पर्यटन केंद्र माराकेश में भी हिंसा हुई और प्रदर्शनकारियों ने एक पुलिस स्टेशन को आग लगा दी। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता रशीद अल खल्फी ने बताया कि अशांति के बाद पूरे मोरक्को में 409 लोगों को हिरासत में लिया गया।

यूक्रेन के सैन्य ठिकानों और गैस साइट्स पर रूस ने जमकर की गोलाबारी, मिसाइलें भी दागीं

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन की जंग बीते साढ़े 3 साल से जारी है। शांति के प्रयास नाकाम रहे हैं,जिसे जैसा मौका मिलता है वैसा हमला कर देता है। बीती रात रूस ने यूक्रेन के कई सैन्य ठिकानों, गैस साइट्स पर गोलाबारी की और कहीं कहीं भी मिसाइलें दागी। कुल मिलाकर दोनों देश एक-दूसरे की सैन्य ठिकानों या ऊर्जा संरचनाओं को निशाना बनाकर अपने दुश्मन को आर्थिक रूप से कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को रूसी सेना ने कई यूक्रेनी सैन्य ठिकानों और गैस संरचनाओं को निशाना बनाया।

वहीं, यूक्रेनी की तरफ से भी इस हमले की पुष्टि की गई है। यूक्रेन की सरकारी ऊर्जा कंपनी नैफ्टोगैज ने इस हमले को देश के गैस संरचनाओं पर अब तक का सबसे बड़ा हमला बताया। कंपनी की तरफ से कहा गया कि रूस की तरफ से किए गए हमलों में उसे काफी गंभीर नुकसान हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रातभर कई प्लेटफार्म्स से मिसाइलें और लंबी दूरी के ड्रोन यूक्रेन के ऊपर दागे गए। इन ड्रोन्स और मिसाइल ने बखूबी अपने लक्ष्यों को भेदा और अपना मिशन सफल बनाया। इस हमले को लेकर यूक्रेनी वायुसेना की तरफ से बताया गया कि इसें रूस 810 ड्रोन्स के अलावा चार बैलिस्टिक मिसाइलें और नौ क्रूज मिसाइलें दागीं थीं। यूक्रेनी सेना के मुताबिक यह हमला जुलाई में किए गए हमले से भी काफी भयानक था। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस की तरफ से किए गए इस हमले को कायरता पूर्ण करार दिया था। उन्होंने कहा, ऐसी हत्याएं अब हो रही हैं, जबकि वास्तविक कूटनीति बहुत पहले शुरू हो सकती थी, यह एक जानबूझकर किया गया अपराध है और युद्ध को लम्बा खींचने जैसा है। जेलेंस्की ने कहा, दुनिया क्रेमलिन के अपराधियों को हत्याएं बंद करवा सकती है, हमें बस राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है।

7 सितंबर को भी रूस ने दागी थी मिसाइलें

रूस की तरफ से लगातार यूक्रेन पर इसी तरीके से हमले किए जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 7 सितंबर को रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव के ऊपर ड्रोन्स और मिसाइलों के जरिए हमला बोला था। इस हमले की वजह से कीव में कुल 11 घंटों तक सायरन बजता रहा था। इस हमले के दौरान रूस ने करीब 800 से ज्यादा ड्रोन तैनात किए थे,

जिनमें से ज्यादातर एयर डिफेंस सिस्टम ने मार गिराए थे लेकिन इसके बाद भी कई आवासीय भवनों और सरकारी इमारतों से जाकर फटे थे। इनकी वजह से राजधानी कीव में दो लोगों की मौत हो गई थी, इसमें एक बच्चा भी शामिल था।

पुरूषों से नहीं कम हम

आज हम ऐसे समाज में रह रहे हैं, जिसमें महिलाओं और पुरूषों को लगभग बराबर समझा जाता है। महिलाएं पुरूषों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर चल रही हैं, वे किसी काम में पुरूषों से कम नहीं कही जा सकतीं फिर चाहे शारीरिक बल की बात हो या मानसिक। वे किसी भी रूप में अपने आपको पीछे नहीं रखना चाहती। अपने इस बदलते स्वरूप के साथ महिलाओं को पुरूषों के साथ काम करने में कैसा लगता है, जानते हैं कुछ वर्किंग महिलाओं से

ऋचा

परूषों के साथ काम करना मुझ आम बात ही लगती है। चूंकि तुलना तो वहां होती है, जहां एक पक्ष दूसरे से अलग हो लेकिन जब यहां दोनों ही समान हैं तो तुलना किससे? आज परूष और महिलाएं मिल-जुल काम करते हैं इसलिए मुझे नहीं लगता कि परूषों के साथ तुलना करने का ऐसा कोई विषय बचा है। आज जिन कामों से वे जूझते हैं, हम भी उन्हीं कामों को करते हैं। ऐसा नहीं है कि हम महिलाएं हैं तो हमें बहुत आसान काम करने होते हैं।

मयूरा गुप्ता

पुरूषों के साथ काम करना यकीनन महिलाओं की बरसों से चली आ रही उस जंग की जीत है, जिसमें उसने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई थी। पुरूष कलीग के साथ काम करके यकीनन अच्छा लगता है और इस बात पर गर्व भी महसूस होता है कि आज हम आत्मनिर्भर हैं। लेकिन यह बात भी तय है आज भी हम महिलाओं को कहीं न कहीं तो पुरूषों के साथ काम करने में परेशानी आती ही हैं। वैसे ज्यादातर परेशानी कम्युनिकेशन में होती है। जब हमारी बात को कोई समझने के बावजूद भी न समझने का नाटक करता है और अपनी बात को पूरी तरह से सही साबित करने की कोशिश करता है। मैं अपनी बात सामने वाले को समझा कर ही मानती हूं, फिर वह उसकी मरजी की वह उसे माने या न।

कामिनी

पुरूषों के साथ काम करने में अच्छा ही लगता है। मन में यही बात आती है कि हम भी कुछ हैं और इन्हीं की तरह इनके साथ काम कर रही हैं। लेकिन परेशानी तब आती है, जब हम ऑफिस में ज्यादा देर तक नहीं रूक पाते। चूंकि वर्किंग महिला जो कि शादी-शुदा भी है, उसका समय से घर जाना बहुत जरूरी होता है। यह बात कोई पुरूष कुलीग नहीं समझ सकता। तब वह इस बात का उल्हाना देता ही है कि जब बराबरी है तो हर बात में ही होनी चाहिए। लेकिन तब मेरा जवाब यह भी होता है कि हम महिलाएं तो आज भी आप से आगे हैं। चूंकि हम ऑफिस के साथ-साथ घर की जिम्मेंदारियां भी बखूबी संभाल रही हैं।

गीता

पुरूषों के साथ काम करने में ऐसा कुछ खास तो नहीं लगता है लेकिन यह बात तो है कि जहां लड़कियों को पहले दबाया जाता था और कोशिश की जाती थी कि वह लड़कों की संगत से दूर ही रहें। वहां इस तरह की बातें हमारे अन्दर विश्वास पैदा करती हैं कि समाज कितना गलत सोचता था। एक साथ काम करने से एक-दूसरे के प्रति हिचकिचाहट दूर होती है और हममें आत्मविश्वास पैदा होता है। जिससे हमारे अन्दर से हर तरह का डर दूर हो जाता है। जहां पहले हम झिझक के लिहाज से सामने वाले की गल्ती पर उसे जवाब नहीं दे पाते थे, आज मुंह तोड़ जवाब दे सकती हैं।

आलू परांठा

सामग्री : आधा किलो उबले हुए आलू, 2 कप गेहूं का आटा, आधा कप मैदा, 2 टेबलस्पून तेल, 2 प्याज बारीक कटा हुआ, 1 गड्डी हरी धनिया बारीक कटी हुई, आधा टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/4 टीस्पून हल्दी पाउडर, 2 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 2 टेबलस्पून घी, नमक स्वादानुसार।

विधि : आटा, मैदा, तेल और नमक को मिलाकर गूंध लें। आलू को मसलकर उसमें बारीक कटी हुई प्याज, हरी धनिया, नमक, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, बारीक कटी हुई हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह से मिला लें। आटे की लोई बनाकर उसमें आलू का मसाला भरकर बेल कर परांठा बना लें और घी लगाकर कुरकुरा सेक लें।

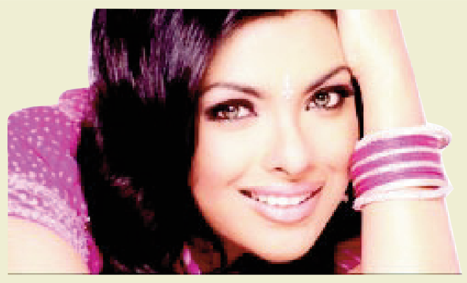

हाथों में नौ-नौ चूड़ियां हैं

आजकल चारो आर आधुनिकता का ही बोलबाला है, इसने हमारे जीवन के हर पहलू पर अपना कब्जा जमा लिया है। सदियों से चले आ रहे परम्परागत आभूषणों का बाजार धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है। लेकिन एक चीज आज भी ऐसी है जिसने इस आधुनिकता को अपने अनुरूप ढाल लिया है, वह है 'गोरी के हाथों में खनकती चूड़ियां।'

बाजार रंग-बिरंगी और फैशनेबल चूड़ियों से भरा है। कांच की चूड़ियों के अलावा बाजार में 'मेटल' और 'लाख' की बनी चूड़ियों को भी काफी पसन्द किया जा रहा है। चूड़ियों के बदलते फैशन के साथ-साथ नये रंग-रूप में तब्दील करके बाजार में पेश किया जा रहा है। कांच की चूड़ियों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए उन पर दबके और किरकिरी का भरपूर प्रयोग किया जा रहा है। दबके के सिल्वर, गोल्ड और कॉपर कलर को चूड़ियों पर ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है, क्योंकि दबके के इन रंगों से चूड़ियों की चमक बढ़ जाती है। इसके अतिरिक्त कांच की चूड़ियों पर फाइबर के रंगीन टुकड़ों तथा रंगीन नगों का भी प्रयोग इन्हें को आर्कषक बनाने में किया जाता है। आजकल नग, मोती तथा स्टोन का प्रयोग अधिकाधिक किया जा रहा है, फिर चाहे वो आभूषण हों, परिधान हों या फिर आधुनिक चूड़ियां। आजकल सबसे ज्यादा चलन स्टोनवर्क वाली कांच की चूड़ियों और लाख की चूड़ियों का है। इन चूड़ियों को डायमण्ड शेप और स्क्वायर शेप वाले स्टोन से सजाया गया है। साथ ही झुमके वाली चूड़ियां भी फैशन पर राज कर रही हैं। इन चूड़ियों में रंगीन मोती के वर्क वाले झुमके को इस तरह जोड़ा गया है कि चूड़ियों की खूबसूरती देखते ही बनती है। इनको लटक वाली चूड़ियां कहते हैं। इन चमकीली तथा भड़कीली चूड़ियों के बीच बहुत ही सादगी से परिपूर्ण चूड़ियां भी सबका मन मोह रही हैं। क्यों कि डल कलर का पेंट करके इन्हें बहुत ही साधारण लुक दिया गया है। इन चूड़ियों को फोर्गेस्टेड चूड़ियों के नाम से जाना जाता है। इनके अतिरिक्त मेटल की चूड़ियों को भी काफी सजा-संवारकर बाजार में उतारा गया है। मेटल पर कलर्ड पेंट करके उस पर छोटे-छोटे चमकीले सितारों, सलमा सितारा तथा मोतियों को इस प्रकार से सजाया गया है कि वाकई ये चूड़ियां काबिल-ए-तारीफ हैं। ये चूड़ियां काबिल-ए-तारीफ है।

स्पेशल बनाएं खुद को

फेस्टिवल सीजन दस्तक दे चुका है। समय है तैयार होकर बाहर निकलने का, अपने चेहरे को खूबसूरत बनाने में तो आप कोई कसर नहीं छाड़तीं लेकिन बाकी चीजों पर ध्यान नहीं दे पातीं तो हम बताते हैं कि ड्रेसिग से लेकर बाल और पैरों की केयर में क्या जरूरी है।

ड्रेस भी हो खास

साड़ी तो आपने खूब पहन ली। क्यों न इस बार कुछ डिफरेंट किया जाए। कुछ वेस्टर्न हो जाए या इंडो-वेस्टर्न। आजकल सिगल पीस ड्रेस फैशन में खूब हैं। चाहें तो इन्हें अकेले पहनें या फिर लेगिग्स, हैरम पैंट, चूड़ीदार या जींस के साथ। टूनिक सिगल पीस में खास है। इसका डिफरेंट कट, फैब्रिक और कलर्स आपके लुक को स्पेशल बनाते हैं। समय और मौसम के अनुकूल आप कॉटन, शिफॉन, कॉटन सैटिन, ब्रासो, जॉर्जेट आदि फैब्रिक के टूनिक टॉप पहन सकती हैं। फेमेला फैशंस कलेक्शन में टूनिक पेस्टल रंगों से लेकर रंग-बिरंगे प्रिट और पिक, यलो, पर्पल, बीज, ब्लैक और व्हाइट जैसे कलर्स में उपलब्ध है। इसी तरह कलरप्लस वूमेन के कलेक्शन में आप सिल्क पर डिजिटल प्रिटिग पाएंगी। ज्वेल टोन्स और सब्टल इम्बेलिशमेंट इस कलेक्शन को खास बनाता है। बर्न्ट ऑरेंज, वाइन टोन्स, रॉयल पर्पल, एमेरल्ड ग्रीन और फ्लर्टी ब्लैक इस कलेक्शन में स्पेशल है। टॉप में पफ स्लीव्स फिर से चलन में आ गए हैं। चाहें तो स्कर्ट के साथ पहनें या जींस के साथ। साथ ही वेस्टकोट भी फैशन में जमकर हैं। लेगिग्स वार्डरोब के लिए ऐसा क्लोदिग ऑप्शन है, जिसे आप टॉप, ड्रेस, कुर्ती, बूट्स या शॉर्ट्स के साथ भी कैरी कर सकती हैं।

हेयर भी हाई-फाई

- बालों को रूखेपन से बचाने के लिए सप्ताह में दो-तीन बार ऑयलिग करें, रात भर तेल लगे रहने दें, सुबह शैम्पू करें।
- बालों में शैम्पू के बाद कंडीशनर लगाना जरूरी है। यदि बाल कुछ ज्यादा ही रूखे हैं तो बाजार में उपलब्ध क्रीम कंडीशनर का इस्तेमाल करना चाहिए।
- चाहें तो ऐसे कंडीशनर का भी प्रयोग किया जा सकता है, जिसे लगाने के बाद बालों को धोया नहीं जाता।
- एरोमाथेरेपी ऑयल से बालों का मसाज कीजिए। उसके बाद बालों को स्टीम दीजिए।
- पार्लर में बालों के लिए विशेष स्पा मौजूद है, इन्हें आजमा सकती हैं। महीने में दो-तीन बार यह कराना चाहिए।
- बालों में नमी के लिए घर में भी पैक तैयार किया जा सकता है। इसके लिए दूध, अंडे की जर्दी या केला, शहद को मिला कर बालों पर लगाएं। आधे घंटे के लिए रखें, उसके बाद धो दें।
- डेंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए सेब या प्याज का जूस रूई की मदद से स्कल्प पर लगाएं। आधे घंटे बाद बालों को धो लें।
- बाल धोने के बाद अपनी कंघी, तौलिया और तकिए के गिलाफ को एंटीसेप्टिक लोशन में आधे घंटे डुबोने के बाद धो दें। धूप में सुखाएं।

फुट केयर

- एरोमाथेरेपी पेडिक्योर सही रहता है। पैरों को डीप मॉयश्चराइज करता है। यह आर्थराइटिस के रोगियों को आराम भी देता है। चाहें तो बाजार में उपलब्ध पैरासिन वैक्स भी लगा सकती हैं।
- सोने से पहले रोजाना रात में क्रीम लगाएं। धीमी आंच पर गर्म करके क्रीम लगाएंगी तो परिणाम जल्दी मिलेंगे। क्रीम को ब्रश से लगाएं, टॉवेल या क्लग फिल्म से कवर करें। यह ब्लड सकुर्लेशन को बढ़ाता है।
- चाहें तो ग्लिसरीन में नींबू डाल कर लगाएं।
- फुटकेयर क्रीम से मसाज करना भी अच्छा रहता है।
- दिन भर जूता पहनने से पैर साफ और नम रहते हैं।
- क्यूटिकल्स को भी हमेशा साफ कराते रहना चाहिए।
- यदि पार्लर में पेडिक्योर करवा रही हैं तो ध्यान रखिए कि इंस्टमेंट्स स्टेरिलाइज्ड हों।
- सरसों का तेल बेहतरीन औषधि है, इसे पैरों में लगा सकती हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-3-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-4-5

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-2-4-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार पक्ष से थोड़ी झ्चता रहेगी। शुभांक-1-3-5

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मझ्चतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-4-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-2-3-5

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-4-6

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-6

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा परिणाम शुभ रहेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-2-4-6

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-3-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-2-5-6

काकुरो पहेली - 2607

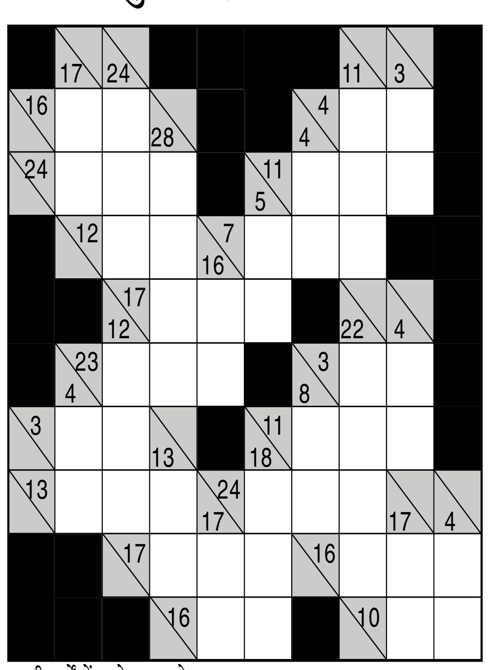

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

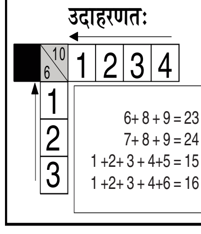

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -2606 का हल

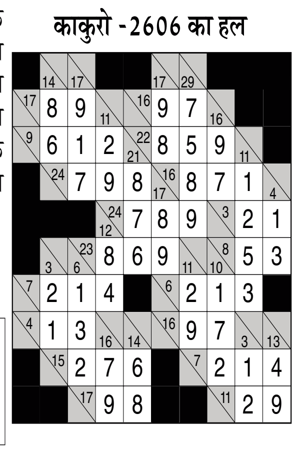

लॉफिंग जोक्स

एक ऐसी युवती थी, जिसका कभी किसी से कोई रोमांस नहीं हुआ था। एक दिन उसने रोमांटिक ख्वाब देखा- जब वह गार्डन में घूम रही थी, तभी एक सुंदर युवक ने साड़ी के पीछे छुपकर उससे लिपट गया। वह भागी लेकिन एक घने पेड़ की मधुर छाया में तरुण ने उसे पकड़ लिया।

तुम-तुम क्या करने जा रहे हो? वह हकबकाई।

शैतानी से मुस्कराकर युवक बोला- तुम बताओ। यह तुम्हारा सपना है।

अखबार पढ़ते प्रेमी को प्रेमिका ने पीछे से जोरदार घूँसा मारा। इस पर प्रेमी ने कहा -क्या हुआ, प्रिया?

प्रेमिका- तुम्हारी शर्ट की जेब में एक कागज मिला था जिस पर मेरी (लड़की का नाम) लिखा हुआ था।

प्रेमी- अरे नहीं प्रिये, तुम्हें याद है पिछले सप्ताह मैं ट्रेकिंग पर गया था। मैंने घोड़े की सवारी की थी। मेरी उसी घोड़े का नाम है।

अगले दिन प्रेमिका ने फिर जोरदार घूँसा मारा।

प्रेमी- अब क्या हुआ प्रिये?

प्रेमिका - तुम्हारे घोड़े का फोन आया था।

फिल्म वर्ग पहेली- 2607

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, जया की 'ये जुल्फ कैसी है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. 'सीमायें बुलाये तुझे' गीत वाली जे.पी.दत्ता की युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी एक मल्टीस्टारर फिल्म-२,१,१
६. फिल्म 'साया' में नायिका कौन थी-२
७. 'झमका चाँदी दा' गीत वाली मनोज, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
८. अभिषेक, अंतरा माली की 'बेरंग जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'जीवनमृत्यु' में नायिका थी-२
१४. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फराजखान, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आज मदहोश हुआ जाये' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
१७. संजय कपूर, रवीना, अदिति की 'हंसता है रूलता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'सनन सनन साय साय हो' गीत वाली गोविंदा, रमैया की फिल्म-४,२
२२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तू कल चला' गीत वाली संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लों की फिल्म-२
२४. जैकी, सुनील शेट्टी, डिनो, करिश्मा की 'ऐ सुबह तू' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'हुस्ने जाना इधर आ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-२
२८. देवआनंद, गीता बाली की 'चांदनी रातें प्यार की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जिनके पास हाथी घोड़ा' गीत वाली राजकुमार, लीना की फिल्म-२,१,२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मनीषा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आआ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता की फिल्म-२
२. ऋषिकपूर, माधुरी दीक्षित की 'जाने वो कैसा चोर था' गीत वाली फिल्म-३
३. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
४. अक्षय, करीना कपूर, प्रियंका की फिल्म-४
५. 'दिल दिया है तुझे' गीत वाली अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
९. राहुल बोस, करीना कपूर की 'जाने क्यूं हमको' गीत वाली फिल्म-३
१०. राजकपूर, परवीन की 'आपसा कोई हसीन' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'तोता मैना की कहानी' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१३. मिलिंद सोमण, किरण झवेर की 'जीना है तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'सुलगे हुए हैं' गीत वाली जिमी, इरफान, ऋषिता, नम्रता की फिल्म-३
१९. फिल्म 'अवतार' में राजेश की नायिका?-३
२०. 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-४
२१. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, मधु, सीमा की 'आई सी यू बेबी' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'रंग और नूर की बारात' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
२४. नसीर, फारूख शेख, स्मिता की फिल्म-३
२६. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२७. शाहरूख, माधुरी की 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2606

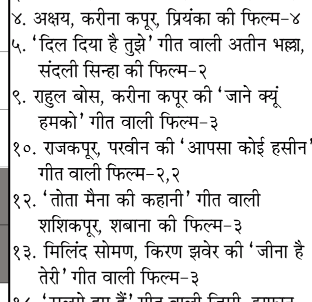

सूडोकु -2607

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2606 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

शब्द पहेली - 2607

बाएँ से दाएँ

1.अनाथालय-5
4.जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7.कमरा,रूम-2
8.फिजूल-3
9.अंग्रेजी शराब-2
10.अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11.लक्ष्मी,कमला-2
13.ध्वनिहीनता,शांति-4
14.देवता,देव-2
16.प्रणाम,नमस्कार-3
18.रुधिरहीन,कमजोर-3
19.प्रस्थान करना-3,2
21.पालने वाला,ईश्वर-5
24.प्रेम,चाहना-3
26.वन,अरण्य,जंगल-3
28.विदेशी मदिरा-2
29.छिड़कना-4
30.धूल,मिट्टी-2
32.अंगीकार करना-4
33.छापा,सतत वर्षा-2
35.विरुद्ध-3
36.सुबह,प्रातःकाल-2
37.जोकर,विदूषक-4
38.संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1.इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2.उदारता,बड़प्पन-4
3.पत्नी का नाना-2,3
4.दसवीं राशि -3
5.बहादुर,निडर-2
6.एक मुस्लिम महीना-4
7.कहानी लेखक-5
10.नाव चलाना-2,2
12.सम्मान-2
15.मारकाट,खून खराबा-4
17.पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18.कुकर्म,दुष्कर्म-4
20.गाड़ी,यान-3
22.इंकार करना-4
23.रचना करनेवाला, रचयिता -5
25.जीवनसाथी-5
26.कारोबार,व्यवसाय-4
27.मादा का विलोम-2
29.निर्झरणशील-4
31.ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34.मजा,आनंद-2
36.भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली -2606 का हल

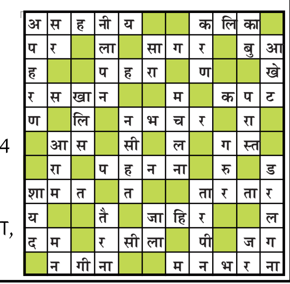

रेखा आर्य ने किया नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप का उद्घाटन

एजेंसी

हरिद्वार। प्रदेश की खेल मंत्री रेखा आर्या ने हरिद्वार के स्वामी हरिहरानंद पब्लिक स्कूल में सीआईएससीई कबड्डी ब्वाएज चैंपियनशिप 2025 का उद्घाटन किया। 3 से 6 अक्टूबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में देशभर से कुल 35 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इस अवसर पर खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि उत्तराखंड में हर सप्ताह एक या दो नेशनल चैंपियनशिप आयोजित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेलों के बाद उत्तराखंड खेल भूमि के रूप में पहचान बना रहा है और यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का हब बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेल संस्कृति विकसित होने से भविष्य में यहां से कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय चैंपियन निकलेंगे। खेल मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को सुनहरा भविष्य देने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए आउट ऑफ टर्न जाब व सरकारी नौकरियों में रिजर्वेशन जैसे प्रावधान किए गए हैं। खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2036 का ओलंपिक भारत में आयोजित करने को लेकर गंभीर प्रयास कर रहे हैं और ऐसे में यह संभव है की कबड्डी जैसे परंपरागत खेल भी ओलंपिक का हिस्सा बन जाए। उन्होंने कहा हमने उत्तराखंड से कम से कम 40 एथलीट को 2036 की ओलंपिक में शामिल कराने का लक्ष्य तय किया है।

सीबीआई ने दो अधिकारियों को रिश्वतखोरी के मामलों में किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दो अलग-अलग मामलों में दो सरकारी अधिकारियों को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अधिकारियों में गांधीनगर (गुजरात) के कंट्रोलर जनरल ऑफ डिफेंस अकाउंट्स (सीजीडीए) के ऑडिटर अशोक कुमार जादव और नांदेड़ (महाराष्ट्र) स्थित डिविजनल रेलवे अस्पताल के मुख्य कार्यालय अधीक्षक लक्ष्मीशंकर माथुराप्रसाद शामिल हैं। सीबीआई के मुताबिक पहले मामले में आरोप है कि ऑडिटर अशोककुमार जादव ने पुणे एयरफोर्स बेस पर सीसीटीवी सप्लाई ऑर्डर की फाइल पास करने के लिए चार लाख रुपये (बोली राशि ढाई करोड़ रुपये का 2 प्रतिशत) रिश्वत मांगी। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए सीबीआई ने 30 सितंबर को उन्हें साढ़े तीन लाख रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ लिया। आरोपित को अहमदाबाद से ट्रांजिट रिमांड लेकर विशेष न्यायाधीश, पुणे के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें 4 अक्टूबर तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया। दूसरे मामले में नांदेड़ रेलवे अस्पताल के मुख्य कार्यालय अधीक्षक लक्ष्मीशंकर पर आरोप है कि उन्होंने एक निजी कंपनी के लंबित बिल (91,576 रुपये) और परफॉर्मेंस गारंटी (1.25 लाख रुपये) से जुड़े कार्य को निपटाने के लिए 25 हजार रुपये की रिश्वत मांगी।

छत्तीसगढ़ के पुरंगेल मुठभेड़ में मारा गया नक्सली था पांच लाख का इनामी आयतु पोड़ियाम

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में थाना गंगालूर क्षेत्रान्तर्गत पुरंगेल के जंगल में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए नक्सली की पहचान हो गयी है। मारा गया नक्सली पांच लाख का इनामी 35 वर्षीय आयतु पोड़ियाम था। सुरक्षा बलों ने उसके पास से एक बीजीएल लांचर, एक सिंगल शॉट बंदूक, एवं वॉकी-टॉकी, टीफिन बम, कार्डेक्स वायर, सेफ्टी फ्यूज, नक्सली वर्दी एवं अन्य नक्सल सामग्री बरामद किया था। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र यादव ने बताया कि थाना गंगालूर क्षेत्रान्तर्गत गमपुर-पुरंगेल क्षेत्र में नक्सली कैडर की गतिविधियों की सूचना पर डीआरजी बीजापुर एवं एसटीएफ की टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाया था। इस दौरान हुई मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया। आज इस नक्सली शिनाख्त पांच लाख के इनामी 35 वर्षीय आयतु पोड़ियाम निवासी गमपुर थाना गंगालूर जिला बीजापुर, पदनाम-एसीएम, गंगालूर एरिया कमेटी के रूप में हुई। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुन्दरराज पी. ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में तैनात पुलिस एवं सुरक्षा बल नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैंद्य उन्होंने नक्सली कैडरों से अपील की है कि वे हिंसा का मार्ग त्यागें, निर्दोष नागरिकों और उनकी संपत्तियों को निशाना बनाना बंद करें। अब उनके सामने केवल एक ही रास्ता बचा है कि सरकार की पुनर्वास नीति का लाभ उठाकर मुख्यधारा से जुड़ना और सम्मानजनक जीवन जीना।

सांसद खेल महोत्सव में आधुनिक खेलों के साथ पारंपरिक खेल प्रतिस्पर्धाएं भी होगी: सांसद मंजू शर्मा

जयपुर। जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए सांसद खेल महोत्सव की जानकारी दी। सांसद मंजू शर्मा ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव देशभर में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहल है। खेल महोत्सव का मुख्य उद्देश्य युवाओं को फिटनेस, खेल और स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करना है। महोत्सव में विभिन्न आयु वर्ग के पुरुषों और महिलाओं को पारंपरिक और आधुनिक खेलों में भाग लेने का अवसर दिया जाएगा। इससे स्थानीय प्रतिभाओं को निखरने और राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने का मंच मिलेगा। सांसद मंजू शर्मा ने बताया कि 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले खेल महोत्सव में पारंपरिक खेलों में कबड्डी, खो-खो, कुश्ती, रस्साकसी, रूमाल झपट्टा, सितोलिया, मटका दौड़, नीबू दौड़, मलखम्भ तथा आधुनिक खेलों में क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, तीरंदाजी, वुशु, हॉकी, बैडमिंटन, आर्चरी, शतरंज, वेटलिफ्टिंग सहित विभिन्न खेलों को शामिल किया गया है। इसमें महिला खिलाड़ियों के लिए विशेष प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। महिलाओं के साथ दिव्यागों की भी टीमों का गठन किया जाएगा। सांसद और विधायक दिव्यांगों से अलग से संवाद कर उनका हौसला अफजाई करेंगे। प्रतियोगिताएं तीन स्तर पर होगी। इसमें मंडल, विधानसभा और लोकसभा स्तर पर खेलों का आयोजन किया जाएगा। इसमें टीमों का गठन करने के बाद खेल दिनांक के आधार पर गेम्स कलैंडर घोषित कर दिया जाएगा।

पाकिस्तान सोच ले कि उसे भूगोल में रहना है या नहीं- सेना प्रमुख द्विवेदी

एजेंसी

बीकानेर। भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। श्रीगंगानगर जिले के घड़साना के गांव 22 एमडी में आर्मी छावनी पहुंचे सेना प्रमुख ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह से भारत ने ऑपरेशन सिंदूर 1.0 में संयम रखा है, अबकी बार भारत ये संयम नहीं रखेगा। इस बार हम आगे की कार्रवाई करेंगे और कुछ इस तरह की कार्रवाई करेंगे कि पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा कि उसे भूगोल में रहना है या नहीं। जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हमारी जिंदगी से इस तरह से जुड़ गया है कि जब तक हम जीवित रहेंगे, तब तक यह हमारे साथ रहेगा। अगर पाकिस्तान को दुनिया के नक्शे में (भूगोल में) अपनी जगह

बनाए रखनी है, तो पाकिस्तान जो आतंकवाद को सरंक्षण दे रहा है, उसे अब आतंकवाद को रोकना पड़ेगा। सेना प्रमुख ने जवानों से कहा कि अब आप अपनी पूरी तैयारी करके रखें, अगर भगवान ने चाहा तो जल्द ही ये मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस देश की कोई भी महिला अपनी मांग में सिंदूर लगाती है तो उस समय वो भारतीय सेना के जवानों को याद करती है, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस बार आतंकवाद के खिलाफ जो ऑपरेशन सिंदूर किया गया है, पूरे ऑपरेशन का नाम एक ही रखा गया था, जबकि इससे पहले जो भी ऑपरेशन किए गए हैं, उनके नाम अलग-अलग हुआ करते थे। सेना प्रमुख ने कहा कि पहलगाम में आतंकी हमला होने के बाद जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, उस समय पूरा विश्व भारत के साथ जुड़ गया था। पूरे विश्व ने इस आतंकी हमले की निंदा की थी। उन्होंने कहा- भारत ने पाकिस्तान में 9 टारगेट हिट किए थे, इनमें से 7 आर्मी ने और 2 वायु सेना की ओर से हिट किए गए थे। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने यह भी कहा कि जिन आतंकी ठिकानों को भारत ने खत्म किया था, उनका सबूत भी पूरी दुनिया को दिखाया है।

कर्नाटक में भाजपा-जेडीएस गठबंधन खतरे में नहीं: देवेगौड़ा

एजेंसी

बैंगलोर। पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एच.डी. देवेगौड़ा ने स्पष्ट किया है कि कर्नाटक में आगामी सभी चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जेडीएस गठबंधन बरकरार रहेगा। राजधानी बेंगलुरु के जेपी भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में एच.डी. देवेगौड़ा ने कहा कि यह गठबंधन ज़िला, तालुका, बेंगलुरु महानगरीय क्षेत्र (जीबीए) और विधानसभा चुनावों में जारी रहेगा। भाजपा-जेडीएस गठबंधन को कोई डर नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनके रिश्ते 10 सालों से भी अधिक समय से अच्छे रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में कभी भी हल्की बातें नहीं की है। देवेगौड़ा ने कहा कि वह राज्य में बाढ़ से हुए नुकसान के लिए केंद्र सरकार से मुआवज़ा दिलाने के लिए प्रधानमंत्री को पत्र लिखेंगे। ज़रूरत पड़ने पर व्यक्तिगत रूप से उनसे मिलेंगे और राज्य को मुआवज़ा जारी करने के लिए उन्हें मनाएंगे। केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य समस्याओं के कारण वे कुछ महीनों से राज्य का दौरा नहीं कर पाए थे। अब उनका स्वास्थ्य ठीक है। डॉक्टरों ने कहा है कि कोई समस्या नहीं है और कुमारस्वामी जल्द ही राज्य (कर्नाटक) का दौरा शुरू करेंगे।

मध्य प्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व में एक नर बाघ और दो मादा शावकों की मौत

एजेंसी

मंडला। मध्य प्रदेश के मंडला जिला स्थित प्रसिद्ध कान्हा टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में जंगल सफारी शुरू होने के दूसरे दिन ही दो अलग-अलग स्थानों पर तीन बाघों की मौत हो गई। इनमें एक वयस्क बाघ और दो मादा शावक हैं। गुरुवार की शाम एक वयस्क बाघ का शव मुक्की रेंज के मवाला में और लगभग दो महीने की दो मादा शावकों के शव कान्हा रेंज की मुंडीदादर बीट में मिले हैं। रिजर्व प्रबंधन ने फिलहाल घटना की वजह बाघों के बीच आपसी संघर्ष बताया है और मामले की जांच की बात कही है।

दरअसल, बारिश के दौरान प्रजनन काल में तीन महीने के लिए प्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व में पर्यटकों का प्रवेश बंद कर दिया जाता है। एक अक्टूबर से सभी टाइगर रिजर्व को पर्यटकों को लिए पुनः खोला गया है। इसके बाद सभी टाइगर रिजर्व में पर्यटकों की आवाजाही शुरू हो गई है। इसी बीच दो अक्टूबर की शाम होते-होते तीन बांघों की मौत हो गई। मरने वालों में दो मादा बाघ शावक की उम्र एक-से दो महीने और वयस्क नर बाघ की उम्र 10 वर्ष बताई गई है।

वन अधिकारियों के मुताबिक शावकों पर किसी नर बाघ ने हमला किया, जो क्षेत्र में नव प्रवेशी हो सकता है। शावकों के गले और सिर पर गहरी चोटें मिलीं, जो बाघों के बीच संघर्ष की निशानी हैं। वहीं एक 10 वर्षीय नर

बाघ की गले की हड्डी टूटने से मौत हुई। पोस्टमॉर्टम में पाया गया कि यह क्षेत्रीय लड़ाई का शिकार हुआ, जहां दो नर बाघों के बीच टकराव आम है। कान्हा प्रबंधन ने तुरंत एनटीसीए को सूचित किया और सभी शवों का अंतिम संस्कार (शवदाह) कर दिया गया, ताकि अन्य जंगली जानवरों को नुकसान न हो। कान्हा टाइगर रिजर्व के निदेशक संजय शुक्ला ने कहा कि ये मौतें इंट्रा-स्पीशीज कंफ्लिक्ट (प्रजाति के अंदर संघर्ष) की वजह से लग रही हैं। बाघों की घनी आबादी (रिजर्व में 100+ बाघ) में क्षेत्रीय विवाद बढ़ जाते हैं, लेकिन फॉरेंसिक जांच पूरी होने पर ही पुष्टि होगी। डॉग स्क्वाड ने आसपास के क्षेत्र की तलाशी ली, लेकिन कोई संदिग्ध निशान नहीं मिला। वहीं, वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ. हिमांशु कौशिक ने कहा कि कान्हा में बाघों की संख्या 100 से अधिक है, जो अच्छा संकेत है, लेकिन इससे टकराव भी बढ़ता है।

'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान पूरा, 18 लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविरों में 10 करोड़ नागरिकों को मिला लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली। 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान दो अक्टूबर को पूरा हो गया। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाए गए इस अभियान में 18 लाख (18,08,071) से अधिक स्वास्थ्य शिविर (जांच एवं विशेष शिविर दोनों) आयोजित किए गए, जिनमें देशभर से लगभग 10 करोड़ नागरिकों (9,85,63,619) को लाभ हुआ।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक अभियान में 1.78 करोड़ से अधिक नागरिकों की उच्च रक्तचाप और 1.72 करोड़ की मधुमेह की स्क्रीनिंग की गई। वहीं, 37 लाख से अधिक महिलाओं की स्तन कैंसर और 19 लाख से अधिक की गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की स्क्रीनिंग की गई। इसके अतिरिक्त 96 लाख से अधिक नागरिकों की मुख कैंसर जांच की गई। 62.60 लाख से अधिक प्रसवपूर्व जांच और 1.43 करोड़ से अधिक बच्चों को जीवन रक्षक टीके लगाए गए। इस अभियान के तहत 1.51 करोड़ से अधिक नागरिकों की एनीमिया जांच और 1.16 करोड़ से अधिक लोगों को पोषण परामर्श दिया गया। इसके साथ टीबी(क्षय) रोग एवं सिकल सेल जांच भी की गई। अभियान के तहत 85 लाख से अधिक नागरिकों की टीबी और 10.23 लाख की

सिकल सेल रोग की स्क्रीनिंग की गई। 4.30 लाख से अधिक रक्तदाताओं का पंजीकरण और 10.69 लाख से अधिक आयुष्मान एवं पीएम-जेएवाई कार्ड का वितरण किया गया। मंत्रालय ने बताया कि इस अभियान में विशेष स्वास्थ्य सुविधाओं का योगदान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन शिविरों के विस्तृत नेटवर्क के अतिरिक्त, एम्स, अन्य राष्ट्रीय महत्व के संस्थान (आईएनआईएस), तृतीयक अस्पताल, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, मेडिकल कॉलेज और निजी संस्थान भी अग्रणी रहे। इन संस्थानों ने हजारों विशेष शिविरों का आयोजन कर उन्नत जांच, परामर्श और उपचार सेवाएं उपलब्ध कराईं। इससे राज्य सरकारों और सामुदायिक स्तर के स्वास्थ्यकर्मियों के प्रयासों को और मजबूती मिली।

जीएसटी सरलीकरण से कर्नाटक को अनुमानित 15,000 करोड़ रुपये का नुकसान होगा: मुख्यमंत्री

एजेंसी

मैसूर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि बिहार चुनाव के मद्देनजर जीएसटी को सरल बनाने के केंद्र सरकार के फैसले से कर्नाटक को अनुमानित 15,000 करोड़ रुपये का नुकसान होगा। मैसूर स्थित अपने आवास पर मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने 2017 में जीएसटी लागू किया और जीएसटी की दरें तय कीं। क्या केंद्र सरकार, जो पिछले आठ सालों से बढ़ी हुई दरें वसूल रही है, वो पैसा वापस करेगी? भाजपा जिस जीएसटी दर को खुद बढ़ा कर लाया था, उसे अब कम करके अपनी पीठ थपथपाने में लगा है। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव की वजह से जीएसटी को सरल और कम करने का दावा करने की ज़रूरत नहीं है।

राज्य को लगभग 17000 करोड़ रुपये का केंद्रीय अनुदान

केंद्र से राज्य को कर के रूप में केवल 3200 करोड़ रुपये दिए जाने

के तथ्य पर प्रतिक्रिया देते हुए, उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को 18फीसदी और उनके राज्य को केवल 3.5फीसदी मिल रहा है। यह अनुचित है कि कर्नाटक केंद्र को कर के रूप में 4.5 लाख करोड़ रुपये दे रहा है, लेकिन हमें प्रति रुपये केवल 14 पैसे मिलते हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री ने 15वें वित्त आयोग में राज्य को दिए गए विशेष अनुदान को रद्द कर दिया। आयोग की सिफारिश के अनुसार, 5490 करोड़ रुपये, झील विकास के लिए 3000 करोड़ रुपये, सड़क निर्माण के लिए 3000 करोड़ रुपये और भद्रा ऊपरी नदी परियोजना के लिए 5000 करोड़ रुपये हमें नहीं दिए गए। कुल अनुदान जो 17000 करोड़ रुपये आने वाला था, उसको रोक दिया गया है। पिछली बार की तरह, इस बार भी, यदि आवश्यक हुआ तो हम कीर्तनकी मदद लेंगे और केंद्रीय अनुदान प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हालाँकि कम केंद्रीय वित्त पोषण के बीच गारंटी की लागत को पूरा करना सरकार के लिए एक चुनौती है, लेकिन इस चुनौती का डटकर सामना किया जाएगा।

जीएसटी सरलीकरण से राज्य सरकारों को ज़्यादा नुकसान होगा। इससे कर्नाटक को सालाना अनुमानित 15,000 करोड़ रुपये का नुकसान होगा। केंद्र सरकार एनडीए में शामिल राज्यों की सुविधानुसार जीएसटी में राहत दे रही है। सिद्धारमैया ने कर्नाटक के भाजपा सांसदों पर मोदी की प्रशंसा करने और राज्य के कल्याण के बारे में न सोचने का आरोप लगाया है।

एनएचएआई राष्ट्रीय राजमार्गों पर लगाएगा क्यूआर कोड आधारित साइन बोर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं की सुविधा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एक नई पहल की घोषणा की है। इसके तहत एनएचएआई राष्ट्रीय राजमार्गों पर परियोजना-विशेष जानकारी वाले साइन बोर्ड लगाएगा, जिन पर क्यूआर कोड उपलब्ध होंगे। एनएचएआई ने एक बयान में कहा कि इन क्यूआर कोड साइन बोर्डों के माध्यम से यात्रियों को राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या, परियोजना की लंबाई, निर्माण/रखरखाव अवधि, राजमार्ग पेट्रोल, टोल मैनेजर, परियोजना प्रबंधक, रेजिडेंट इंजीनियर, एनएचएआई क्षेत्रीय कार्यालय और आपातकालीन हेल्पलाइन 1033 सहित सभी महत्वपूर्ण जानकारियां तुरंत मिलेंगी। साथ ही नजदीकी अस्पताल, पेट्रोल पंप, शौचालय, पुलिस स्टेशन, रेस्तरां, टोल प्लाजा की दूरी, ट्रक ले-बाय, पंक्चर रिपेयर शॉप, वाहन सेवा केंद्र और ई-चार्जिंग स्टेशन जैसी सुविधाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी। बेहतर दृश्यता और सुविधा के लिए ये क्यूआर कोड आधारित बोर्ड राजमार्ग के विश्राम स्थलों, टोल प्लाजा, ट्रक ले-बाय, राजमार्ग के आरंभ और अंत बिंदुओं पर लगाए जाएंगे। एनएचएआई ने कहा कि यह पहल न केवल यात्रियों को त्वरित और पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराएगी, बल्कि सड़क सुरक्षा को भी मजबूत बनाएगी। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं के अनुभव और जागरूकता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा।

महाराष्ट्र के कोल्हापुर से बिहार में अररिया के 79 बच्चों को रेस्क्यू कर लाया गया

एजेंसी

अररिया। महाराष्ट्र के कोल्हापुर स्थित एक मदरसा में करंट लगने से एक बालक के मौत के हादसे के बाद कोल्हापुर प्रशासन के द्वारा छापेमारी कर मदरसा में रह रहे बच्चों को मुक्त कराया गया। कोल्हापुर प्रशासन की ओर से रेस्क्यू किए गए बच्चों में 79 बच्चे को बिहार के अररिया जिला के हैं। जिन्हें कोल्हापुर से पटना और फिर पटना से प्रशासन के द्वारा अररिया लाया गया। कोल्हापुर मदरसा में बच्चों के बीच विवाद में एक बच्चे की करंट लगने से मौत हो गई थी। जिसके बाद कोल्हापुर प्रशासन के द्वारा मदरसा में छापेमारी की गई और बच्चों को मुक्त कराया गया। जिसमें अररिया जिला के 79 बच्चों को मुक्त कराया गया। महाराष्ट्र के कोल्हापुर बाल कल्याण समिति को बच्चों को सौंपा गया था। कल्याणपुर बाल कल्याण समिति ने समाज कल्याण विभाग पटना को रेस्क्यू किए गए बच्चों को सौंपा और वहां से सरकारी निगरानी में सभी बच्चों को अररिया लाया गया। अररिया में जिला बाल संरक्षक इकाई के सहायक निदेशक शंभू रजक और जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष दीपक कुमार वर्मा को बच्चों को सौंपा गया। जिला बाल कल्याण समिति के

द्वारा सभी बच्चों को पहचान कर उनके माता पिता को तत्काल सौंपा जा रहा है। मामले को लेकर जिला बाल संरक्षक इकाई के सहायक निदेशक शंभू रजक ने बताया कि कोल्हापुर से पटना और पटना समाज कल्याण विभाग के द्वारा इन बच्चों को अररिया भेजा गया है। उन्होंने बताया कि इन सभी बच्चों का काउंसलिंग कराया जाएगा और फिर इन बच्चों को सरकार के योजना के अनुरूप पुनर्वासित करने का काम किया जाएगा। जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष दीपक कुमार वर्मा ने बताया कि मुफ्त में दीनी तालीम अर्थात मजहबी तालीम के नाम पर गरीब मजदूरों के बच्चे को स्थानीय मौलवी ठेकेदारों के द्वारा बच्चों को देश के विभिन्न हिस्सों में ले जाया जाता है और उनसे बाल मजदूरी जैसे कार्यों को अंजाम दिलाया जाता है।

मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करें युवा : धनखड़

चंडीगढ़। पीएम मोदी का संकल्प है आत्मनिर्भर भारत और आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़ता भारत । इसके लिए हमें अपने उत्पादों को दुनिया में सबसे बेहतर बनाकर उन पर गर्व करना होगा। उनकी ब्रांडिंग के साथ जन जागरण करना होगा। इसके लिए युवा शक्ति को आगे आना होगा। हमारी युवा शक्ति सक्षम है। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने झज्जर स्थित जिला पार्टी कार्यालय में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान विषय पर पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह आह्वान किया । उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी ने आजादी के आंदोलन के दौरान विदेशी उत्पादों के विरुद्ध स्वदेशी आंदोलन चलाया था। खादी आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान का संदेश बन गया था। भारत पाक 1965 के युद्ध के समय अमेरिका ने भारत को अनाज की आपूर्ति रोकने की धमकी देने पर हरित क्रांति शुरू की गई और हमारे किसानों ने अन्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त की ।

मप्र के मुरैना की सोलर प्लस स्टोरेज परियोजना से मिला न्यूनतम 2.70 रुपये प्रति यूनिट का टैरिफ

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश ने मुरैना में अपनी पहली सोलर प्लस स्टोरेज परियोजना विकसित की है, जिसमें अब तक का सबसे कम 2.70 रुपये प्रति यूनिट का ऐतिहासिक टैरिफ प्राप्त हुआ है। यह भारत में पहली बार है कि किसी फर्म और डिसपेचेबल रिएन्युबल एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए तीन रुपये प्रति यूनिट से कम टैरिफ हासिल किया गया है। प्रदेश के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने पत्रकार वार्ता में बताया कि सोलर प्लस स्टोरेज मुरैना परियोजना ऐतिहासिक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुरैना प्रोजेक्ट में प्राप्त सफलता के आधार पर लंबे समय की ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के लिए प्रतिबद्धता जताई है। इस बात पर संतोष जताया गया कि परियोजना में प्राप्त न्यूनतम टैरिफ प्रदर्शित करता है कि नवीकरणीय ऊर्जा भी डिस्कॉम के लिए अधिक किफायती हो सकती है।मंत्री शुक्ला ने कहा कि सोलर स्टोरेज प्रोजेक्ट मुरैना की विशेषता है कि इसके द्वारा सामान्य सौर घंटों एवं पीक घंटों के दौरान समान स्तर की विद्युत आपूर्ति की जाएगी। देश की पहली सोलर प्लस स्टोरेज

परियोजना है, जिसमें 95 प्रतिशत पीक आपूर्ति की सुनिश्चित वार्षिक उपलब्धता है। साथ ही टैरिफ भी न्यूनतम 2.70 रुपये प्रति यूनिट है। अब तक सबसे कम टैरिफ 3.09 रुपये प्राप्त हुआ था, जो शाम को दो पीक ऑवर्स में अनुबंधित सौर क्षमता के केवल 50 प्रतिशत की आपूर्ति एवं 85 प्रतिशत वार्षिक उपलब्धता के लिये था। शुक्ला ने बताया कि विगत 19 सितंबर, 2025 को हुई ई-रिवर्स नीलामी में प्राप्त दर आगामी 25 वर्षों के लिए निर्धारित हुई है। यह 2.70 रुपये प्रति यूनिट के ऐतिहासिक टैरिफ के साथ संपन्न हुई है। यह पूरे भारत में एफडीआरई निविदाओं के लिए एक मील का पत्थर है। निविदा में 16 बोलीदाताओं के साथ वैश्विक भागीदारी देखी गई, जिसमें बोली क्षमता की खरीद की जाने वाली बोली क्षमता का लगभग 10 गुना था। नीलामी में एक्मे सोलर होल्डिंग्स, अडानी रिन्यूएबल, एम्पिन एनर्जी, अप्रावा एनर्जी, सीगल इंडिया लिमिटेड, दिलीप बिल्डकॉन, एंजी एनर्जी, गोल्डी सोलर, एमबी पॉवर, एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी, पावर मेक, पूर्वा ग्रीन, रिन्यू सोलर, सेरेंटिका रिन्यूएबल्स, शिवालय कंस्ट्रक्शन्स और वारी फॉरएवर एनर्जीज सहित प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल रही। मंत्री शुक्ला ने बताया कि मुरैना परियोजना भारत की एनर्जी ट्रांजिशन में एक नया मोड़ है। उम्मीद है कि इस तरह के उत्साहजनक परिणाम देश को कोयला आधारित बिजली की तुलना में नवीकरणीय ऊर्जा सहित ऊर्जा भंडारण का चयन करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे, जिससे देश के स्वच्छ ऊर्जा के भविष्य को बल मिले। उन्होंने कहा कि क्लीन एनर्जी की दिशा में बढ़ने के लिए यह बड़ा कदम है। अब दिन के समय सोलर से पैदा होने वाली बिजली से प्रोजेक्ट के साथ स्थापित की गई विशाल बैटरी को चार्ज किया जाएगा। सूर्यास्त के बाद शाम को इसी बैटरी से बिजली की सप्लाई हो जाएगी। डिस्चार्ज बैटरी को मध्यरात्रि बाद सबसे कम दरों में मिलने वाली सस्ती ग्रिड पॉवर (थर्मल, जल या पवन) से फिर चार्ज किया जाएगा।

मप्र के खंडवा हादसे के पीड़ितों के बीच पहुंचे मोहन यादव, प्रभावित परिवारों से मिलकर बंधाया ढांढस

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खंडवा जिले में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान बीती रात ट्रैक्टर ट्रॉली दुर्घटना के प्रभावित परिवारों से पंधाना पहुंचकर संवेदना प्रकट की। उन्होंने पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद के लिए आश्वस्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व निर्धारित अपने सभी कार्यक्रम निरस्त कर पंधाना पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मिलकर शोक-संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने परिवारजनों को सांत्वना देते हुए कहा कि इस हृदयविदारक दुख की घड़ी में राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। आवश्यक सहायता राशि भी परिवारों को स्वीकृत कर प्रदान की गई है। प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए प्रति दिवंगत 4-4 लाख रुपये मध्य प्रदेश सरकार और 2-2 लाख रुपये प्रधानमंत्री सहायता कोष से मंजूर किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि घटना में गंभीर रूप से घायल लोगों को समुचित उपचार के लिए एक-एक लाख रुपये की राशि दी जाएगी। सामान्य घायल नागरिक को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे। सरकार घायलों के उपचार का पूरा खर्च वहन करेगी। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने संकट में फंसे लोगों की सहायता की है, उन्हें भी पुरस्कृत किया जाएगा। रेस्क्यू ऑपरेशन में सहयोग करने वालों को प्रति सहयोगी 51 हजार रुपये की नकद प्रोत्साहन पुरस्कार राशि आगामी गणतंत्र दिवस पर सम्मान-पत्र सहित प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि घटना हृदय विदारक है। छोटे बच्चों की अकाल मृत्यु दुखदाई है। उन्होंने घोषणा की कि दुर्घटना स्थल पर पक्के घाट का निर्माण करवाया जाएगा। इस दौरान जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, मांधाता विधायक नारायण पटेल, खंडवा विधायक कंचन मुकेश तन्वे, पंधाना विधायक छाया मोरे, संभागायुक्त इन्दौर डॉ. सुदाम खाड़े सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे। गौरतलब है कि खंडवा जिले के पंधाना थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जामली राजगढ़ (पाडला फाटा) के लोग गुरुवार शाम को ग्राम अर्दला में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए गए हुए थे।

भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को पारी और 140 रनों से हराया

–सीरीज में 1–0 की बढ़त हासिल की

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मेहमान टीम वेस्टइंडीज को एक पारी और 140 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने मैच के तीसरे दिन अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 448 रनों पर घोषित कर दी। वेस्टइंडीज की टीम अपनी पहली पारी में 162 रन ही बना पायी थी। इस प्रकार भारतीय टीम के पास 286 रनों की बढ़त थी। ऐसे में उसने वेस्टइंडीज को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज टीम अपनी दूसरी पारी में लंच के बाद 146 रनों पर ही आउट हो गयी। भारत की ओर से रविन्द्र जडेजा ने 4 विकेट लिए, वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने तीन जबकि कुलदीप यादव ने 2 विकेट लिए। इस प्रकार भारतीय टीम ने ये मुकाबला आसानी से जीत लिया।

इस मैच में वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी दूसरी पारी में भी पहली पारी की तरह ही खराब रही। केवल एलिका अथानाजे ही 38 रन तक पहुंच पाये, जबकि जस्टिन ग्रीव्स ने 25, जेडन सील्स ने 22, जोहान लेन ने 14, जॉन कैंबेल ने 14, तेगनारायण चंद्रपॉल ने 8, ब्रेंडन किंग ने 5, रोस्टन चेज ने 1 और शाई होप ने 1 रन बनाए। वहीं, खैरी पियरे 13 रन बनाकर नाबाद रहे।

इस मैच में भारतीय टीम के तीन बल्लेबाजों केएल राहुल, ध्रुव जुरेल और रविन्द्र जडेजा ने शतक लगाकर टीम को दूसरे ही दिन 488 रनों तक पहुंचा दिया था।

जडेजा ने बनाया रिकार्ड

भारतीय टीम के रवींद्र जडेजा ने इस मैच में अपने टेस्ट करियर का छठा शतक लगाकर एक रिकार्ड बनाया। उन्होंने इस मैच में महेन्द्र सिंह धोनी के टेस्ट में छक्के मारने का रिकार्ड भी तोड़ दिया। जडेजा के अब अपने टेस्ट मैचों में कुल 79 छक्के हो गये है। वहीं धोनी ने टेस्ट में 78 छक्के लगाए थे। टेस्ट क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड ऑलराउंड वीरेंद्र सहवाग के नाम है। सहवाग ने 91 छक्के लगाये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर विकेटकीपर ऋषभ पंत हैं जिनके टेस्ट में 90 छक्के हैं जबकि रोहित शर्मा 88 छक्कों के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

राहुल ने 9 साल बाद घरेलू धरती पर शतक लगाया

राहुल ने इस टेस्ट में अपना 11वां शतक जमाया ये उनका नौ साल के बाद धरेलू धरती पर शतक है। इसके लिए राहुल ने गेंदें खेलीं।

वहीं युवा जुरेल ने भी इस मैच में मिले अवसर का लाभ उठाते हुए शतकीय पारी खेली।

वर्ल्ड कप में 20 साल बाद भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 में 5 अक्तूबर, रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत होगी। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने जहां श्रीलंका को हराकर अपना विजयी आगाज किया वहीं पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। वहीं अब कोलंबो में इस हाईवोल्टेज मुकाबले का हर किसी को इंतजार है। खास बात ये है कि महिला वनडे वर्ल्ड कप में ये सिर्फ दूसरा मौका है जब दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। आखिरी बार 2005 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान की टीमें आपस में भिड़ी थीं।

वहीं वनडे क्रिकेट में भारतीय महिला टीम पाकिस्तान के खिलाफ कभी नहीं हारी है। दोनों टीमें कुल 11 बार वनडे मुकाबले में भिड़ी हैं। सभी 11 मैच भारतीय महिला टीम ने अपने नाम किए हैं। आखिरी बार दोनों टीमें 2022 में वनडे मैच खेलने के लिए आमने-सामने थीं। उस मैच में भारत ने पड़ोसी देश को 107 रनों से हराकर करारी शिकस्त दी थी। वहीं वर्ल्ड कप की बात करें तो भारतीय टीम ने 2005 में एकमात्र वर्ल्ड कप मुकाबला पाकिस्तान से खेला है। कराची में हुए उस मुकाबले में भारत ने 193 रनों से बेहतरीन जीत दर्ज की थी। अब वर्ल्ड कप में दूसरी बार और ओवरऑल वनडे में 12वीं बार दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। भारतीय टीम की बात करें तो टीम इस समय बेहतरीन फॉर्म में है। हालांकि, पहले मैच में स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर का बल्ला नहीं चला था। लेकिन वर्ल्ड कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया जैसे खतरनाक टीम को भारत ने नाकों चने चबवा दिए थे। स्मृति ने बैक टू बैक दो ताबड़तोड़ ऐतिहासिक शतकीय पारियां खेली थीं। जबकि पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश के हाथों शर्मनाक हार झेलकर आई थी। पाकिस्तान की टीम पहले मुकाबले में महज 129 रन पर ही ढेर हो गई थी। ऐसे में भारतीय टीम का पलड़ा इस मुकाबले में बिल्कुल भारी रहने का आसार हैं।

ऑस्ट्रेलिया/न्यूजीलैंड: मार्श का पहला टी20 शतक, ऑस्ट्रेलिया ने चैपल-हेडली श्रृंखला 2-0 से जीती

माउंट मोनगानुई (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। मिचेल मार्श के नाबाद 103 रन की दमदार पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को न्यूजीलैंड को तीन विकेट से हराकर चैपल-हेडली टी20 श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मार्श ने 52 गेंद में आठ चौके और सात छक्कों की मदद से अपना पहला टी20 शतक पूरा किया। उनके अलावा केवल दो अन्य बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंच सके। ऑस्ट्रेलिया ने दो ओवर रहते ही 7 विकेट पर 160 रन बनाकर न्यूजीलैंड के 9 विकेट पर 156 रन के स्कोर को पार कर लिया।

न्यूजीलैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी के सामने संघर्ष करती नजर आई और टॉस 15 मिनट देर से होने के कारण भी उनके बल्लेबाज साझेदारियां बनाने में नाकाम रहे। टिम सिफर्ट ने 35 गेंद में 48 रन बनाकर टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जबकि कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने 26 और जिम्मी नीशाम ने 25 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया के लिए जोश हेज़लवुड ने 26 रन देकर 2 विकेट लिए, जेवियर बार्टलेट ने 25 रन देकर 2 विकेट झटके, और सीन एबॉट ने 25 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

ऑस्ट्रेलियाई पारी की शुरुआत में ही 62 रन छह ओवर में बन गए थे। मिचेल मार्श ने ईश सोढ़ी पर लगातार छक्कों की मदद से केवल 21 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। न्यूजीलैंड ने मध्य ओवरों में नीशाम की गेंदबाजी के दम पर चार विकेट लिए, लेकिन मार्श ने टीम को मजबूत हाथों से जीत तक पहुंचाया।

इससे पहले श्रृंखला का दूसरा मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। मार्श ने पहले मैच में भी 43 गेंद में 85 रन बनाकर टीम की छह विकेट की जीत में अहम योगदान दिया था।

शुभमन ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय एकदिवसीय टीम के कप्तान बनाये गये , श्रेयस होंगे उपकप्तान

–विराट , रोहित की सात महीने बाद टीम में वापसी

–सूर्यकुमार की कप्तानी में जाएगी टी20 टीम

मुम्बई (एजेंसी)। शुभमन गिल टेस्ट के बाद अब एकदिवसीय प्रारुप के लिए भी भारतीय टीम के कप्तान बनाये गये हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए शुभमन गिल को एकदिवसीय टीम का कप्तान बनाया है। शुभमन को रोहित शर्मा की जगह कप्तान बनाया गया है। रोहित अब एक बल्लेबाज के तौर पर ही टीम में रहेंगे। रोहित के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को भी टीम में शामिल किया गया है। इस प्रकार रोहित और विराट करीब सात महीने के बाद एक बार फिर खेलते नजर आयेंगे। ये दोनो ही अंतिम बार चैम्पियंस ट्रॉफी में उतरे थे और उसे भारतीय टीम ने रोहित की कप्तानी में जीता था।

वहीं बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भी टीम में शामिल किया गया है। श्रेयस को एकदिवसीय के लिए उपकप्तान बनाया गया है। कोहली और रोहित ने भारत के लिए आखिरी बार फरवरी-मार्च में खेला था।

तब दोनों चैंपियंस ट्रॉफी में टीम का हिस्सा थे। दोनों ने ही चैंपियंस ट्रॉफी में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को एकदिवसीय सीरीज के लिए आराम दिया गया है जबकि टी20 सीरीज में उन्हें शामिल किया गया है। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और ऋषभ पंत चोट के कारण शामिल नहीं किये गये हैं।

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इसके बाद वह सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में पांच मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेगी। मेजबानों के साथ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी।

भारतीय टीम पहला एकदिवसीय 19 अक्टूबर को पर्थ में खेलेगी जबकि दूसरा एकदिवसीय मैच 23 को एडिलेड में खेला जाएगा। सीरीज का तीसरा एकदिवसीय मैच 25 अक्टूबर को सिडनी में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए एकदिवसीय टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप कप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल.

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टी20 सीरीज के लिए चुनी गई भारतीय टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुबमन गिल (उप कप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर.

जडेजा ने बनाया रिकार्ड, कपिल, बॉथम और इमरान के क्लब में शामिल

अहमदाबाद ।भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली जीत में अहम भूमिका निभाने के दौरान ही शानदार गेंदबाजी और बल्लेबाजी करते हुए एक नया रिकार्ड बनाया है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक लगाने के साथ ही जडेजा ने कपिल देव, इयान बॉथम और इमरान खान जैसे महान ऑलराउंडरों की बराबरी की है। अब जडेजा उन खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने छह या उससे अधिक टेस्ट शतक बनाए हैं और साथ ही 300 से अधिक विकेट भी अपने नाम किए हैं।जडेजा ने 169 गेंदों पर अपना छठा टेस्ट शतक पूरा किया। जडेजा अब इयान बॉथम, कपिल देव, इमरान खान, रवि अश्विन और डेनियल विटोरी जैसे दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए हैं।यह उपलब्धि उन खिलाड़ियों की पहचान है जिन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दिया है।अब टेस्ट क्रिकेट में 4000 रन और 300 से अधिक विकेट लेने वाले चौथे क्रिकेटर बनने से केवल 10 रन दूर हैं।उन्होंने मैच के दौरान चार छक्के जड़कर पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।अब जडेजा टेस्ट में भारत के लिए चौथे सबसे ज़्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।जडेजा के नाम टेस्ट करियर में 79 छक्के हैं जबकि धोनी के नाम 78 छक्कों का रिकार्ड है।

भारत के निखिल चौधरी ऑस्ट्रेलियाई शेफील्ड शील्ड में खेलेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)।भारत के निखिल चौधरी ऑस्ट्रेलिया की रेड–बॉल प्रतियोगिता, शेफील्ड शील्ड में तस्मानिया की ओर से खेलते दिखेंगे।निखिल लिस्ट ए क्रिकेट में पंजाब की ओर से खेलते हैं।अब ऑस्ट्रेलिया में शेफील्ड शील्ड में खेलकर उनका करियर और निखर सकता है।ऑस्ट्रेलिया में छोटे क्लब स्तर पर खेलते हुए वह तस्मानिया तक पहुंचे हैं।निखिल ने पंजाब की ओर से खेलने के दौरान शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और अर्शदीप सिंह के साथ खेला है।हालांकि वह रणजी ट्रॉफी में अभी तक नहीं खेल पाये हैं।ऑस्ट्रेलिया जाने के बाद चौधरी ने क्लब क्रिकेट और वीकेंड टूर्नामेंट से खेलते हुए यहां तक का सफर किया है। ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद वह बिग बैश लीग की टीम होबार्ट हरिकेंस पहुंची। इसके बाद क्रिकेट तस्मानिया ने उन्हें लिस्ट ए मैचों में अवसर नहीं दिया।उन्होंने न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ 2 विकेट जबकि विक्टोरिया के खिलाफ 67 रन बनाये।जिससे उन्हें लाभ हुआ।क्रिकेट तस्मानिया की हाई परफॉर्मेंस प्रमुख सैलियन बीम्स ने निखिल के यहां तक के सफर की प्रशंसा करते हुए कहा कि किसी दूसरे देश में जाकर इस प्रकार की उपलब्धि हासिल करना कठिन होता है पर इस क्रिकेटर ने अपने को साबित किया है।साथ ही कहा कि उनकी भूख और जुनून टीम को मजबूती देगी।इससे पहले 1960 के दशक में रूसी सुरती ने की ओर से खेला था।

विश्व चैंपियनशिप में मीराबाई चानू का शानदार प्रदर्शन, भारत को दिलाया एक और रजत पदक

फॉरडे (नॉर्वे) (एजेंसी)। भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर और ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने 2025 विश्व वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। चानू ने कुल 199 किग्रा भार उठाया, जिसमें स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 115 किग्रा शामिल था। यह उनके तीन साल बाद विश्व मंच पर लौटने का प्रतीक है।

स्नैच में चानू ने 84 किग्रा सफलतापूर्वक उठाया, लेकिन 87 किग्रा के अगले दो प्रयासों में वे सफल नहीं हो सकीं और इस खंड में कांस्य पदक हासिल किया। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने क्रमशः 109, 112 और 115 किग्रा उठाया। अंतिम प्रयास की सफलता ने उन्हें रजत पदक दिलाया और उनके सर्वोत्तम प्रदर्शन को दोहराया।

पदक तालिका में उत्तर कोरिया की री सॉन्ग-गुम ने 213 किग्रा (91+122) के साथ स्वर्ण पदक और क्लीन एंड जर्क व कुल भार में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। थाईलैंड की थान्यातॉन सुकचारोएन ने 198 किग्रा के साथ कांस्य पदक जीता।

यह मीराबाई का तीसरा विश्व चैंपियनशिप पदक है; उन्होंने 2017 में स्वर्ण और 2022 में रजत पदक जीते थे। उनका 115 किग्रा का क्लीन एंड जर्क प्रदर्शन टोक्यो ओलंपिक में किए गए सर्वश्रेष्ठ भार के बराबर है। इस जीत से भारत को तीन साल बाद विश्व चैंपियनशिप में पदक मिला और अब तक इस टूर्नामेंट में भारत के सभी 18 पदक महिलाओं ने ही हासिल किए हैं। मीराबाई के साथ भारतीय टीम में कोयल बर, बिंद्यारानी देवी, निरुपमा देवी, हरजिंदर कौर, वंशीता वर्मा और मेहक शर्मा भी शामिल हैं। इनमें से कई खिलाड़ियों ने पहले ही कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में पदक जीते हैं।

पेरिस 2024 ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने और चोटों से जूझने के बाद यह रजत पदक मीराबाई के करियर में महत्वपूर्ण पुनरुत्थान का संकेत है। उनके इस प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे विश्व स्तरीय वेटलिफ्टिंग में भारत का गौरव बढ़ाती रहती हैं।

शुभमन एकदिवसीय में रोहित के सबसे अधिक स्कोर का रिकार्ड तोड़ सकते हैं : बांगर

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर और कोच संजय बांगर का मानना है कि युवा बल्लेबाज शुभमन गिल आने वाले समय में एकदिवसीय में रोहित शर्मा के 264 रनों के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। बांगर ने कहा कि अगर शुभमन टिककर अंत तक बल्लेबाजी करें तो निश्चिय ही रोहित का रिकार्ड तोड़ देंगे कयोंकि उनके पास अच्छी तकनीक होने के साथ ही उनका स्ट्राइक रेट भी अच्छा है। बांगर के अनुसार जिस प्रकार से शुभमन ने टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन किया है उसको देखते हुए ये तय है कि वह आगे भी इसी प्रकार खेलेंगे। शुभमन ने अब तक 55 एकदिवसीय मैचों में

आठ शतक और 15 अर्धशतक के साथ ही 2,755 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 208 रन है, जो उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ केवल 149 गेंदों में बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 19 चौके और नौ छक्के लगाये थे।

बांगर का मानना है कि गिल अगर टिककर लंबी पारी खेलते हैं तो वह रोहित का रिकॉर्ड तोड़ने में पीछे नहीं रह सकते हैं। उनके मुताबिक गिल की तकनीक, स्ट्राइक रेट और धैर्य उन्हें यह बड़ा रिकॉर्ड हासिल करने के लिए तैयार बनाते हैं। क्रिकेट विशेषज्ञ इसे एक चुनौतीपूर्ण लेकिन संभव मिशन मान रहे हैं। वहीं बांगर ने आक्रामक सलामी बल्लेबाजा अभिषेक शर्मा की भी जमकर प्रशंसा की है। बांगर ने कहा कि अभिषेक युवराज सिंह के 2007 टी20 विश्व कप अर्धशतक के रिकॉर्ड को भी तोड़ सकते हैं।

चाइना ओपन 2025 : कोको गॉफ का सफर सेमीफाइनल में थमा, अमांडा एनिसिमोवा ने दी करारी शिकस्त

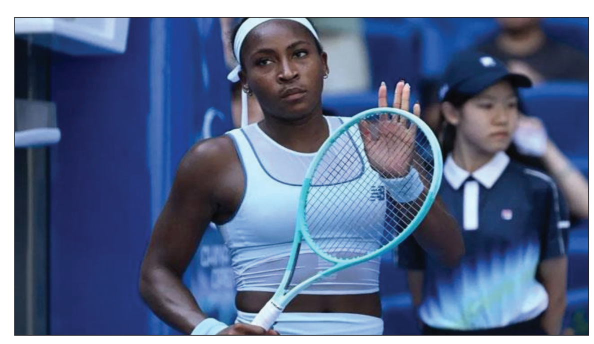

बीजिंग।अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ की चाइना ओपन में खिताब बचाने की उम्मीदें शनिवार को समाप्त हो गई।सेमीफाइनल में उनकी हमवतन और तीसरी वरीय अमांडा एनिसिमोवा ने उन्हें 58 मिनट के भीतर सीधे सेटों में 6–1, 6–2 से मात दी।गॉफ, जिन्होंने पिछले साल चाइना ओपन का खिताब जीता था, इस बार अपनी लय में नजर नहीं आईं और एनिसिमोवा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए उन्हें कोई मौका नहीं दिया। अमांडा ने शानदार सर्विस और बेसलाइन से ताकतवर शॉट्स खेलकर मुकाबले पर पूरी तरह से नियंत्रण बनाए रखा।इस जीत के साथ अमांडा एनिसिमोवा ने फाइनल में जगह बना ली।अब उनका सामना पांचवीं वरीय जेसिका पेगुला और लिंडा नोसकोवा के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा।गॉफ की इस हार से टूर्नामेंट का खिताबी समीकरण और भी दिलचस्प हो गया है क्योंकि एनिसिमोवा इस समय बेहतरीन फॉर्म में दिखाई दे रही हैं और फाइनल में उनके खेल पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी।

पैरा चैंपियनशिप : कियारा रोड्रिग्ज ने रचा इतिहास, चौथी बार जीता लंबी कूद का स्वर्ण पदक

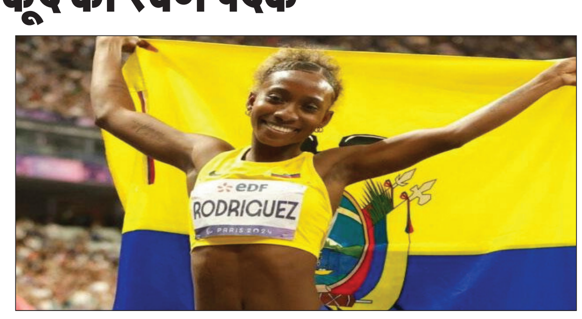

नयी दिल्ली: इक्वाडोर की कियारा रोड्रिग्ज ने इंडियनऑयल नयी दिल्ली पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2025 में लगातार चौथी बार महिलाओं की लंबी कूद टी–47 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।कियारा ने 6.29 मीटर की छलांग लगाई, जबकि हंगरी की पेट्रा लुटेरन (5.98 मीटर) ने रजत और डेनमार्क की ब्योर्कर नोएरेमाकर (5.84 मीटर) ने कांस्य पदक हासिल किया। भारत की निमिषा सुरेश चक्कुंगलपरम्बिल ने 5.74 मीटर की छलांग के साथ एशियाई रिकॉर्ड बनाया, लेकिन बेहतर प्रदर्शन न कर पाने के कारण पोडियम से चूक गईं और चौथे स्थान पर रहीं। कियारा इससे पहले 100 मीटर टी–47 में भी स्वर्ण जीत चुकी हैं और तिहरा पदक हासिल करने की कोशिश में हैं।इस बीच, अमेरिका के माइकल ब्रैनिगन ने पुरुषों की 1500 मीटर टी–20 और ईरान के अली बाजियारशूरिजेह ने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते।पदक तालिका में ब्राज़ील (12 स्वर्ण) शीर्ष पर कायम है, जबकि चीन 40 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर और भारत (6 स्वर्ण, 5 रजत, 4 कांस्य) चौथे स्थान पर है।

अभिषेक बोले, युवराज के लगाये प्रशिक्षण सत्र से बल्लेबाजी में आया निखार : अभिषेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से धूम मचाने वाले युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इस सफलता का श्रेय अपने गुरु युवराज सिंह को दिया दिया है। अभिषेक के अनुसार कोरोना संक्रमण के दौर में जब लॉकडाउन लगा था और सभी खेल मुकाबले रुक गये थे तब युवराज ने उन्हें प्रशिक्षण दिया था जिसका लाभ अब उन्हें मिला है। तब अभ्यास के दौरान युवराज ने कहा था कि तुम जल्द ही भारतीय टीम के लिए मैच जीतोगे। अभिषेक के अनुसार अब उनकी कही बातें सही साबित हो रही हैं। अभिषेक ने एक शो में कहा कि युवराज की देखरेख में जिस प्रकार से उन्होंने अभ्यास किया उससे उनकी बल्लेबाजी तकनीक बेहतर हुई।

इसी कारण वह एशिया कप में सबसे ज्यादा रन बनाने में भी सफल रहे। इस युवा बल्लेबाज ने कहा, मैं युवराज का बहुत शुक्रगुजार हूं। लॉकडाउन के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण सत्र रखा था जिसमें मेरे अलावा शुभमन गिल और प्रभसिमरन सिंह व अनमोलप्रीत सिंह आदि थे। तब मैं संघर्ष कर रहा था। यहां तक कि आईपीएल की अपनी टीम में भी अंतिम ग्यारह में जगह बनाना आसान नहीं हो रहा था। वहीं शुभमन को भारतीय टीम में जगह मिल गयी थी।

आईपीएल में निरंतरता में कमी के कारण मैं अंतिम ग्यारह में अपनी जगह पक्की नहीं कर पा रहा था। वहीं शुभमन पहले से ही भारत के लिए खेल रहा था। तब मुझे ऐसा लगना शुरू हो गया कि मैं पीछे रह गया हूं क्योंकि मेरे समूह के सभी लोग पहले ही अच्छा कर रहे थे। तभी युवराज ने कहा था कि वह मुझे भारत के लिए मैचों को जीतने के लिए तैयार कर रहे हैं और ऐसा दो से तीन साल में ही हो जाएगा। उसे सत्र के बाद मैंने महसूस किया कि मेरा लक्ष्य तो कुछ और ही था। साथ ही कहा कि अभ्यास के दौरान युवराज परे समय साथ रहते थे और रिकार्डिंग तक दिखकर गलतियां बताते थे।

प्रियंका चोपड़ा ने मुंबई को कहा अलविदा

भारतीय अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने मुंबई को अलविदा कह दिया है। वह दो दिनों तक मुंबई में रहने के बाद अमेरिका लौट गई हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मुंबई में बिताए अच्छे पलों को याद किया है। फैंस को दुर्गा पंडाल में प्रियंका चोपड़ा का लुक काफी पसंद आया। प्रियंका चोपड़ा बनारसी पैटर्न के साथ पर्पल कलर के सूट में दिखीं। एक्ट्रेस ने माथे पर बिंदी और मांग में सिंदूर लगा रखा था। एक्ट्रेस का देसी लुक फैंस के दिल को भा गया। प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर एक मुंबई टूर वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में एक्ट्रेस पहले अपने स्किनकेयर और मेकअप के बारे में बात कर रही है, वहीं कई स्थानों के साथ वह मां दुर्गा के पंडाल में भी नजर आईं। वीडियो में उन्होंने मुंबई में बिताए दो दिनों की यादें कैमरे में कैद कीं। एक्ट्रेस ने वीडियो के कैप्शन में लिखा,अलविदा मुंबई! वापस आना हमेशा बहुत अद्भुत होता है, भले ही यह एक मिनट के लिए ही क्यों न हो। उत्सव मना रहे सभी लोगों को दशहरा की शुभकामनाएं। दोबारा आने का वेट करें..।

प्रियंका ने एक्ट्रेस नीलम उपाध्याय को भी दिल से शुक्रिया कहा। उन्होंने लिखा, जब पति मदद के लिए आसपास नहीं थे तो आप थे। वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रियंका को हॉलीवुड एक्शन-कॉमेडी हेड्स ऑफ स्टेट में देखा गया था। फिल्म अमेजन प्राइम पर मौजूद है। एक्ट्रेस एक साथ कई फिल्मों की शूटिंग कर रही है, जो हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों हैं। एक्ट्रेस सिटाडेल-2, द ब्लफ, जजमेंट डे, एसएसएमबी 29 और कृष 4 में भी दिख सकती हैं।

Simi Garewal की दशहरा पोस्ट पर बवाल एक्ट्रेस ने रावण को बताया आज के सांसदों से बेहतर

बॉलीवुड एक्ट्रेस सिमी ग्रेवाल ने दशहरा के मौके पर एक ऐसी पोस्ट कर दी कि उनके फैंस हैरान रह गए. एक्ट्रेस ने रावण को आज के सांसदों से बेहतर बताया. 2 अक्टूबर दशहरा के मौके पर बॉलीवुड की हसीन अदाकारा एक्ट्रेस सिमी ग्रेवाल ने अपने एक्स हैंडल पर रावण की तारीफ करते हुए एक लंबा नोट लिखा है. एक्ट्रेस ने अपने नोट में रावण की खूब तारीफ की है, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है. बॉलीवुड एक्ट्रेस सिमी ग्रेवाल ने रावण के लिए एक लंबा-चौडा नोट लिखा है. जिसमें वो रावण की अच्छाइयां गिनाते नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस की इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है. अपनी पोस्ट में एक्ट्रेस ने लिखा- हर साल इस दिन हम अच्छाई की बुराई पर जीत का जश्न मनाते हैं. लेकिन सच कहूं तो, तुम्हारे व्यवहार को 'बुराई' की बजाय 'थोड़ी शरारत' कहा जाना चाहिए. आखिर तुमने किया ही क्या था? मानती हूं कि तुमने जल्दीबाजी में एक महिला का अपहरण कर लिया, लेकिन उसके बाद तुमने उसे वो सम्मान दिया जो आज की दुनिया में औरतों को शायद ही कभी मिलता हो. तुमने उसे अच्छा खाना दिया, रहने की जगह दी और यहां तक कि महिला सुरक्षा-गॉर्ड्स भी दिए (हालांकि वह बहुत सुंदर नहीं थीं). तुम्हारा विवाह का प्रस्ताव भी बड़े विनम्र ढंग से था और जब उसे ठुकरा दिया गया, तब भी तुमने एसिड नहीं फेंका. यहां तक कि जब भगवान राम ने तुम्हें मार डाला, तब भी तुमने उनसे माफी मांगने की बुद्धिमानी दिखाई.

रियल-लाइफ हीरो सोनू सूद का पंजाब से आशा भरा संदेश

हर परिवार की ज़रूरतें पूरी होनी चाहिए

पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ को एक महीने से ज़्यादा समय बीत चुका है, लेकिन गांवों में लोगों की तकलीफें अब भी जारी हैं। अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद, जो संकट के समय में लगातार आशा की किरण बनकर उभरे हैं, उन्होंने हाल ही में गाँव का दौरा किया और हालात का जायज़ा लिया। वहां उन्होंने जो देखा, उससे मदद जारी रखने का उनका संकल्प और मज़बूत हुआ। पंजाब में बाढ़ प्रभावित गांवों के पीड़ितों के साथ खड़े होकर, सोनू सूद ने कहा- आप देख रहे हो कि अभी भी जो बाढ़ के कारण तकलीफें हैं, वो बहुत ज़्यादा हैं और क़रीब 40-45 दिन हो चुके हैं बाढ़ को। और मैं हमेशा कहता आया हूँ ङ्क असली ज़रूरत अब पड़ेगी, क्योंकि पानी का स्तर अभी भी कई जगहों पर बहुत ज़्यादा है। और जो लोग मदद कर रहे हैं ङ्क बचा रहे हैं ङ्क उन्हें इसे जारी रखना चाहिए। गांवों में असली मुश्किलें अब आने वाली हैं, और हर परिवार को जो भी ज़रूरतें हैं, उन्हें हमें पूरा करना है। पंजाब के बाढ़ प्रभावित गाँवों की ज़मीनी हकीकत को बयां करते हुए उन्होंने लिखा, दिन- 45 आइए, ज़रूरतमंदों के लिए एकजुट हों। पंजाब और पूरे देश के लोगों के लिए यह शब्द एक चेतावनी भी हैं और एक आह्वान भी। राहत केवल एक बार की प्रक्रिया नहीं होती ङ्क यह एक निरंतर दायित्व है। सोनू सूद की पंजाब में उपस्थिति केवल मदद पहुंचाने के लिए नहीं है, बल्कि उन आवाज़ों को बुलंद करने के लिए भी है जो मूलभूत सुविधाओं से कटे हुए हैं ङ्क यह याद दिलाने के लिए कि संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में सोनू सूद संकट के समय में उम्मीद का पर्याय बन गए हैं ङ्क चाहे वो महामारी के दौरान प्रवासी मज़दूरों की मदद हो या अब बाढ़ पीड़ितों की सहायता। उन्होंने बार-बार दिखाया है कि ज़िम्मेदारी और ईमानदारी के साथ प्रभावशाली होना क्या मायने रखता है। पंजाब की इस कठिन घड़ी में उनका काम यह साबित करता है कि राहत केवल दान नहीं ङ्क बल्कि निरंतर करुणा और समर्थन से भरा एक लंबा सफ़र है।

12 की उम्र में श्वेता तिवारी ने की थी सिर्फ 500 रुपये के लिए नौकरी, मेहनत से बनीं घर-घर की प्रेरणा

टीवी से अपने करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। एक्ट्रेस ने टीवी पर तो छाप छोड़ी ही, लेकिन अब सीरीज और फिल्मों में अपना दबदबा बना रही हैं। शनिवार को एक्ट्रेस अपना 45वां जन्मदिन मना रही हैं। एक्ट्रेस की पर्सनल से लेकर प्रोफेशनल लाइफ सुर्खियों में रही है। एक्ट्रेस ने 500 रुपये से कमाना शुरू किया और आज लाखों कमा रही हैं। श्वेता तिवारी को सबसे पहले 1999 में आए शो कलीरे में देखा गया था, जिसके बाद सीरियल कसौटी जिंदगी की ने एक्ट्रेस की दुनिया बदल दी, क्योंकि एक्ट्रेस प्रेरणा बनकर घर-घर छा गई। प्रेरणा और अनुराग की जोड़ी आज भी याद की जाती है।

श्वेता तिवारी ने खुद इस बात का खुलासा किया था कि पहले सीरियल की शूटिंग लगातार 72-72 घंटे होती थी। घर जाने का समय नहीं मिलता था और पे चेक भी 30 का नहीं, बल्कि 45 दिन का मिलता था। श्वेता तिवारी ने 12 साल की उम्र से कमाना शुरू कर दिया था, क्योंकि उनका परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। अपने परिवार की मदद करने के लिए एक्ट्रेस ने 12 साल की उम्र में ट्रैवल एजेंसी में काम किया। उस वक्त एक्ट्रेस की पहली कमाई 500 रुपये थी, लेकिन आज एक्ट्रेस एक एपिसोड का लगभग 3 लाख रुपये चार्ज करती हैं और अकेले अपने दोनों बच्चों को पाल रही हैं। एक्ट्रेस ने 15 साल की उम्र में टीवी पर कदम रखा और दूसरे ही सीरियल से छा गई, लेकिन इसके साथ ही श्वेता की पर्सनल लाइफ काफी उतार-चढ़ाव भरी रही।

ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस मंथ 2025

एंजेलिना जोली इफेक्ट के साथ 'हर यात्रा मायने रखती है'

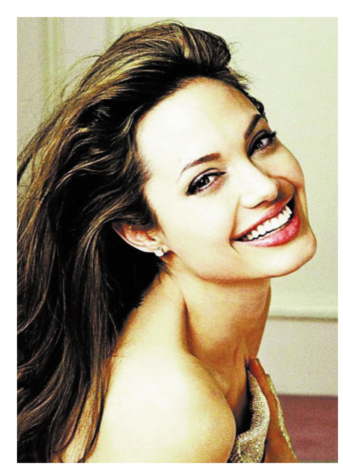

2013 में हॉलीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली ने दुनिया को एक बड़े फैसले से सबको चौंका दिया। उनकी मां (मार्शलीन बर्ट्रेंड) की मृत्यु ओवरी कैंसर से हुई थी। जोली ने टेस्ट कराया और पाया कि उनमें बीआरसीए1 जीन म्यूटेशन है, जो उनके ब्रेस्ट कैंसर के चांस को 87 फीसदी तक बढ़ा रहा था। एंजेलिना ने प्रिवेंटिव डबल मास्टेक्टॉमी (दोनों स्तनों को सर्जरी से हटवाना) करवा लिया। उस समय कइयों ने उनके फैसले पर सवाल उठाए, लेकिन बाद में हजारों महिलाएं अस्पताल पहुंचीं और टेस्ट कराए। डॉक्टरों का कहना है कि एंजेलिना की इस पहल से जोलि इफेक्ट नाम की एक अवेयरनेस लहर उठी, जिसने अनगिनत जिंदगियां बचाईं। रिसर्च बताती है कि उनके बयान के बाद लाखों महिलाओं ने बीआरसीए टेस्ट करवाने शुरू कर दिए। जोली ने अपने शरीर से जुड़ी बेहद निजी बात का खुलासा न्यूयॉर्क टाइम्स के ओप-एड लेख में किया था। 2013 के इस लेख में उन्होंने एक मां के डर को जाहिर करते हुए लिखा, मैं यह नहीं चाहती थी कि मेरे बच्चों को बार-बार वही डर महसूस हो जो मैंने अपनी मां के लिए महसूस किया था। मैंने तय किया कि मैं इस डर को कम करने की पूरी कोशिश करूंगी। जोली की इस ईमानदार कोशिश की दुनिया कायल हो गई। उन्होंने अपने इसी लेख में आगे लिखा, मेरे लिए यह लिखना आसान नहीं था। लेकिन अगर यह किसी एक महिला को भी टेस्ट करवाने और अपना जीवन बचाने के लिए प्रेरित कर सके, तो मैं अपने इस कदम को सही मानूंगी। स्तन कैंसर का हर निदान व्यक्तिगत होता है। हर निदान के पीछे एक कहानी होती है–साहस, दृढ़ता और आशा की। और जब इससे किसी मशहूर हस्ती का नाम जुड़ जाता है तो आम जन को भी इसकी गंभीरता और भयावहता का एहसास सहज ही हो जाता है। एंजेलिना जोली की ब्रेस्ट कैंसर स्टोरी केवल हॉलीवुड की ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की महिलाओं के लिए एक बड़ा संदेश बन गई।

रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम लेकर आ रहे तीरंदाजी का नया जोश, एपीएल में हिस्सा लेगी पृथ्वीराज योद्धा

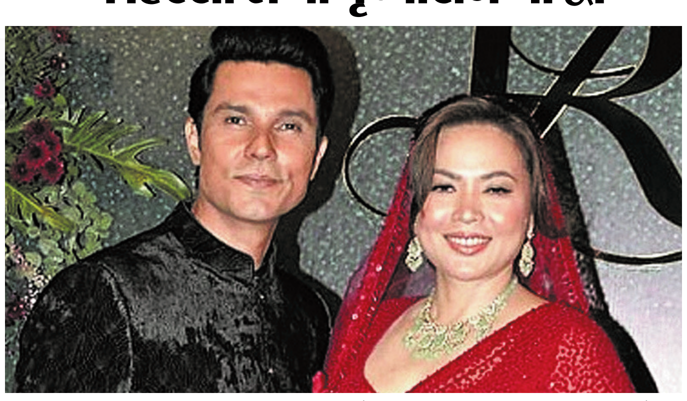

भारत में खेलों का जादू हमेशा से लोगों के दिलों में खास रहा है। हरियाणा की मिट्टी से लेकर देश के कोने-कोने तक, खेलों ने कई युवाओं को प्रेरित किया है। इस कड़ी में तीरंदाजी यानी आर्चरी के प्रति लोगों का उत्साह बढ़ाने के लिए बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता रणदीप हुड्डा और उनकी पत्नी व पूर्व राष्ट्रीय स्तर की तीरंदाज लिन लैशराम की टीम पृथ्वीराज योद्धा आगामी आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) में हिस्सा लेंगी। बता दें कि लिन लैशराम पृथ्वीराज योद्धा टीम की सह-मालिक हैं। एपीएल 2 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2025 तक यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगी। रणदीप और लिन की यह साझेदारी न केवल खेल को बढ़ावा देगी, बल्कि युवाओं को भी तीरंदाजी जैसे खेल की तरफ आकर्षित करेगी। रणदीप हुड्डा ने कहा, खेल हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। हरियाणा में बचपन से ही खेलों की संस्कृति रही है, जहां कुश्ती, हॉकी, और बॉक्सिंग जैसे खेलों ने देश का नाम रोशन किया है। मेरे लिए तीरंदाजी जैसे खेल से जुड़ना एक गर्व की बात है। तीरंदाजी में कई खासियतें होती हैं, जैसे कि ध्यान केंद्रित करना, धैर्य बनाए रखना, और मुश्किल हालात में टिके रहना; ये सभी गुण हरियाणा की खेल संस्कृति से मेल खाते हैं। मेरी पत्नी लिन का इस खेल के साथ गहरा लगाव है, जो हमारी टीम को और मजबूत बनाता है। लिन लैशराम के लिए तीरंदाजी केवल एक खेल नहीं, बल्कि एक जीवन की यात्रा है। उनके पिता मणिपुर आर्चरी एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं, जिन्होंने उन्हें बचपन से ही तीरंदाजी की दुनिया की ओर आगे बढ़ाया। लिन ने महज दस साल की उम्र में तीरंदाजी शुरू की और जल्द ही राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने लगीं। टाटा आर्चरी अकादमी में प्रशिक्षण लेने के बाद उन्होंने कई पदक जीते और 1998 में जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप भी अपने नाम की। हालांकि, चोट के कारण उन्हें प्रतियोगिता से दूरी बनानी पड़ी, लेकिन उनका खेल के प्रति जुनून कभी कम नहीं हुआ। अब आर्चरी प्रीमियर लीग में उनका फिर से लौटना उनके लिए एक नई शुरुआत है।

पायरेसी को बढ़ावा न दें, कांतारा चैप्टर 1 के निर्माताओं ने दर्शकों से की खास अपील

ऋषभ शेट्टी की बहुचर्चित फिल्म कांतारा चैप्टर 1 के निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म को पायरेसी से बचाने ने के लिए दर्शकों से एक खास अपील की है। साथ ही फिल्म को सिनेमाघरों में देखने का अनुरोध भी किया है।

कांतारा चैप्टर 1 2 अक्तूबर, 2025 को गुरुवार के दिन सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म ने पहले दिन 60 करोड़ रुपये का धांसू कलेक्शन किया। आज फिल्म की रिलीज के बाद फिल्म निर्माताओं ने अपने दर्शकों से फिल्म को पायरेसी से बचाने के लिए एक खास अपील की है। होम्बले फिल्म्स ने आज एक्स पर एक खास नोट शेयर करते हुए लिखा, प्रिय कांतारा परिवार और सिनेमा प्रेमियों, कांतारा चैप्टर 1 जितना हमारा है, उतना ही आपका भी है। आपके प्यार ने इसे सचमुच अविस्मरणीय बना दिया है। हम आपसे विनम्र निवेदन करते हैं कि फिल्म के वीडियो शेयर और रिकॉर्ड न करें और पायरेसी को बढ़ावा न दें। आइए, सिनेमाघरों में कांतारा का जादू बरकरार रखें, ताकि हर कोई इसे उसी तरह महसूस कर सके जैसा इसका होना चाहिए। कांतारा चैप्टर 1 भारतीय कन्नड़ भाषा की एक्शन थ्रिलर फिल्म है। यह फिल्म ऋषभ शेट्टी द्वारा लिखित और निर्देशित है। होम्बले फिल्म्स के तहत विजय किरागांदुर द्वारा निर्मित यह फिल्म 2022 की कांतारा का प्रीक्वल है। फिल्म में ऋषभ शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं।

शरवरी वाघ ने दशहरे पर शुरू की इम्तियाज अली की फिल्म की शूटिंग

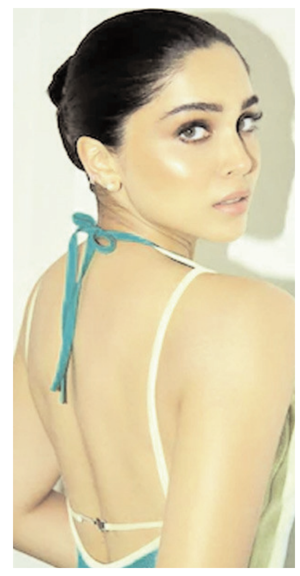

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ ने अपनी अगली बड़ी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर की। इस फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली कर रहे हैं। इस फिल्म में वेदांग रैना उनके अपोजिट दिखाई देंगे। दशहरे के शुभ अवसर पर अभिनेत्री शरवरी वाघ ने यह खुशखबरी फैंस के साथ साझा की। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने बताया कि वह पूजा के लिए घर पर नहीं आ सकीं। इसके बजाय उन्होंने अपने कमरे में फिल्म की स्क्रिप्ट के साथ एक छोटी सी पूजा की और फिल्म की शुरुआत की। इस तस्वीर में एक नोटबुक भी रखी है, जिस पर उन्होंने कुछ लिखा था और जिसे ताजा गुड़हल के फूलों से सजाया गया था। इसे शेयर करते हुए शरवरी ने लिखा, आज पूजा के लिए घर पर नहीं आ सकी, इसलिए मैंने अपने कमरे में स्क्रिप्ट के साथ अपनी छोटी सी पूजा की। दशहरा की शुभकामनाएं। एक बेहद खास निर्देशक और टीम के साथ एक बेहद खास फिल्म की शूटिंग शुरू कर रही हूं। जून में इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई थी। उस समय शरवरी ने उत्साह और आभार व्यक्त करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा था, मेरे जन्मदिन पर यह घोषणा देखकर मुझे बहुत आश्चर्य हुआ। अब तक का सबसे अच्छा जन्मदिन। इम्तियाज अली सर, जब से मैंने एक अभिनेत्री बनने का सपना देखा है, तब से मैं आपके निर्देशन में काम करने के लिए तत्पर थी। यह मेरे लिए सीखने का सबसे अद्भुत अनुभव होगा। आपके विजन का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। मुझे चुनने के लिए धन्यवाद। इस ड्रीम टीम का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लग रहा है। इस नए सफर के लिए बेहद उत्साहित हूं। शरवरी वाघ ने 2021 में यशराज की फिल्म बंटी और बबली 2 से करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में रानी मुखर्जी, सैफ अली खान और सिद्धांत चतुर्वेदी जैसे कलाकार भी थे

इन 13 तरीकों से त्वचा होगी साफ और बेदाग

आप अपनी त्वचा को खूबसूरत बनाए रखने के लिए कई तरह के जतन करते हैं, लेकिन ये ब्लैकहेड्स ...जब तक त्वचा पर उभर आते हैं और सारी कोशिशों पर पानी फेर देते हैं। लेकिन ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं.. अजी ब्लैकहेड्स ही तो हैं। यह लीजिए हम बता देते हैं, आपको इस मुसीबत से निजात पाने के ढेरों उपाय। अब तो खुश ... चलिए जान लेते हैं ब्लैकहेड्स हटाने और त्वचा को साफ व बेदाग बनाने के के यह 13 उपाय -

1 कॉर्नस्टार्च -

कॉर्नस्टार्च यानि मक्के का आटा और विनेगर को तीन अनुपात एक मात्रा में मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को ब्लैकहेड्स वाले हिस्से पर लगाकर कम से कम 15 मिनट तक रखें। इसे आप आधा घंटा भी लगाकर रख सकते हैं। अब आधे घंटे बाद गुनगुने पानी से धोकर साफ कर लें। इससे आपकी समस्या दूर हो सकती है।

2 दही -

दही सेहत के साथ सौंदर्य का भी खजाना है। किसी कटोरी में तीन चम्मच दही लेकर उसमें लगभग दो चम्मच ओटमील या जौ का आटा मिलाएं। अब इस मिश्रण में एक चम्मच जैतून का तेल और इतनी ही मात्रा में नींबू का रस डालकर पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे या ब्लैकहेड्स वाले स्थान पर लगाकर, पांच से सात मिनट के बाद ठंडे पानी से धो लें। फिर देखिए असर।

3 बादाम -

बादाम के पाउडर को जौ के आटे में मिलाकर गुलाबजल के साथ मिक्स करके पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट को प्रभावित स्थान पर उंगलियों के पोरों से लगाएं। लगभग 15 मिनट के बाद इसे ठंडे पानी से धो लें। इस प्रयोग से ब्लैकहेड्स की समस्या खत्म होती है।

4 चावल -

जी हां, चावल भी आपके चेहरे को बेदाग और खूबसूरत बनाने में मदद करता है। इसके लिए चावल को दूध में लगभग 5 घंटे तक भि?गोकर, इसे मिक्सर में पीसकर स्क्रब बना लें। अब इसे सामान्य स्क्रब की तरह ही प्रयोग करें। इससे ब्लैकहेड्स की समस्या समाप्त होगी।

5 टूथपेस्ट -

ब्लैकहेड्स प्रभावित स्थान पर टूथपेस्ट की एक पतली सी परत लगाएं और लगभग 20 से 25 मिनट तक इसे रहने दें। इसके बाद जब आप इस परत को हटाएंगे, तो त्वचा पर ब्लैकहेड्स या सफेद दानें आपको नजर नहीं आएंगे। इस प्रयोग को दो हफ्ते तक एक दिन छोड़कर करें। ऐसा करने से यह समस्या पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी।

6 नींबू -

नींबू में प्राकृतिक अम्ल होता है, जो त्वचा की गंदगी साफ करने में मदद करता है। इसके लिए एक नींबू का रस निकालकर उसमें एक चुटकी नमक मिलाएं और इस मिश्रण को ब्लैकहेड्स वाले स्थान पर लगाकर लगभग 20 मिनट तक रखें। इसके बाद इसे हल्के गर्म पानी से अच्छी तरह से धो लें। यह नुस्खा काफी कारगर है।

7 आलू -

आलू भी इस मामले में बड़े काम की चीज साबित होगा। कच्चे का आलू का टुकड़ा ब्लैकहेड प्रभावित स्थान पर अच्छी तरीके से रगड़ें। अब इसके रस को कुछ समय तक त्वचा पर रहने दें और 15 मिनट के बाद धो लें।

8 धनिया पत्ती -

हरा धनिया स्वाद बढ़ाने में जितना कारगर है, उतना ही सुंदरता के लिए भी। इसकी पत्तियों को चुटकी भर हल्की के साथ पीसकर पेस्ट बना लें। इस इस पेस्ट को ब्लैकहेड वाले स्थान पर लगाकर रखें और कुछ समय बाद धो लें। ब्लैकहेड तो कम होंगे ही, त्वचा में जान आ जाएगी।

9 ओटमील -

ओटमील को ग्राइंडर में पीसकर गुलाबजल डालकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को चेहरे पर 15 मिनट लगाकर रखें और ठंडे पानी से धो लें। इससे भी त्वचा की गंदगी साफ हो जाएगी।

10 बेकिंग सोडा -

बेकिंग सोडा में जरा सा पानी डालकर पेस्ट बनाएं और इसे स्क्रब की तरह त्वचा पर लगाएं। इससे त्वचा के ब्लैकहेड और अन्य गंदगी समाप्त हो जाएगी। इसे 15 मिनट प्रयोग करने के बाद ठंडे पानी से धो लें।

11 मेथी की पत्तियां -

मेथी की पत्त?यों को पीसकर चेहरे पर लगाने से भी त्वचा की अंदरूनी सफाई हो जाती है, और झाइयां, दाग आदि नहीं रहते। इसका प्रयोग प्रतिदिन रात के वक्त किया जा सकता है।

12 शहद -

ब्लैकहेड्स से निजात पाने के लिए आप शहद का प्रयोग भी कर सकते हैं। इसके लिए शहद की एक परत त्वचा पर लगाकर रखें और कुछ समय बाद इसे धो लें। इससे भी त्वचा के ब्लैकहेड और अन्य समस्याएं समाप्त हो जाएंगी।

13 टमाटर -

यह आपकी त्वचा को साफ करने के लिए बेहद कारगर चीज है। टमाटर को मैश करके इसका छिलका उतार दें और इसे प्रभावित स्थान पर कुछ घंटों के लिए लगाकर रखें और छोड़ दें। अब हल्के गर्म पानी से इसे धो लें। ऐसा करने से भी ब्लैकहेड और सफेद दानों की समस्या हल हो जाएगी।

खूबसूरती चाहिए तो पढ़ें 5

हम खुद को खूबसूरत दिखाने के लिए तरह-तरह के जतन करते हैं। कभी कपड़ों के जरिए, तो कभी मेकअप और तरह तरह के स्टाईल अपनाकर हम खूबसूरत दिखने में सफल तो हो जाते हैं, लेकिन यह खूबसूरती कुछ ही समय तक रहती है। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसी बातें, जो बनाती है, आपको अंदर से खूबसूरत -

आत्मविश्वास – खूबसूरत दिखने के लिए आप चाहें कुछ भी आजमाएं, चेहरे की चमक आत्मविश्वास से ही बढ़ती है। वैज्ञानिकों ने भी इस बात की पुष्टि की है। जब भी आप किसी कार्यक्रम या समारोह में शामिल होते हैं, या फिर कोई इंटरव्यू देने जाते हैं। हर जगह आत्मविश्वास से लबरेज चेहरा आकर्षित करता है।आपका यही आकर्षक आपको सबसे बेहतर बनाता है, जिसके कारण आपके आसपास के लोग खुद में आत्मविश्वास की कमी महसूस करने लगते हैं। कई बार आपका आत्मविश्वास आपके बिना कुछ किए ही आपको सफलता दिला देती है। प्रसन्न मन- मन की खुशी हमेशा चेहरे पर झलकती है, और चेहरे की चमक अपने आप बढ़ जाती है। हंसमुख चेहरा हर किसी के दिल में जगह बना लेता है, और हर कोई उसकी तरफ खुद-ब-खुद आकर्षित होने लगता है।किसी समारोह में तो यह खुशमिजाज चेहरा हर किसी के आकर्षण का केंद्र होता है। प्रसन्न मन का फायदा आपके चेहरे और स्वास्थ्य दोनों पर पड़ता है।प्रसन्न चेहरे की रौनक देखते ही बनती है।

मेडिटेशन – मेडिटेशन आपके मन को एकाग्र करने के साथ-साथ आपके मन को शांत करता है, जिसका असर आपके चेहरे पर प्रत्यक्ष तौर पर दिखाई देता है। मन की शांति जब, सौम्यता और धैर्य के साथ चेहरे पर उतरती है, तो आंतरिक सुंदरता बेहद आकर्षित करती है। मेडिटेशन आपके हाव भाव और स्वभाव से आपको खूबसूरत बनाता है। यह आंतरिक खूबसूरती कुछ समय के लिए नहीं बल्कि हमेशा आपके साथ रहती है। खूबसूरती चाहिए तो पढ़ें 5 टिप्स

योग-व्यायाम – योग, व्यायाम या एक्सरसाईज, कुछ भी कह लें, लेकिन यह आपके शरीर और आत्मा, दोनों को एक साथ खूबसूरत बनाता है। आपके अंदर सकारात्मक उर्जा का संचार करता है, जो आपके चेहरे पर साफ तौर पर दिखाई देता है। योग, मानसिक और शारीरिक दोनों तरह से प्रभावित करता है।और व्यायाम शरीर में रक्तसंचार को सुव्यवस्थित करता है, जिससे आपके चेहरे का ग्लो बढ़ जाता है, और विकृतियां भी दूर हो जाती है।

फल व सब्जियां – भोजन में तेल व मसालेदार पदार्थों के बजाए सात्विक भोजन एवं भरपूर मात्रा में फल और सब्जियों का सेवन आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। इसके इलावा इनमें पोषक तत्वों के साथ पानी की मात्रा भी होती है। हर तरह के फल का नियमानुसार सेवन अपके शरीर में विटामिन व मिनरल्स की कमी को दूर कर शरीर को स्वस्थ खता है, और चेहरे पर प्राकृतिक चमक लाता है। सकारात्मक

नजरिया –

आप अपने जीवन में चाहें कितने भी सफल क्यों न हों, कितने भी बेहतर क्यों न हों, वह सफलता कोई मायने नहीं रखती, जब तक आप खुद सकारात्मक न हों। सकारात्मकता का आपके व्यक्तित्व पर उतना ही असर पड़ता है, जितना पोषक तत्वों का शरीर पर। सकारात्मकता आपको अंदर ये खूबसूरत बनाती है। आप अपने अंदर एक रौनक महसूस करेंगे, जो आपके चेहरे पर भी दिखाई देती है।

मैजिक मुल्तानी मिट्टी का

चेहरे की चमक को बरकरार रखने के लिए मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग किसी भी उम्र में किया जा सकता है। इसके इस्तेमाल से त्वचा में कसाव और रंगत में निखार आता है। यह स्किन के लिए बढ़िया टोनर और मॉश्चराइजर भी है। तो फिर क्यों न मुल्तानी मिट्टी से सौंदर्य निखार के कुछ नुस्खे आप भी आजमाइए।

रोमकूपों की सफाई हो जाए

मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग त्वचा के रोमकूपों की गंदगी की सफाई के लिए करना हो तो 2 छोटे चम्मच मुल्तानी मिट्टी में 4 छोटे चम्मच टमाटर का रस मिलाकर चेहरे पर प्रतिदिन लगाएं। रोमकूप साफ हो जाएंगे। इसे हाथों या अन्य जगह भी लगा सकती हैं।

झाइयां दूर हो जाए

चेहरे की झाइयां दूर करने के लिए थोड़ी अरहर की दाल का पाउडर, दही व पिसी हल्दी में थोड़ी सी मुल्तानी मिट्टी मिलाकर पेस्ट बना लें और चेहरे पर लगाएं। कुछ दिन के नियमित प्रयोग से झाइयां दूर हो जाएंगी।

मुंहासे गायब हो जाएं

मुंहासे सता रहे हों तो 2 छोटे चम्मच मुल्तानी मिट्टी, 1 छोटा चम्मच नींबू का रस, 1 छोटा चम्मच बेसन और चुटकी भर हल्दी मिलाकर पेस्ट बनाएं। मुंहासों वाली स्किन पर मुल्तानी मिट्टी का लेप सप्ताह में दो बार लगाएं। इससे त्वचा स्वस्थ व निर्मल हो जाएगी और मुंहासे भी गायब हो जाएंगे।

त्वचा हो जाए मुलायम

त्वचा को मुलायम व चमकदार बनाने के लिए 2 बड़े चम्मच मुल्तानी मिट्टी में चौथाई छोटा चम्मच, चंदन पाउडर, 2 छोटे चम्मच नारियल पानी, 2 छोटे चम्मच खीरे का रस मिलाकर चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाएं। सप्ताह में 1 बार लगाने से त्वचा साफ, सुंदर और आकर्षक हो जाएगी।

सांवलापन दूर हो जाए

त्वचा का सांवलापन कम करने के लिए 2 चम्मच मुल्तानी मिट्टी में चौथाई छोटा चम्मच ग्लिसरीन और 2 बड़े चम्मच गुलाबजल मिलाकर चेहरे पर 10 मिनट तक लगाएं। फिर साफ, गुनगुने पानी से धो डालें। सप्ताह में दो बार इस फेस पैक का प्रयोग करने से सांवली त्वचा में काफी हद तक निखार आ जाता है।

झुर्रियों से बचाव हो जाए

चेहरे को झुर्रियों से बचाने के लिए बादाम की 4-5 गिरियां पीस लें। इसमें 4 छोटे चम्मच खीरे का रस तथा 2 छोटे चम्मच मुल्तानी मिट्टी मिलाकर पेस्ट बनाएं। महीने में चार बार इसका नियमित प्रयोग करें। कुछ दिनों बाद झुर्रियां कम हो जाएंगी।

केश मुलायम, रेशमी और घने हो जाएं

दो बड़े चम्मच मुल्तानी मिट्टी में 1 बड़ा चम्मच दही घोलकर उसमें एक बड़ा चम्मच नीबू का रस मिलाएं। अच्छी तरह केशों की जड़ों में लगाएं और थोड़ी देर बाद धो लें। इससे केश मुलायम, रेशमी तथा घने होने के साथ अधिक समय तक काले भी रहेंगे।